CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

5264

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

A DICTIONARY OF ARCHAEOLOGY

पुरातात्त्विक शब्दावली

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

A DICTIONARY OF ARCHAEOLOGY

(ILLUSTRATED)

English-Hindi

पुरातात्त्विक शब्दावली

PRADIP KUMAR SHALIGRAM

With a Foreword by :

O. P. VARMA

Bharatiya Vidya Prakashan
1-U.B. Jawahar Nagar
Bungalow Road,
DELHI-7.

CARAVAN PUBLISHING CO.

DELHI : INDIA

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

State Museum Library
Lucknow
5264

Price : Rs. 60.00
First Edition : 1980

© All rights reserved by the Publisher

Published by :
A .Sachdev
CARAVAN PUBLISHING CO.
1813, Chandrawal Road, Delhi-110007

Printed at :
Amar Printing Press (Sham Printing Agency),
8/25 (Double Storey) Vijay Nagar, Delhi-110009

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TO

PROFESSOR W.M. KALMEGH

VICE CHANCELLOR NAGPUR, UNIVERSITY

A SMALL TOKEN IN GREAT ESTEEM

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्रस्तावना

पुरातत्त्व विज्ञान की रुचि शिक्षितवर्ग में कुछ समय से बढ़ती चली आ रही है। एक समय था जब यह विज्ञान केवल अंग्रेजों तथा अंग्रेजी जानने वालों तक ही सीमित था। पर आज इस ज्ञान का प्रचार हिन्दी जगत् तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं तक पहुँच चुका है।

यह एक अत्यन्त हर्ष की बात है कि प्रस्तुत "पुरातात्त्विक शब्दावली" हिन्दी भाषा में एक अनुपम प्रयास है। पुरातात्त्विक शब्दों के इस संकलन से श्रीप्रदीप कुमार शालिग्राम ने न केवल पुरातत्त्व विषय में एक अनूठा योगदान दिया है बल्कि हिन्दी भाषा की भी सेवा की है। उनके इस प्रयास का मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ और उनकी इस कृति के लिए बधाई देता हूँ। मुझे यह विश्वास है कि "पुरातात्त्विक शब्दावली" पुरातत्त्व के विद्यार्थियों के लिए तो उपयोगी सिद्ध होगी ही, साथ ही साथ जन साधारण को भी इससे समुचित लाभ होगा।

ओंकार प्रसाद वर्मा
रीडर प्राचीन भारतीय इतिहास
संस्कृति व पुरातत्त्व विभाग
नागपुर विद्यापीठ, नागपुर

नागपुर
दिनांक : २९-५-१९७९

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अपनी बात

पुरातत्त्व विज्ञान की महत्ता सर्व विदित है। समय के साथ-साथ पुरातत्त्व का अध्ययन और भी आगे बढ़ गया है तथा दिन प्रतिदिन उन्नति ही करता जा रहा है। भारतीय प्रागितिहास, आदीतिहास एवं पुरातत्त्व संबंधी पुस्तकें हिन्दी में बहुत कम हैं। अंग्रेजी शब्दों के समानार्थक हिन्दी एवं बहुत कुछ उनके प्रचलन की कमी के कारण इस दिशा में बहुत कम साहित्य आ पा रहा है। इस ओर सर्व प्रथम मेरा ध्यान तब आकर्षित हुआ जब मैं एम० ए० प्रथम वर्ष का छात्र था। तभी मैंने संकल्प किया था कि पुरातत्त्व का अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोष हो, ताकि छात्रों एवं अध्यापकों को सुविधा हो और जब मैं इस विभाग में लेक्चरर नियुक्त हुआ तो मैंने अपनी ओर से सर्वप्रथम यही प्रयास किया।

शब्दों के चयन एवं तत्सम्बन्धी विवरण के लिए मैं विशेषतया श्रीदीनबन्धु पांडेय एवं डॉ० एस० बी० देव का आभार मानता हूँ जिनके पूर्वप्रकाशित कार्य का मैंने विशेष उपयोग किया है।

प्रस्तुत पुस्तिका नागपुर विद्यापीठ के कुलगुरु प्रो० वा० मो० कालमेघ जी को समर्पित की गयी है। मेरे गुरुवर्य आदरणीय डा० ओ० पी० वर्मा०, रीडर प्रा० भा० इ० सं० एवं पुरातत्त्व विभाग नागपुर विभाग, ने प्रस्तावना लिखकर मेरा जो उत्साह वर्द्धन किया उसके लिये इस शिष्य के पास अर्पित करने को केवल श्रद्धाप्रसून ही है।

इस शब्दावली के प्रकाशन के लिए मैं अपने मित्र श्रीसुरेश जी का विशेष आभार मानता हूँ जिन्होंने शब्दों को क्रम देने में मेरी मदद की। रेखाचित्र मेरे कनिष्ठ बन्धु भूषण ने बनाये हैं। इस शब्दावली के प्रकाशन का भार न्यू स्टैंडर्ड पब्लीकेशन, दिल्ली ने सम्भाला। अत: प्रबन्धक धन्यवाद के पात्र हैं।

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व के विद्यार्थियों तथा विद्वानों के लिए यह पुस्तिका यत्किंचित् भी सहायक हो सके तो मैं अपना परिश्रम सफल समझूंगा।

बुद्ध पूर्णिमा ३० अप्रैल, १९८०
बेझनबाग, नागपुर

प्रदीपकुमार शालिग्राम

अधिव्याख्याता, प्रा० भा० इ० सं० एवं पुरातत्त्व विभाग,
नागपुर विद्यापीठ, नागपुर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

A

AARDWARK OR AARDVARK — भू-शूकर

दक्षिणी आफ्रिका का चीटियां खाने वाला एक चौपाया

ABACUS — पक्षक, स्तम्भ का उपशीर्षक भाग

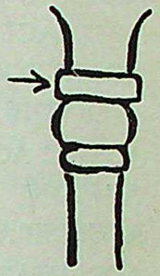

ABBEVILLIAN OR ABBEVILLEAN — एबेविलीय

फ्रान्स के एबेविल नामक स्थान से पाये गये सबसे पुराने एवं एक हस्तपरशु वाले उद्योग को यह नाम दिया गया है। इनके टेढ़े-मेढ़े किनारे दोनों फलों पर गहरे निशान छोड़ने वाले चिप्पड़ों के निकालने से बने होते हैं। इनका समन्त गोलाकार एवं बिना चिप्पड़ निकाले पत्थर के अंश वाला होता है। इसे ही पहले फ्रान्स के शेलेस नामक स्थान के नाम पर शेलीय कहा गया था। भारतीय प्रागितिहास में इस शब्द का प्रयोग इस प्रकार के हस्तपरशु का विवरण देते हुये किया जाता है। किन्तु यह आवश्यक नहीं है कि भारतीय प्रागैतिहासिक आयुध भी एबेविली आयुधों के समकालीन या उतने ही पुराने होंगे।

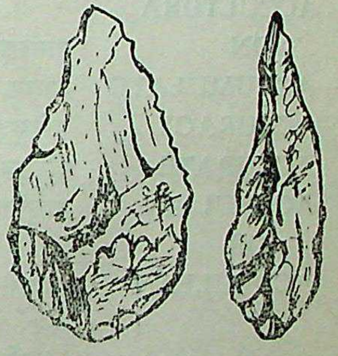

ABERRANT — अपोपलक्षक, असामान्य, असाधारण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ABIDER निवासी
ABORIGINAL आद्य आदिम, मूल, वनवासी
ABORIGINALITY आदिकालीनता
ABRASION घिसाव
ABRASIVE अपधर्मी
ABSOLUTE DATING निरपेक्ष कालमान
ABSTRACT अविच्छिन्न
ACANTHOPTERYGII शल्यपक्ष मछली
ACETIC ACID एसेटिक अम्ल
ACETONE एसिटोन
ACCELERATION त्वरण
ACCLIMATIZATION परिस्थितिक अनुकूल, जलवायु अनुकूल
ACCOMMODATION वास, निर्वाह
ACCULTURATION उत्संस्करण, परसंस्कृतिग्रहण
ACCUMULATE उपचय, संचय
ACCURACY परिशुद्धता, यथार्थता
ACCURATE परिशुद्ध
ACHEULIAN आशुलियन उद्योग
OR
ACHEULEAN आशुलियन उद्योग का नाम फ्रान्स की सोमघाटी में स्थित सेन्ट आशुल नामक स्थान पर आधारित है । यह एबेविलीयन प्रकार के उपकरणों से विकसित अवस्था के उपकरणों का निर्देश करते हैं। युरोप के हिमयुगों के कालक्रमानुसार, आशुलियन प्रकार के उपकरणों का प्रारम्भ मिण्डेल, रिस हिम प्रत्यावर्तन से होता है । तथा अन्तिम हिम प्रत्यावर्तन रिस-वूर्म हिम प्रत्यावर्तन तक से प्राप्त होते हैं ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ACID — अम्ल

ACINACES — एसिनेसोज

प्राचीन ईरानियों और शकों की तलवार विशेष

ACLINE — अनंत

ACORN — वंजुफल

ACROPHONETIC WRITING — आदिध्वन्यक्षर लिखावट

ACROPOLIS — एक्रापॉलिस

प्राचीन यूनान के एथेन्स नगर का एक गौरवपूर्ण स्थान। जहां के मन्दिरों में यूनानी भवन निर्माण कला का पूर्ण उत्कर्ष देखने को मिलता है। इन प्रसिद्ध मन्दिरों के निर्माण का समय पैरेक्लीज के शासनकाल के समय के आसपास माना जाता है। इनमें ग्रीस के प्राचीन मन्दिरों की कला प्रमुखरूप से तीन प्रकार की शैलियां पायी जाती हैं। जिन्हें डोरिक, आयोनिक, और कोरिपन्थन शैली कहा जाता है।

ACT OF AGGRESSION — अग्रघर्षण कार्य

ACTA DIURNA — रोजनामचा (प्राचीन रोम)

ACTUARIAL — जीवनांकसम्बन्धी

ACTUARIAL ANALYSIS — जीवनांकिक विश्लेषण

ADAPTABILITY — अनुकूलता

ADAPTATION — अनुकूल, मेल, संयोग

ADDICE — कुल्हाडी

ADJUSTMENT — व्यवस्थापन

ADICHANNA-LLUR — आदिचनल्लूर

दक्षिण भारत में महाश्मयुगीन अवशेषों का स्थल। यहां की कब्रों में कांस्य तथा लोह के विभिन्न अवशेषों के साथ मानवी अवशेष प्राप्त हुये जिनमें कुछ कांस्य की बनी तश्तरियों पर मुर्गा, भैंसा, पंछी या भेड़ आदि की

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

आकृतियां बनी हुई हैं। यहां कृष्ण लोहित मृद्भाण्ड मिले हैं। इसका काल ई० पू० ६-७वीं शती निर्धारित किया गया है।

ADOBE — कच्ची ईंट, मिट्टी का लौन्दा

ADOPTION — अंगीकरण

ADYTUM — गर्भगृह

ADZE — बसूला, कुल्हाड़ी

AEDILE — ईडाइल, प्राचीन रोम का एक नगर अधिकारी

AEGEAN VASE — इजियन कलश

AEON — युग

AEPYORNIS — इपर्णस, तुङ्ग-विहंग

AERARIUM — इरेरियम, प्राचीन रोम का राजकोष

AERIAL PHOTOGRAPHY OR AIR PHOTOGRAPHY — आकाशीय आलोक चित्रण

यह विधि विशेषरूप से पुरातात्त्विक महत्त्व के नये स्थान को ढूंढने के लिये प्रयोग में लायी जाती है। किसी स्थान के वायुयान से लिये गये आलोक चित्र में मिट्टी की पुरानी मोड़ें, प्राचीन निर्माण, सड़कें, शवनिखात आदि जो सामान्यतया साधारण नेत्रों से दिखाई नहीं देते अच्छी तरह से चित्रित किये जाते हैं। भूमि पर खड़े पौधों के रंग एवं ऊंचाई-निचाई उनके घनेपन एवं विरलपन तथा ऊंची-नीची भूमि एवं उसकी छाया और हल्के गाढ़े रंग आदि के अध्ययन से ज्ञात किया जाता है कि लिया गया चित्र किस प्रकार के प्राचीन अवशेषों का ज्ञान कराता है।

AESTHETICS — ललित-कला-दर्शन

AFRICANTHROPUS NJARASENSIS — आफ्रीकी मानव नजारस

१९३५ में पूर्वी आफ्रीका के टांगानिका स्थान में एक प्रतिनूतन प्रक्षेप से नार्वेनिवासी कोहललार्सन को मिला।

AGATE — अगेट, सुलेमानी पत्थर, यशब, यशाम, अकीक, पाल्यश

सिलिका की विभिन्न किस्में, जो विशेषकर बसाल्ट तथा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अन्य ज्वालामुखी चट्टानों में मिलती हैं।

AGE — युग

AGE AREA DATING — युग-क्षेत्रीय विधि

AGE OF CARBON — कार्बन कल्प

AGE OF FISHES — मत्स्य कल्प

AGE OF INVERTEBRATE LIFE — अमेरू दण्डी पशुयुग

AGE OF MAMMALS — स्तन्य पशु-युग

AGE OF REPTILES — सरिसृप-युग

AGES — अवधियां, युग

AGGRADATION — स्तरण, उच्चयण, निक्षेप क्रिया नदी सोपानों पर वाढ़ों के दिन नदीद्वारा किये गये जमाव को कहते हैं।

AGGRADATIONAL TERRACE — उच्चयन निर्मित सोपान

AGGRESSION — अग्रधर्मण, आक्रमण

AGORA — अगोरा, प्राचीन ग्रीस में सभा भव। अथवा मण्डी

AGRICUSTURE HOE — कुदाल कृषि

AHAR CULTURE — अहार संस्कृति

राजस्थान के अहाड़ (अहार) नामक स्थान में पहली बार यह संस्कृति पाई गई जिससे इसका नाम अहाड़ संस्कृति रखा गया। बनास नदी के तट पर इस संस्कृति की प्राप्ति के कारण कुछ विद्वान् इसे बनास संस्कृति के नाम से भी सम्बोधित करते हैं। इस संस्कृति में सफेद रंग से रंगे कृष्ण लोहित मृत्पात्रादि, ताम्रायुध, टाटी एवं मिट्टी के लेप से बने घर, अनगढ़ पत्थर, कच्ची एवं पकाई गई ईंटों के मकान विशेषतया पाये जाते हैं। यह संस्कृति मुख्यरूप से दक्षिण-पूर्व राजस्थान में प्राप्त हुई है। इसका काल लगभग १८००-१२०० ई० पू० माना गया है।

AHICHATRA — उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में है। १९४४ में यहाँ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से उत्खनन किया गया जिससे ई० पू० ५-६वीं शती से पहले से लेकर ई० स० ११०० तक की आबादी के अवशेष मिले।

AIR PHOTOGRAPHY — हवाई छाया चित्रण—द्रष्टव्य AERIAL PHOTOGRAPHY

AIR-TIGHT — वायुरुद्ध

AJANTA CAVES — अजन्ता की गुफायें
जलगांव (महाराष्ट्र) से ३८ मील दूर स्थित जगत् प्रसिद्ध चित्रकला के लिये प्रसिद्ध स्थान। यह गुफायें चारों ओर पहाड़ से घिरी लगभग ६०० गज की दूरी में फैली हैं। इन गुफाओं की कुल संख्या २९ है और इनका भिन्न-भिन्न कालों में निर्माण हुआ है।

AKIMBO — कटिस्थित

AKKADIAN — अक्कादि भाषा
मध्य मैसोपोटेमिया के प्राचीन निवासियों की भाषा।

ALABASTER — सेलखड़ी

ALABASTER CUP — सेलखड़ी का प्याला

ALBITE — अल्बाईट
यह एक प्रकार का पत्थर है, जो नीले सफेद रंग का होता है।

ALCALDE — एल्केल्ड
गांव के मेयर (प्रधान) के लिये स्पेनी शब्द

ALCES ALCES — अमरीकी हरिण

ALCHEMY — कीमिया

ALEUTS — द्वीपवासी जो एस्किमो से मिलती जुलती भाषा बोलते हैं।

ALIEN — विदेशी, अन्य देशी

ALIGNMENT — पंक्तिबद्धता, संहिता, नडुकल-पंक्ति, संलग्नता, स्तरबद्धता, संरेखण

ALLOW — मंजूर करना

ALLOWANCE — भत्ता

ALLOY — धातु-मिश्रण

ALLUVIAL — जलोढ, कछार, जलस्थ, बाढ़ की मिट्टी को कहते हैं।

PLAINS — मृत्तिकाम मैदान

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ALLUVIUM — एलुवियम जलोढ बाढ की मिट्टी, बालू आदि का जमाव

ALMAGIRPUR — उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना के संगम पर दिल्ली के पूर्व में स्थित है। यहाँ सिन्धु संस्कृति के मृद्भाण्ड मिले हैं जिसका प्रसार पूर्व में उत्तर प्रदेश तक था।

ALMOND SHAPED — बादामाकार

ALMOND-SHAPED-HANDAXE — बादामाकार हस्तपरशु

ALPHABET — वर्णमाला, अक्षर

ALTERNATE FLAKING TECHNIQUE OR 'S' TWIST — एकान्तर फ्लेकीकरण प्रविधि

ALTERNATELY — एकान्तरतया

AL UBAID — अल उबेद नामक बाबुल देश का एक प्राचीन राजा

AMMONIA — एमोनिया

AMPHIBIAN — उभयचर मण्डक श्रेणि जल थल पर रहने वाले जन्तु

AMPHIPITHECUS — द्विजातीय वानर श्रेणि

AMPHITHEATRE — अखाड़ा, रंगभूमि (प्राचीन रोम)

AMPHORA — अम्फोरा
ग्रीस-रोम की मिट्टी की दुहथ्थी सुराही

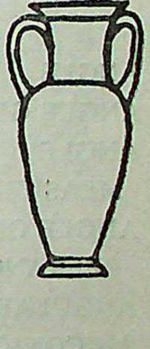

AMRI — आम्री,
पाकिस्तान (दक्षिण सिन्ध) में हड़प्पापूर्व स्थल, खुदाई से यह प्रमुख दो कालों में विभाजित किया गया। एक हड़प्पा पूर्व तथा संक्रमण कालीन।

AMULET — तावीज, नजरबट्टु रक्षाकरण्डक

AMULET SEAL — तावीजी मुद्रा, मुहर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

AMYL-ACETATE ऐमिल एसिटेट
ANALYSIS विश्लेषण, परीक्षण
ANALYSIS SITE स्थल परीक्षण
ANALYTICAL विश्लेषणात्मक विधि सिद्धान्त
ANATOMY शरीर
ANATOLIAN WARE अनातोलि भाण्ड़
ANAU उनाउ, रूसी तुर्कस्तान का एक स्थान
ANCESTOR पूर्वज
ANCESTOR WORSHIP पूर्वज-पूजा
ANCIENT प्राचीन
ANCIENT HISTORY प्राचीन इतिहास
ANEPIGRAPHIC अनभिलिखित
ANGKOR अंगकोर
हिन्दचीन (इण्डोचायना) के एक हिन्दू राज्य की इतिहास-प्रसिद्ध राजधानी जिसे बौद्ध राजा जयवर्द्धन ने नौवीं सदी में बनाना प्रारम्भ किया और जिसे उसके पुत्र यशोवर्मन् ने पूरा किया ।
ANGLE कोण
ANGLE GRAVER कोण ग्रेव्हर (रूखानी)
ANGLE MEASURE गुनिया
ANGLE OF REFRANCTION वर्तन कोण
ANGULAR कोणाकार
ANICONIC WORSHIP प्रतीकपूजा
ANIMAL KINGDOM पशु-जगत्
ANIMATISM जीवात्मवाद
ANIMISM जीववाद

CC-0. Agamnigam Digital Preseyation Foundation, Chandigarh

ANKLET — पायल, नूपुर

ANNEALING — तापानुशितन, बार-बार तपाकर और कूटकर ताम्बे को कठोर करने की प्रक्रिया

ANTARCTIC — दक्षिण ध्रुवीय

ANTEDATE — पूर्व तिथि-निर्धारण, पूर्व-काल-निर्धारण

ANTEDILUVIAN — प्राक् प्रलय, प्रलयपूर्व

ANTENNAE SHAPED HILT — दुसिंगी मूठ, शृंगिकाकार मूठ

ANTELOPE — मृग (साधारण)

ANTENNAE SWORD — मूंछदार तलवार

ताम्रायुध भांडार में पाई जाने वाली तलवार जिसका स्कंधीय भाग कीट-पतंगों की मूंछ की भांति दो भागों में विभक्त होता है।

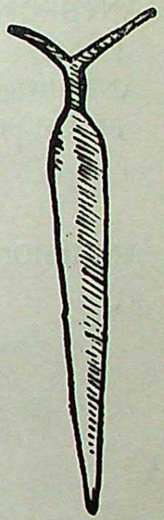

ANTEPENULTIMATE — प्रागुपान्तिम

ANTHROPOID — पुरुषाभ, मानवाकार

ANTHROPOID APE — वनमानव, पुरुषाभ वानर

बन्दर एवं मनुष्य के बीच की कड़ी को पुरुषाभ वानर कहा जाता है जिससे मनुष्य विकसित हुआ किन्तु अभी तक मनुष्य के क्रमिक विकास को सिद्ध करने का पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिल सका।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ANTHROARCHAEO LOGIST	मानव पुरातत्त्व
ANTHROPOLO-GICAL	नृतात्त्विक
ANTHROPOLO-ICAL LINGUISTICS	नृतात्त्विक भाषाविद्या
ANTHROPOLO-GIST	नृतत्त्वविद्, नृतत्त्ववेत्ता
ANTHROPOIDAE	नृसमुदाय
ANTHROPO-LOGY	नृवंशशास्त्र, नृतत्त्वशास्त्र, मानवविज्ञान
ANTHROPO-PHAGY	मनुष्य भक्षरणवाद
ANTHROPOMOR-PHAIC FIGURE	मानवाकृति ताम्रायुध भाण्डारों में पाया जाने वाला मानव ग्राकृति का एक उपकरण
ANTIPHONE	प्रतिस्वन

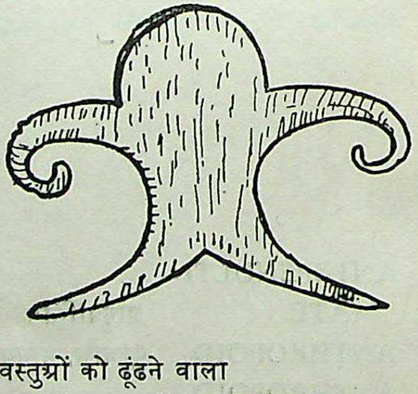

ANTIQUARIN	पुराविद्, प्राचीन वस्तुग्रों को ढूंढने वाला
ANTIQUARIAN	पुरातनिक, पुराना, प्राचीन वस्तुग्रों का संग्रहकर्ता
ANTIQUARIA-NISM	पुरातनवाद
ANTIQUARY	पुरातत्त्वान्वेषी, प्राचीन पदार्थ संग्रही
ANTIQUENESS	परम्परा-भुक्ति, गतानुगमन, पूर्वकालीनता, पुरातन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

	प्राचीनता
ANTIQUATED	पौराणिक, पूर्वकालिक, पौरातनिक
ANTIQUATED-NESS	प्राचीन अप्रचलित
ANTIQUE	प्राचीन कला अथवा प्राचीन इतिहास के अवशेष
ANTIQUITIES	पुरावशेष, पुरावस्तुएं
ANTIQUITY	पुरानापन, पुरातनता, प्राचीनता, प्राचीनयुग, आदिकाल
ANTLER PICK	शृंगकुदाल
ANTLER SLEEVE	शृंगनली (एक उपकरण)
ANVIL	निहाइ, ऐरन, शुर्मा, निघात
ANVIL TECHNI-QUE	निहाई प्रविधि
APE	वानर, कपि
APE MAN	एम मैन, कपिमानव वे लुप्त हो चुके वानर (प्राईमेट), जिन्होंने उत्तान (सीधे खड़े होने की) स्थिति और मानवीय दन्त आकृति प्राप्त कर ली थी, किन्तु इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उन्होंने वाणी अधिगत कर ली थी या उनके पास औजार या आग थी ।
APIS	एपिस, प्राचीन मिस्र का वृषभ देवता
APPLIED SCIENCE	प्रयुक्त विज्ञान
APPROXIMATE	सन्निकट
APULIAN WARE	अपूली (दक्षिण इटली में एक स्थान) भांड़
AQUEDUCT	कुल्या, छोटी नाली, पानी की मोरी
ARALDITE	अँराल्डाईट टूटे मृद्भाण्ड जोडने का एक लेप
ARAMAIC	अरामेक
ARBOREAL THEORY	वृक्ष-जीवन सिद्धान्त
ARC	वृत्त-खण्ड
ARCANE	छिपा हुआ, गुप्त
ARCHAEAN	आदिम (काल), प्राक्-प्राथमिक
ARCHAEO-LATRY	पुरातन पूजा
ARCHAEOLITHIC	आदिपाषाण युगीन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ARCHAEOLOGI-
CAL — पुरातत्त्वीय, पुरातत्त्वसम्बन्धी

ARCHAEOLOGI-
CAL
CHEMISTRY — पुरातत्त्वीय रसायनशास्त्र

ARCHAEOLOGI-
CAL MOUND — पुरातत्त्वीय टीला

ARCHAEOLOGI-
CAL
MUSEOLOGY — पुरातत्त्वीय संग्रहालयशास्त्र

ARCHAEOLGY-
CAL TIME — पुरातत्त्वीय काल

ARCHAEOLO-
GIST — पुरातत्त्वज्ञ

ARCHAEOLOGY — पुरातत्त्व

पुरातत्त्व मनुष्य की प्राचीन युग की सभ्यता के क्रमशः विकास के ग्रध्ययन से सम्बन्धित विज्ञान है । ग्रार्किग्रोलॉजी यह शब्द मूलतः ग्रीक है, जो ग्रार्किग्रोस ARCHAIOS = प्राचीन तथा ग्रार्के ARCHE = शुरुवात शब्दों से बना है ।

ARCHAEOMAG-
NETISM — पुराचुम्बकत्व

प्राचीन वस्तुग्रों में निहित चुम्बकत्व मिट्टी की पकाई गई वस्तुग्रों में चुम्बकीय लोहे के ग्रॉक्साईड के कारण तत्कालीन पृथ्वीय चुम्वकत्व ज्यों का त्यों सुरक्षित रहता है । इस प्रकार के पुराचुम्बकत्व की एक तालिका तैयार करके तुलनात्मक रीति से किसी प्राप्त उदाहरण का काल ज्ञात कर सकते हैं ।

ARCHAEOP-
TERYX — ग्राद्य पक्षी, विसर्पी पक्षी, चिड़ियों ग्रौर रेंगने वाले पक्षियों के बीच की कड़ी

ARCHAEOZOIC — अजीवीय

ARCHAEOZOIC
AGE — प्रजीव युग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ARCHAEOZOIC (ERA) — आद्यकल्प

ARCHAISM — पुरातनता, प्राचीन श्लोक

ARCHAIST — पुरातनवादी

ARCHAISTIC — पुरातनिक

ARCHANTHROPIC — पुरामानवीय

ARCHITECT — शिल्पवस्तु, स्थपति, वास्तुक उपयोग के लिये मनुष्य द्वारा बनायी गयी कोई भी वस्तुएं

ARCHITECTURAL BUILDING — वास्तु-भवन

ARCHITECTURAL REMAINS — वास्तु अवशेष

ARCHITECTURAL SCALES — स्थापत्य माप

ARCHITECTURE — स्थापत्य, वास्तु

ARCHITECTURE MONUMENT — स्मारक वास्तु

ARCHIVES — अभिलेखागार, अभिलेख

ARCTIC FOX — ध्रुवी लोमडी

ARCTIC HARE — ध्रुवी खरगोश

ARD — आर्ड, कुदाली

ARD CROOK — वक्र आर्ड, वक्र कुदाली

ARD SPADE — फाबड़ा आर्ड, फावड़ा कुदाली

AREA AGE — युग-क्षेत्र

AREA EXCAVATION — परिसर उत्खनन, उत्खनन क्षेत्र, खुदाई क्षेत्र

AREA HABITATION — वास क्षेत्र

ARGAL — अर्गल, उत्तरी ईरान की एक जंगली भेड़

ARIKAMEDU — अरिकमेडू सन् १९४०-४१ में (नगर से दो मील दक्षिण) एक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

फ्रान्सिसी ने यहां उत्खनन कराया था। यहां पर भारतीय सभ्यता के द्योतक बहुत से उपकरण मिले। साथ ही रोमन मणि, मृद्भाण्ड, अंगूठियां, दिये, मद्य कुम्भ, अरेटाईन मृद्भाण्ड भी मिले हैं जो पाण्डेचरी की एक पब्लिक लायब्रेरी में सुरक्षित हैं। यहां से उपलब्ध हुये उपकरण विभिन्न देशों के साथ व्यापारी सम्बन्ध तथा तिथि निर्धारण में सहायक सिद्ध हुए हैं।

ARI-RI — अरि-री
तारा का महाराजा, जो सारे आयलैंड का राजा होता था

ARRANGEMENTS — व्यवस्था

ARRATINE POTTERY — इटालियन मृद्भाण्ड का प्रकार (ई० ४५ के पूर्व प्रचलित)

ARROW-HEAD — बाण-फलक, शर-शीर्ष

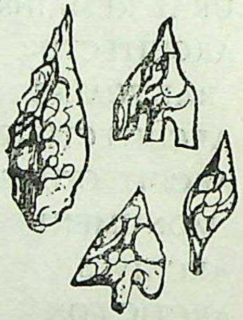

ART — कला

ART CONNOISSEUR — कलावशेष, कला समीक्षक

ARTERIOLE — रोहनिका, धमनिका

ARTERIOSCLOROSIS — धमनी काठिन्य

ARTIFACTS — मानवीय औजार, उपकरण, मानवनिर्मित उपकरण

ARTISTIC — कलात्मक

ART OF MINING — खनि विज्ञान

ART RELIC — कलावशेष

ASH — राख, प्रभूर्ज

ASH MOUNDS — भस्मचय
दक्षिणी नवाश्म संस्कृति के साथ पाये गये राख के ढ़ेर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

	जो पशु-शाला के गोबर के एकत्र होने एवं जलने के फलस्वरूप बने हैं। इनकी तिथि लगभग ३०००-१००० ई० पू० मानी जाती है।
ASH PIT	भस्मगर्त, राख का गड्ढ़ा
ASHUR	असुर
	असिरिया की पहली राजधानी; 'असुर' सूर्य देवता के कारण यह नाम पड़ा। यहाँ बीसवीं शती के आरम्भ में आन्द्रे तथा जर्मन पुरातत्त्वविदों ने खुदाई की थी। यहाँ का इस्टर देवता का मन्दिर प्रसिद्ध है, जिसकी नींव ई० पू० ३०००से पहले रखी थी। ई० पू० ६०० से इसका पतन शुरू हुआ।
ASKOS	तेल की कुप्पी
ASSAY	धातु परीक्षण
ASSEGATI	असेगाती, एक प्रकार का भाला
ASSET	परिसम्पत्ति
ASSIMILATION	सात्मीकरण, स्वीयकरण
ASSOCIATION	समिति
ASTROLABE	एस्ट्रोलेब
	ज्योतिष का एक यन्त्र, जिसे अरब लोगों ने बनाया था और जिसका उपयोग अक्षांश-रेखाओं के निर्धारण के लिये किया जाता था।
ASTRONOMICAL	खगोलविद्या सम्बन्धी
ASTRONOMY	खगोलविद्या
ASTURIAN	एस्तुरियन
ATMOSPHERE	वातावरण
ATMOSPHERIC EFFECTS	जलवायु के प्रभाव
ATRITION	साधननाश
AUDI	औदि, आदिम चाकु-फलक
AUGER	बरमा, मिरमिट
AURIFEROUS	स्वर्णमय
AURIGNACIAN CULTURE	औरिगनेसी सभ्यता

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पश्चिम युरोप में पाई गई तीन ऊपरी पुरापाषाणिक संस्कृतियाँ जो परस्पर घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित थीं। एक श्रृंखला जो प्रथम उष्ण दोलन और वूर्म हिमाच्छादन के दूसरी बार बढ़ाव के बीच के काल की थी। वे गुफावासी थे। इनके उपकरणों में औरिगनेसी स्क्रेपर, श्रृंग बाणाग्र, दांत एवं सीपियों की मालायें, श्रृंग एवं हाथी दांत की पीने मिली हैं। इन्होंने पहली बार गुफाओं में चित्र बनाये तथा मूर्तियां तराशीं।

AUSTRALOPITHECUS दक्षिणी वानराकृती जीव

आफ्रीका, फिलस्तीन और जावा में पाये गये फासिल कपि मानवों का समूह।

ATRANJI KHEDA अत्रंजी खेड़ा

यह स्थान उत्तर प्रदेश में हैं। यहां अलीगढ़ विद्यापीठ की ओर से उत्खनन किया गया था जिसमें ताम्रपाषाण एवं लोह-युगीन अवशेष प्राप्त हुये हैं। प्रथम आबादी में गेरू चित्रित मृद्भाण्ड मिले। उसके बाद कृष्ण लोहित मृद्भाण्ड जो अहाड़ में मिले मृद्भाण्डों से मिलते-जुलते हैं। चित्रित धूसर मृद्भाण्डों का प्रयोग इसके बाद हुआ जिसका काल ई० पू० छठी शती है।

AUTHORITY अधिकार

AVUNCULATE मातुलेय

OWL सुआ, सुरजा, टेकुला, छिद्रक

एक नुकीला आयुध जो चमड़ा या लकड़ी आदि में छेद करने के लिये प्रयुक्त किया जाता था। इस आयुध के निर्माण के लिये पत्थर हड्डीयाँ धातु का प्रयोग हुआ है।

AXCIS धुरी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

AXE	कुठार, कुल्हाड़ी, छुरा
AXE CULTURE	कुठार संस्कृति
AXE KITCHEN MIDDEN	छुरा कुठार
AXE KNOB-HAMMER	मुठ-हथौड़ा कुठार
AXE LUGGED	कर्णिल कुठार
AXE POINTED BUTT	नुकीले कुन्देवाला कुठार
AXE GRINDER	कुठार-सान
AXE WITH BROAD CUTTING EDGE	चौड़े कार्यांगवाला कुठार
AXIAL TRENCH	अक्षीय खाई
AXIDIAN	जलचर (केंकड़ा)
AXIS	धुरी, अक्ष
AXIS DEER	ध्रुवी हरिण
AXLE	धुरा, धुरी
AZILIAN	एजिलियन दक्षिण फ्रान्स की मध्य पाषाण संस्कृति
AZILIAN CULTURE	एजिलियन संस्कृति फ्रान्स में मांस-डा झील गुफा में मिली मध्याश्म कालीन संस्कृति । बेल्जियम तथा मध्य युरोप में भी इस संस्कृति के अवशेष मिले । ई० पू० ७००० वर्ष पहले एजिलियन यहां रहते थे जो खाद्य पदार्थ इकठ्ठा करते थे । उन्होंने कुत्ते भी पाले थे ।
AZOIC	अजाईक, अजीव सबसे प्राचीन अवशेषहीन चट्टानें
AZOIC AGE	अजीव युग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

B

BABOON	बैबून, लंगूर बन्दरों की एक जाति, दीर्घाकृति वानर
BABYLON	बेबिलोन इराक में बगदाद के दक्षिण में पचास मील दूर प्राचीन मेसोपोटेमिया की यह राजधानी थी। यह नगर तीन मील के विस्तृत इलाके में फैला था। इस नगरी के प्राचीन टीलों में से एक टीले को आज भी बॉबील नाम से जाना जाता है। जिसका अर्थ है, 'ईश्वर का प्रवेशद्वार'। सुप्रसिद्ध जर्मन पुरातत्वज्ञ रॉबर्ट कोल्डवे ने १८९९ से १९१७ तक यहाँ खुदाई की थी।
BACKED BLADE	पार्श्व-पुनर्गठित ब्लेड
BACK-GROUND	पृष्ठभूमि
BACTERIA	जीवाणु
BAGOR	बागौर राजस्थान के भिलवारा से पश्चिम में २५ मील दूर कोठड़ी नदी के किनारे पर है। यहां मध्याश्मयुगीन बस्ती के अवशेष मिले हैं जो ई० पू० ५००० में बसी थी। फिर यहाँ क्षुद्राश्म काल में एवं लोह युग तक ई० पू० ६०० से २०० तक की आबादी के प्रमाण मिलते हैं।
BAIZE-WARE	मिट्टी के रंगों के बर्तन
BAKED	परिपक्व, पकाना, कठोर करना
BALANCE	सन्तुलन
BALK OR BAULK	बीच की खुली जमीन
BALSAM	गुलमेहन्दी
BALUSTER	लघुस्तम्भ
BANAS CULTURE	बनास संस्कृति-द्रष्टव्य AHAR CULTURE
BAND	गिरोह, दल, पराबांधना

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BANDED — पट्टीदार
BANGLE — कंकरण, चूड़ी, कड़ा
BANK — निमग्निका, समुद्र किनारा
BANNER STONE — ध्वजा कुठार
BARB — द्व्यंकुश, तीर की नोक
BARBARISM — वर्बरता, ग्राम्यता
BARBARY APES — बार्बरी कपि
भूमि पर रहने वाले बन्दरों की एक जाति जो उत्तरी अफ्रिका और जिब्राल्टर के चट्टानी प्रदेशों में रहती थी।
BARBOTINE — भाण्डलेप
BARCELT — दण्ड-टन्क
BAR CHISEL — दण्ड-छैनी
BARK — छाल, छिलका
BAROMETER — वायु दबाव मापी, वायु नापने का यन्त्र
BARROW — कब्र के ऊपर बना थूहा, वैरो, बरो, स्तूप ,मिट्टी का टीला
BARTER — वस्तु विनिमय
BASAL — तलस्थ
BASAL GRAVEL — आधार ग्रेवेल
BASALT — असिताश्म, आग्नेय, गहरी हरी या बादामी आग्नेय चट्टान
BASES — क्षारक
BASIC — आधारिक
BASIS — आधार, जड़, नींव
BASQUE — वास्क, दक्षिण पश्चिम फ्रान्स तथा उत्तरीय स्पेन के इलाके में बोली जाने वाली भाषाओं का वर्ग जिसे इबोरियत भी कहते हैं।
BAS-RELIEF — अध्युपचित्र, उदभूत
BATON-DE-COMMANDE-MENT — शृंगवेत्र, रेनडियर शृंग का बना आदिम उपकरण
BATTER — पीटना, कूटना
BATTERED

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FLINT NODULE चूर्णित पाषाण खण्ड

BATTLE AXE फरसा, कुल्हाड़ा

BATTLEMENT WALL कंगुरेदार प्राचीर

BAULK बीच की खुली दीवार (जमीन)

BEACHARRA WARE बीचरा भाण्ड, (बीचरा स्कॉटलैण्ड में एक स्थान)

BEAD मनका

BEADED RIM मनकेदार कोर

BEADED RING मनकेदार छल्ला

BEAD SEQUENCE मनका क्रम

BEAD WORK मनकाकारी

BEAKED GRAVER चंच्वाकार ग्रेव्हर

BEAKER चंचुक

BEAKER (FOLK) चंचुक चमक (वाला मानव), नोकदार अथवा चोंचदार प्याला

BEAK-LIKE चंच्वाकार

BEAK-SHAPED चंचु आकार, चंच्वाकार

BEAM धरण, लठ्ठा, चमकना

BEAVER वनबिलाव

BED-ROCK तलप्रस्तर

BEECH करंज

BEEHIVE HUT छत्ता कुटीर

BEEHIVE SHRINE छत्ता मन्दिर

BEEHIVE TOMB छत्ता मकबरा

BELEMNITE शिल्पास्थि तेज नोक की हड्डी

BELIEF विश्वास

BELL BARROW घण्टाकार कब्र, स्तूप

BELL BEAKER घण्टाकार चंचुक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BELL SHAPED
EAR ORNAMENT घण्टाकृति कुण्डल

BELT कटिबन्ध, मेखला, परिवेष्टन

BELZONI GIOVANNI BATTISA वेल्भोनी, गिग्रावोनी बेटिसा (१७७८-१८२३) उन्नीसवीं शती के आरम्भ में इजिप्त के प्राचीन अवशेषों को किसी भी तरह से प्राप्त करने वाला निर्भीक इन्सान जिसके कारण कई महत्त्वपूर्ण वस्तुओं का विनाश हुआ। किन्तु इससे पश्चिम एशिया के प्राचीन सम्पत्ति की ओर युरोप का ध्यान बरबस ही खींचा गया।

BENT BAR COIN कड़ानुमा सिक्का, छड़नुमा सिक्का

BETEL NUT HOLDER सुपारी दान

BEVELLED प्रवणित, खांचेदार

BEVELLED RIM खांचेदार कोर

BEZOAR बैजवार

BHAL बहाल
महाराष्ट्र के खानदेश में गिरणा नदी के किनारे बसा है। यहां १९५६-५७ में खुदाई की गई। यहां पहली संस्कृति ताम्रपाषाण युग में बसी थी।

BHOKARDAN भोकरधन
औरंगाबाद से ४० मील दूर है। इसका उल्लेख सांची के लेखों में आता है। १९७३-७४ में यहाँ खुदाई की गई। यहां पूर्व-सातवाहन, सातवाहन एवं सातवाहनोत्तर कालीन अवशेष मिले हैं। यह बहुत बड़ा व्यापारी एवं कला केन्द्र था। खुदाई में कारीगरों के मकान, हाथी-दांत की चूड़ियां, स्त्री मूर्तियां, कज्जल शलाकायें, मणि आदि मिले हैं।

BICONVEX द्वि-उन्नतोदर, उभयोन्नतोदर

BIFACE OR BIFACIAL द्विमुख
बाह्य एवं अन्त दोनों सतहों में चिप्पड़ निकालकर बनाये गये आयुध को द्विमुख कहा जाता है।

264

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BIFICIAL	उभयपक्षीय
BIFURCATION	सीमा विभाजन, द्विशाखित
BIG	बृहत्काय, महाकाय, बड़ा
BI-GLACIALISM	द्वि-हिमावर्तनवाद
BILATERAL	द्विपक्षीय, द्विपार्श्विक, द्विपृष्ठीय, उभयवाही
BILATERAL BARB	द्विपक्षी कांटा
BILATERAL FLAT BASE	द्विपार्श्वीय समतल उपकरण
BILINGUAL	द्विभाषिक
BINOCULAR	द्विपार्श्वी
BIOLOGICAL	जैविकीय, जैव
BIOLOGICAL EVOLUTION	जैविक उद्विकार, जीवन विकास
BIOLOGY	जैविकी
BIPARTITE	द्विपक्षीय
BIPOLAR TECHNIQUE	द्विध्रुवी प्रविधि
BISON OR BISON BONASUS	जंगली सांड, महामहिष
BISON PRISCUS	प्रथम जंगली सांड
BIT	टुकड़ा
BITUMEN	बिटूमिन, राल, शिलाजीत
BLACK AND RED WARE	कृष्ण लोहित मृत्पात्र, काले और लाल भाण्ड इस प्रकार के भाण्डों का अन्तभाग एवं बाह्यभाग का ऊपरी अंश काला होता है । और बाह्य भाग का निचला अंश लाल होता है । भट्टी में बर्तन को औंधा करके पकाने के कारण इस प्रकार का रंग आ जाता है । भारत में इस प्रकार के बर्तनों का बनाया जाना २०० ई० पू० से ही आरम्भ हो जाता है और उनका निर्माण परिवर्धनों के साथ पहली शती तक होता रहा है ।
BLACK COTTON SOIL	काली मिट्टी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BLACK-ON-RED WARE — कृष्ण-रंजित लोहित मृत्पात्र
लाल रंग के भाण्ड जिनपर काले रंग से अलंकरण बने रहते हैं ।
—द्रष्टव्य MALAWA WARE

BLACK SEA — कृष्ण सागर

BLACKISH POTTERY — हल्के काले भाण्ड, किंचित् कृष्ण भाण्ड

BLACK-ON-CREAM — मोतिये पर काला भाण्ड

BLADE — फला
किसी प्रस्तर खण्ड से निकाली हुई पतली एवं लम्बी 'चिप्पड़' को फला कहते हैं । लम्बाई एवं चौड़ाई के आधार पर फला के कई प्रकार होते हैं । इस प्रकार के निकाले चिप्पड़ के किनारों से बहुत से छोटे छोटे चिप्पड़ निकालकर बने फला के भी कई उपप्रकार पाये जाते हैं ।

BLAST FURNACE — धमन भट्टी

BLOCK-ON-BLOCK-TECHNIQUE — स्थिर-हथौड़ा निहायी-हथौड़ा पद्धति

BLOOD-GROUP — रक्त-समूह

BLOOM — ब्लूम, पृष्ठ निक्षेप
लोहे का वह स्पंज जैसा अंश, जो पिघलने पर कच्ची धातु में रिस कर अलग हो जाता है ।

BLOOMERY — ब्लूमरी, पृष्ठ निक्षेप भट्टी
लोहा पिघलाने की एक विशेष भट्टी

BLOW PIPE — फूंकनी

BLUNTED — भुथड़ा, खुरदरा, बेढंगा, धार बन्द करना

BLUNTED BACK BLADE — भुथड़ा पार्श्व फला

BLUNTED BACK SCRAPER — भुथड़ा-पृष्ठ स्क्रेपर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BOAR वराह, सुग्रर
BOARD
SCRAPER खुरचनी पट्टा
BOAT-SHAPED नौकाकार
BOGHASKOI बोगाजकोई
एशिया-मायनर के एक स्थान पर एक व्यक्ति ने कुछ मृत्तिका फलक खोजकर निकाले जिनमें कि हिट्टाईट (HITTAITE) ग्रौर मितानी (MITANI) के राजा के बीच १४वीं शताब्दी ई० पू० में सन्धिपत्रों का उल्लेख है । इसी देवताओं की सूचि में ग्रनेक बेबीलोनियन, हिट्टाईट ग्रौर भारतीय मित्र, वरुण, इन्द्र ग्रौर भिन्न मितानी देवताग्रों के नाम ग्राते हैं । इस स्थान की १९०६-१२ में विकनेर ने खुदाई की थी ।

BOILER बाष्पित्र
BOLT छड, खटका
BOND CLASS भृत्य (दास, गुलाम) वर्ग
BONE NEEDLE ग्रस्थि सूचिका
BONE TOOL अस्थि ग्रायुध
BONY ग्रस्थिमय
BONY WALL अस्थि-भित्ती
BOOMERANG बुमरँग, प्रक्षेपणास्त्र
ग्रॉस्ट्रेलिया के ग्रादिम निवासियों का हथियार
BORE CORE विद्ध क्रोड
BORER छिद्रक
द्रष्टव्य—OWL
BORER-SCRAPER वेधक खुरचनी
BORING
HALLOW छल्ला-वेधन
BORING SOLID घन वेधन
BOSKOP MAN बोस्कोप-मानव
BOSING शब्द ध्वनि
BOS
BRACHYCEROS बांस ब्रेकोसिरोस, पुरावृषभ
BOS INDICUS भारतीय वृषभ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BOS
NAMADICUS — वृषभारण्यक
भारत में परवर्ती प्रतिनूतन काल के अवशेषों में पाया जाने वाला जंगली बैल इस नाम से जाना जाता है। नेवासा एवं काले गांव (महाराष्ट्र) में इस बैल के अवशेष आयुधों के साथ प्राप्त हुये हैं।

BOS
PRIMIGENIUS — वृषभ, जंगली गाय-बैल

BOTANICAL
INVESTIGATION — वनस्पति अन्वेषण

BOTANY — वनस्पति शास्त्र

BOTTA PAUL
EMILE — बोट्टा पॉल एमिल
यह फ्रेन्च डाक्टर था जो १८४०-४३ तक इराक में राजदूत था, जिसकी बदौलत उसने कुयुंजिका और खोर्साबाद में उत्खनन किया। खोर्साबाद में मिले प्राचीन अवशेष प्राचीम निनेव नगरी के हैं यह उसका विचार था। १८४३ में असिरियन वास्तुकला को यह प्रकाश में लाया।

BOTTOM — अथःस्थल, तला, पेन्दा

BOTTOM
MORAINE — आधार-मोरेन

BOUCHER — बुशे, कराघातक हाथौड़ा, मुष्ठिकुठार

BOULDER CLAY — हिमनदी उच्चयन (प्रस्तर-मृत्तिका), गोलाश्म मृत्तिका
यह संचयन विभिन्न प्रकार के असंबद्ध टुकड़ों का ढेर जो हिमनदी के साथ-साथ उसके मार्ग में हो अथवा उसके गंतव्य पर जमा होते हैं। वे संचय नदी के किनारों तलहटी, संगमस्थल गन्तव्य के आधार पर पार्श्वभूमि या आधार मध्य एवं अन्त हिमनदी उच्चयन के नाम से जाने जाते हैं।

BOULDER CON-
GLOMERATE — बोल्डर-पिण्ड, संगुटिक गोलाश्म (जल) घर्षित विशाल प्रस्तरपिण्ड

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BOW DRILL	धनु बर्मा
BOWL	कटोरा प्याला
BOWL BARROW	कटोरा स्तूप
BOX-HEADED	पिटक शीर्ष, पेटिका शीर्ष
BOX GRAVE	बक्साकार कुण्ड
BRACE	बन्धनी गालिस, जोड़ा
BRACELET	वलय, कड़ा, बाजूबन्द
BRACHIATING	ऊर्ध्व बाहुवाला
BRACHIOPOD	गुम्फित बाहुपाद-हाथी वाला एक सीपी जलजीव
BRADED	गुम्फित
BRACKET	कोष्ठक, घेर
BRADING	गुम्फन
BRAHMAGIRI	ब्रह्मगिरि यह दक्षिण भारत के मैसूर राज्य में स्थित है। यहां १९४७ में सर मार्टिमर व्हीलर ने उत्खनन किया था। यहां पर उत्खनन में तीन विभिन्न युगों की सभ्यतायें प्रकाश में आयी थीं। सबसे नीचे स्तर में प्रस्तर युगीन सभ्यता, मध्य की महाश्म सभ्यता, स्थानीय महाश्मिक कब्रें और सबसे ऊपर के स्तर से आन्ध्र युगीन सभ्यता के अवशेष उपलब्ध हुये। मृद्भाण्ड को देखने से यह स्पष्ट ज्ञात होता है कि ब्रह्मगिरि की कुम्भकला का विकास एक क्रमिक गति से हुआ था। प्रथम युग के मृत्पात्र भद्दे, द्वितीय युग के पालिशयुक्त तथा तृतीय युग के कुम्भकला के चरमोत्कर्ष युग के सूचक हैं।
BRAHMPURI	ब्रह्मपुरी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पास प्राचीन बस्तियों का स्थल। यहां १९४५-४६ में डा० सांकलिया और दीक्षित ने खुदाई की थी। इसके पूर्व यहां पासोडान (रोमन सागर-देवता) का ब्रॉन्स का पुतला मिला था। यहाँ ई० पू० २०० से १५-१६ शती तक बस्तियां बसी थीं।
BRAHMI	ब्राह्मी एक प्राचीन लिपि का नाम है। जिसका प्रयोग ३-४ई० पू० से मिलता है। उत्तर भारत की सभी लिपियों का मूल यही लिपि है। अशोक के सभी लेख प्रायः इसी लिपि में

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हैं । यह बायें से दायें लिखी जाती है । कुछ विद्वानों का मत है कि ब्राह्मी लिपि विदेशों से ली गई थी ।

BRAIN CASES मस्तिष्क के खोल

BRAIN STEM ब्रेन स्टॅम, मस्तिष्क वृन्त
मस्तिष्क का वह निचला भाग, जो मेडयुलरी विवर तक फैला होता है और जिससे अस्वच्छिक क्रियाओं का नियमन होता है ।

BREAKFAST प्रातराश

BREAST PLATE वक्षस्त्राण, उरस्त्राण

BREUIL HENRI ब्रूल हेनरी
फ्रेन्च प्रागैतिहासिक तक्ष, पेशे से पादरी थे किन्तु जीवनभर उन्होंने अनेक देशों के अश्मयुगीन अवशेषों का अध्ययन किया । उन्होंने युरोपियन अश्मयुगीन गुफाचित्रों का गहन अध्ययन किया । प्रगत अश्मयुगीन संस्कृति को उन्होंने क्रम दिया ।

BROAD-NOSED RHINOCEROS चौड़ी नासिकावाला गेन्डा

BROCH ब्राक, स्काटलैण्ड में प्रागैतिहासिक पाषाण स्तूप

BRONZE कांस्य

BRONZE AGE कांस्य काल
कांस्य युग जिसमें ताम्र के साथ रांगा मिलाकर शस्त्र और उपकरण बनने लगे

BRONZE AGE BARROW कांस्य युग की कब्रें, स्तूप या बैरो

BRONZE COLLAR कांस्य हसली

BRONZE CULTURE कांस्य संस्कृति

BRONZES कांस्य मूर्तियां
विशाल एवं लघु मूर्तियां जो सांचे में पिघले कांसे को ढालकर बनाई गई हैं । ताम्बे एवं टीन का एक मिश्र धातु कांस्य कहा जाता है ।

BROOCH, PENANNULAR छल्लाकार पिन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BROW BAND — सिंगार पट्टी
BUBBLE LEVEL — पनसाल
BUFF-SLIP — पाण्डु लेप
BUFF WARE — पाण्डु भाण्ड
BUFF-WHEEL — चमड़ा-चढ़ा चाक
BULB — गुटिका
BULBAR SCAR — ग्रर्धशंकु का चिन्ह
BULBAR SURFACE — ग्रर्धशंकु वाली सतह
BULB OF PERCUSSION — संघात का ग्रर्धशंकु
BURIAL — शवाधान, दफन
BURIAL BUNDLE — संचित ग्रस्तिशवाधान
BURIAL CHAMBER — शवगृह

महाश्म के प्रकारों में से एक। एक या ग्रनेक उदग्र शिला फलकों से बना ग्रायताकार कमरा जो लम्बाई को, ग्रौर सदा पूर्व-पश्चिम की दिशा में होता है। यह शवगृह पूर्णरूप से जमीन के ऊपर होता है। इसका दूसरा रूप जमीन में गड़ा हुग्रा प्राप्त होता है जो शवगृह से कम और शवपेटिका से ग्रधिक मिलता जुलता है।

यह महाश्म बाहर की ग्रोर गढ़े हुये प्रस्तर खण्डों के वृत्त से घिरा पाया जाता है।

BURIAL CHARIOT — सरथ शवाधान
BURIAL CONTENTS — शव सामग्रियां
BURIAL FRACTIONAL — आंशिक शवाधान
BURIAL NICHE — देवली शवाधान
BURIAL SYSTEM — शव प्रथा
BURIAL URN — मृतक भाण्ड
BURIAL POT — समाधि पात्र

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BURIED FEATURE — भूमिगत चिह्न

BURIN — तक्षणी, उत्कीर्णक, रुखानी, नक्काशी यंत्र, छिद्रास्त्र या छेद करने का अस्त्र एक विशेष प्रकार का आयुध जो उत्कीर्णन या आलेखन प्रयोग में लाया जाता था। इसके निर्माण के लिये मुख्यतया पत्थर के 'चिप्पड़ों' का प्रयोग किया गया है। पत्थर के चिप्पड़ के समानान्तर किनारों से इस प्रकार दुबारा चिप्पड़ निकाले गये हैं कि उनके मिलन बिन्दु पर रुखानी जैसी धार बनती है।

BURZAHOM — बुर्जहोम
काश्मीर में श्रीनगर से ६ मील दूर है। १९२९ में यहाँ पहली बार खुदाई हुई थी। इसके बाद १९५९ में। पहला काल नवाश्म ई० पू० २३७५ में लोग यहाँ गड्डे खोदकर रहते थे जिनपर लकड़ी के खम्भों पर छप्पर बने थे। नीचे उतरने के लिये सीढ़ियां भी थीं। यहां चूल्हा-चौका, पत्थर की कुल्हाड़ियाँ, हड्डियों की सुईयां, मत्स्यबाण आदि मिले हैं। दूसरे काल में लोग कच्ची ईटों के या मिट्टी के घरों में रहते थे। वे मृतों को मोड़कर दफनाते थे। ऊपर गेरूवा रंग और मृद्‌भाण्ड रखते थे। यहाँ तीसरी आबादी लोहयुग में हुई थी।

BUST — अर्धचित्र, आवक्ष, शिरोभाग, ऊपर का छड़

BUTTEND — समन्तान्त आखिरी सिरा

BYBLOS — बिबलॉस
लेबनॉन के किनारे बेरूत के उत्तर में है। १९३० में ड्युनाण्ड ने यहां खुदाई की। पहली बस्ती यहाँ नवाश्म युग में हुई। ब्रान्झयुग में इसकी प्रगति हुई और प्रख्यात बन्दरगाह बना।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

C

CADUCEUS सर्पदण्ड
CAINOZOIC नवकल्प
CAINOZOIC AGE नवकल्पयुग, नवजीव-युग, नूतनजीवयुग
CAIRN संगोरा, निडई-कलतेड्डी, प्रस्तर-संग्रह
CAIRN CIRCLE प्रस्तर-संग्रह वृत्त
OR
CAIRN BURIAL महाश्म के प्रकारों में एक, जिनमें पत्थरों के एक वृत्त के भीतर पत्थरों का एक ढेर जिसके नीचे एक, दो या कई 'मृतक भाण्ड' पाये जाते हैं। एक 'मृतक भाण्ड' वाले प्रस्तरवृत्त बहुमृतकभाण्ड प्रस्तरवृत्त की अपेक्षा काफी छोटे होते हैं। बहु मृतक भाण्ड वाले प्रस्तर संग्रह सबसे अधिक संख्या में पाये गये हैं।
CALCARIOUS चूना
CALCULATION परिकलन, विवेचना
CALCULUS कलन
CALENDER पंचाङ्ग
CALLIGRAPHY सुलेख
CALORY उष्मांक
CAMBER उभार, धनुष के समान शहतीर
CAMBRIAN कैम्ब्रियन, त्रिखण्डकाल
प्राचीनतम अर्थात् पेलियोजोईक स्तरों की एक श्रृंखला इसके नीचे लारेन्शियन और ऊपर साईलूरियन स्तर-श्रृंखलायें हैं। कुछ समय पहले इनको सबसे प्राचीन फॉसिलमय श्रृंखला समझी जाती थी।
CAMERA कैमरा, तस्वीर उतारने का यन्त्र
CAMOUFLAGE छद्मावरण
CAMP डेरा डालना, पड़ाव डालना

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CAMPIGNY AXE कैम्पिग्नी कुठार
CANCER कर्क रेखा
CANINE TEETH भेदक दांत
CANIS SUESSI भेड़िया
CANNIBAL नर-भक्षी
CANNIBALISM नर-भक्षण
CANON LAW चर्च-कानून, धर्मनियम
CANOPIC JAR ढक्कनदार कलश
CANOZOIC AGE नवजीवनयुग
CANSTELLA-
TION नक्षत्र-मण्डल, तारामण्डल
CAPACITY धारिता, दक्षता
CAPITAL सिरे भाग, शीर्ष
CAPRICORN मकर रेखा
CAP-STONE शीर्ष-प्रस्तर

शवगृह पर रखा
छातानुमा प्रस्तर

CARAFE सुराही
CORBON-14
DATING कार्बन-१४ तिथिज्ञापन
(C-14) प्राचीन वस्तुओं की तिथि जानने की विधि जिनमें कार्बन नामक तत्त्व होता है। कार्बन के दो आईसोटोप, कार्बन-१२ एवं कार्बन-१४ किसी जीवित वस्तु में एक निश्चित अनुपात में होता है। मृत्यु के पश्चात् कार्बन-१४ (रेडियो) सक्रिय होने के कारण दूसरा रूप ग्रहण कर लेता है। यह लगभग ५७३०, (२ × ५७३०) ११४६० एवं (३ × ५७-३०) १७१९० वर्षों में क्रमशः अपने मूल अंश का चौथाई एवं आठवां हिस्सा बच जाता है। इस प्रकार वैज्ञानि

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

प्रविधियों से किसी कार्बनवाली वस्तु के कार्बन-१४ के अवशिष्ट अंश की गणना से उस वस्तु की प्राचीनता का ज्ञान किया जाता है। इस प्रणालिका का प्रयोग प्रो० लिबी ने इजिप्शियन टाम्ब से उपलब्ध हुई लकड़ी पर सर्व प्रथम किया था।

CARBONIFEROUS — कार्बोनीफेरस, कोयलामय, अंगारकाल
वह भूतत्त्वीय निर्माण जिसके अंतर्गत चट्टानों के अतिरिक्त कोयले के स्तर भी आते हैं। यह सबसे पुराने अर्थात् पोलियोजोईक युग के हैं।

CARBONIFEROUS PERIOD — कोयला युग

CARINATED — नौतली, कमरखी

CARINATED SHOULDER — नौतली स्कन्ध

CARNELIAN — इन्द्रगोप, गोमेद, कार्नेलियन

CARNELIAN BEAD — इन्द्रगोप मनका

CARPENTRY — काष्ठकला

CARTER, HOWARD — कार्टर, हॉवर्ड (१८७३-१९३९)
मिँलडर्स पेट्री के निरीक्षण में शिक्षित कार्टर ने १९२२ में इजिप्त के प्रसिद्ध तुदनखामन की कब्र की खोज की थी।

CARVING — नक्काशी

CARYATID — मदनिका

CASAMATE — कमांचा

CASKET — मंजूषा

CASSITERITE — रांगा पत्थर, भूरे रंग का टिन का ऑक्साइड

CAST IN DIE — ठप्पे में ढ़ाले

CASTE — जाति

CASTER FIBRE — ऊदबिलाव

CAUSTIC SODA — कॉस्टिक सोडा, दाहक सोडा

CASTING — ढलाई

CAST-IRON — ढलवां लोहा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CATALOGUE नामावलि
CATAMARAN दो-नोवा
CATARRHINE संकीर्ण-नासिकीय
CATCHMENT AREA प्रवाह क्षेत्र
CATCH-STITCH सिलाई गांठ
CATS EYE लहसुनिया पत्थर
CAVE गुफा, गुहा
CAVE-ART गुफा-कला
CAVE-BEAR गुफा (वासी) भालू
CAVE DEDICATION गुफा-दान, समर्पण
CAVE DWELLING गुहावास
CAVE HABITATION गुफावास
CAVE MAN गुफा-मानव
CAVE PAINTING गुहा-चित्रण
प्राकृतिक अथवा मानवनिर्मित गुहाओं में मनुष्य द्वारा किये गये आलेखन। ये दो प्रकार के होते हैं—चित्रांकण और उत्कीर्णन। गुहालेखन मुख्य रूप से पाषाणयुगीन मानवों के उन चित्रों से संबन्धित हैं जो सम्भवतः उनके धार्मिक विश्वासों के प्रतीक हैं।
CAVE SHRINE गुफा मंदिर
CAVE SITE गुफा स्थल
CAVE TEMPLE गुफा मन्दिर
CAVE TOMB गुफा तुम्ब
CAVE WARE गुफा भाण्ड
CAVERN भूमिष्ठ गुहा, कन्दरा
CELLA गर्भगृह
CELL CHEMISTRY कोशा रसायन
CELLULOID CUTTING सेलूलाईड कतरण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CELT — कुठार, कुल्हाड़ी। कुठार या कुल्हाड़ी के लिये पत्थर, कांसा और लोहे का उपयोग किया गया है। पत्थर की कुठार नवाश्म काल का एक विशेष आयुध है। पिण्ड से चिप्पड़ निकालकर बनाए गए आयुध को घिस कर चिकना किया जाता था। इसमें सामान्यतया उन्नतोदर तेज धार होती है। इसका दूसरा सिरा नुकीला या चौकोर होता है। इसे यदि बीच से काटा जाये तो इस कटे भाग का स्वरूप चौकोर या अण्डाकार होता है। इसके प्रयोग के लिये या तो इसे लकड़ी के हत्थे में लगाते थे अथवा सीधे हाथ से ही इसको उपयोग में लाते थे।

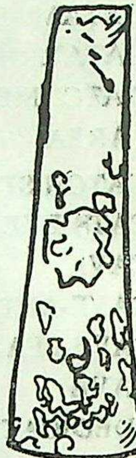

CELTIC FIELDS — केल्टिक क्षेत्र

CEMETERY — श्मशान

CENOZOIC — (सेनोजाईक)
नवकल्प, नूतन जीवयुग
भूवैज्ञानिक काल के गत सात करोड़ वर्ष

CENTRAL INDIAN CHALCOLITHIC CULTURE — मध्य भारतीय ताम्राश्म संस्कृति। मध्य भारत से प्राप्त ताम्राश्म संस्कृति को यह नाम दिया गया है। यह संस्कृति दक्षिणी मध्यप्रदेश में पाई जाती है। इसकी तिथि लगभग १७००-१२०० ई० पू० मानी गई है तथा इस संस्कृति में मालवा मृत्पात्र, क्षुद्राश्म, ताम्र उपकरणों, गारें, इंटें तथा मिट्टी एवं टाटी के घर पाये जाते हैं।

CENTRALLY DIRECTED — केन्द्रोन्मुख

CEPHALOPOD — सेफेलोपॉड
कपालाद्र, सिरपर पैरवाले जीव जैसे घोंघा

CENTRAL INDIAN PLATEAU — मध्य भारतीय पठार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CEREBELLUM अनुमस्तिष्क
CEREMONIALISM संकरवाद
CERTAINTY निश्चयता
CERVUS CAPREOLUS हरिणी
CERVUS ELEPHUS लाल हरिण
CERVUS SIDQURICKI बहुश्रृंगी हरिण
CESS-POOL मल-कुण्ड
CETACEA जलाधिवासी
CHAIN जंजीर
CHAIN SURVEY जंजीर निरीक्षण
CHALCEDONY चॉल्सिडनी, सिक्थस्फटिक, गार, सफेद पत्थर
CHALCOLITHIC AGE ताम्राश्म युग, ताम्र-प्रस्तर युग
नवाश्मयुग के बाद की संस्कृति को यह नाम दिया गया है जबकि ताम्बे एवं पत्थर दोनों का ही प्रयोग किया जा रहा था। इस युग में नवाश्मयुग की सारी विशेषतायें थीं। साथ ताम्बे के प्रयोग की नवीनता ''।
CHALCOLITHIC HABITATION ताम्रपाषाणयुगीन आवास
CHALICE चषक, पानपात्र
CHAMBER TOMB गृह तुम्ब
CHAMFER कत्तल निकालना, कत्तल
CHAMOIS वन्य मृग
CHANCE संयोग
CHANCELADE MAN शांसलाद मानव
CHANDOLI चांड़ोली
महाराष्ट्र के पुणा जिले में घोड़ नदी के किनारे बसा ताम्रपाषाण कालीन स्थल। यहाँ के लोग टाटी के मकान बनाते थे जिस पर चूना पोतते थे। यहां घरों में चौकोर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अग्निकुण्ड तथा काले और लाल मृद्‌भाण्ड मिले हैं। ताम्बे की चपटी कुल्हाड़ियां, मणि, मछली पकड़ने के हुक आदि भी मिले हैं। मृतों को वहां बड़े घड़ों में, तो बच्चों को छोटे मटकों में घरों के अन्दर ही दफनाते थे। इसका काल ई० पूर्व १२४० कार्बन १४ से निश्चित किया गया है।

CHANGE OF SEA-LEVEL समुद्र सतह परिवर्तन

CHANG SHA चांगशा

चीन के हुनान प्रान्त की राजधानी। यहां ई० पूर्व तीसरी से पहली शती की अनेक कब्रें और लकड़ी तथा लाख की बनी अनेक चीजें मिली हैं जिनमें लकड़ी की राक्षसों की मूर्तियां, लाख की मंजूषायें, लिखने के ब्रश आदि प्रमुख हैं। उत्खनन में चीनी सम्राट् चिंग की प्रेमिका की कब्र भी मिली है जिसमें शव को लकड़ी की पेटी में रखा था। साथ ही अनेक मंजूषायें, बाजे, रेशमी कपड़े तथा बर्तन मिले हैं। शव की जांच के बाद डाक्टरों का अनुमान है कि मौत हृदय-विकार से हुई थी।

CHANNELLED नालीदार

CHANNEL-SPOUT नालीदार टोंटी

CHANNEL SPOUTED BOWL नालीदार कटोरा

CHARCOAL कोयला

CHARCOAL GRAINS कोयला अन्न, जला हुआ अनाज

CHATELPERRONION CULTURE शैटेल्परीन संस्कृति

मध्य फ्रान्स में विकसित ओरिगनेसी संस्कृति का प्रारम्भिक काल जिसके उपकरण विशेषतः फला (BLADE) थे जो चकमक पत्थर से बनाये गये थे।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CHELLIAN OR CHALLEAN CULTURE	शैलीय, द्रष्टव्य—ABBEVILLIAN CULTURE
CHEMIN-DE-RONDE	प्राकार-पथ
CHEMIST	रसायनज्ञ
CHEMISTRY	रसायनशास्त्र
CHEQUER MOTIF	शतरंजी नमूना
CHEROKEE	चैरोकी
CHERT	चर्ट, चकमक
CHERT BLADE	चर्ट फलक
CHERT-FLINT	चकमक पत्थर
CHERT HOE	चर्ट-कुदाल
CHEVRON	सिंघाडा (उकेर कर बनाया हुआ)
CHILDE, VERE GORDON	चाईल्ड वेर गार्डन (१८९२-१९५७) बीसवीं शती का प्रख्यात पुरातत्त्वज्ञ मूल ऑस्ट्रेलियन किन्तु एडिंबरो तथा लंदन विद्यापीठों में पुरातत्त्व के व्याख्याता रहे। उन्होंने युरोपीय अश्मयुग तथा पश्चिम एशिया के नवाश्मयुग एवं ताम्रयुग का गहन अध्ययन किया। 'न्यू लाईट ऑन दि मोस्ट एन्शन्ट ईस्ट,' 'डॉन ऑफ युरोपियन सिव्हिलायझेशन,' 'पिसिंग टुगेदर, दि पास्ट' आदि जगत्प्रसिद्ध किताबों के वे लेखक हैं।
CHIRAND	चिराँद पूर्व बिहार का एक प्राचीन स्थल जिसकी खुदाई में कई बस्तियों के प्रमाण मिले हैं। पहली बस्ती 'I-अ' में पत्थर के फलकों के साथ हड्डी, हस्तीदंत एवं सींगों के बाणाग्र मिले। मकान टाटी के बने थे। यहां मिले काले-लाल मृद्भाण्डों पर सफेद रंग की नक्षी है। कार्बन-१४ से इसका काल ई० पू० ८४५ निश्चित हुआ है।
CHISEL	रूखानी, छेनी
CHISEL-ENDED HANDAXE	छेन्यस्त्र हस्तपरशु

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CHLOROPHYL पर्णहरिम

CHOPPER चॉपर, लवित्र, गंड़ासा, छूरा, टोका
नदी के प्रवाह के साथ लुढ़क कर गोल हुये प्रस्तर पिण्डों के किनारे से चिप्पड़ निकाल कर बनाया गया पूर्व पुराश्मकालीन एक आयुध है । इसका प्रयोग किसी वस्तु के काटने या छिलने खरोचने के लिये किया जाता रहा होगा। मोवियस के अनुसार विशाल रूक्ष स्क्रेपर तथा कोर पर बने विशालकाय स्क्रेपरों को चोपर कहते हैं ।

CHOPPING TOOL चॉपिंग्—उपकरण, छेतृ, पूर्व पुराश्मकालीन 'आयुध' जो नदी के प्रवाह के साथ लुढ़ककर गोलाकार हुये प्रस्तर पिण्डों के किनारे पर दोनों ओर से चिप्पड़ निकाल कर बनाए गए हैं । इनका प्रयोग भी किसी वस्तु को काटने के लिये किया जाता रहा होगा ।

CHOPPING-TOOL TRADITION चॉपिंग्-उपकरण परंपरा

CHORD त्रिज्या

CHOU-KOU-TIEN चौ-कू-तीन
चीन में पेकिंग शहर के नजदीक पुराश्मयुगीन अवशेषों का प्राप्तिस्थल है । यहां होमो-इरेक्टस मानव की अस्थियाँ मिली थीं । यहीं से पांच लाख वर्ष प्राचीन चालीस मानव कंकाल आदि मिले थे ।

CHRONOLOGICAL काल-क्रमिक

CHRONOLOGICAL RECORD तैथिक अभिलेख

CHRONOLOGICAL SENSE तैथिक बोध

CHRONOLOGICAL TABLE तैथिक सारणी

CHRONOLOGY कालक्रम, कालक्रम-विज्ञान, कालानुक्रम विज्ञान

CHRONOMETER काल मापी

CHUNK पत्थर के चिपटे टुकड़े

CINDER MOUND राख का टीला

CINERARY URN भस्म-कलश, रक्षापात्र, अस्थिअवशेष-पात्र

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CIRCULAR वृत्ताकार
CIRCULATION परिसंचरण
CIRE PERDUE मोम सांचा विधि
CIRQ सर्क, अर्धवृत्ताकार गर्त
CIRQUE हिमागार
CIST OR CISTVAEM वयिन, शवपेटिका, कोष्ठ, ताबूतनुमा शवाधान महाश्म के प्रकारों में से एक जो बड़े-बड़े पत्थरों के टुकड़ों से बनाई गई हो। इसमें शव को मुड़ी हुई स्थिति में रखकर गाड़ देते थे। यह पेटिका मिट्टी के बर्तनों की भी हुआ करती थी जिसमें भस्म आदि रखकर गाड़ दिया जाता था।
CIST-BURIAL अश्मपेटी दफन
CIST-CHAMBER वयिन-प्रकोष्ठ
CIST-CIRCLE वयिन-वृत्त
CITADEL किला, कोट, गढ़
CITRIC ACID सिट्रिक अम्ल
CITY PLAN नगरविन्यास
CIVILIZATION सभ्यता
CIVILITY नागरिकता
CLACTON क्लैक्टोन
CLACTONIAN क्लैक्टोनियन एक उपकरण
क्लैक्टोनियन नाम इंग्लैण्ड की एसेक्स काऊन्टी के क्लैक्टोन-आन-सी नामक स्थान पर पाया गया है। फलक उपकरण परम्परा के ये प्राचीनतम उपकरण हैं।
CLACTON TECHNIQUE क्लैक्टोन प्रविधि
किसी पिण्ड या प्रस्तर खण्ड को स्थिर निहाई पर पटक कर पत्थर के हथौड़े से उस पर ठोक कर चिप्पड़ निकालने की प्रविधि को क्लैक्टोन नाम दिया गया है। क्योंकि थेम्स के पास समुद्र तट पर क्लैक्टोन नामक स्थान से पहली बार इस प्रविधि से तैयार किये गये चिप्पड़ों से बने आयुध पाए गए थे। निकाले गए चिप्पड़ को आयुध का रूप देने के लिये दुबारा जो चिप्पड़ निकाले जाते हैं वे पहले वाले से लगभग १२० कोन पर होते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CLASS श्रेणी, वर्ग
CLASSIFICATORY
TERMINOLOGY वर्गीकृत संज्ञा—व्यवस्था
CLASSIFIER वर्गीकर्ता
CLAVICLE OR
COLLAR BONE कन्धे की हड्डी
CLAVICULAR हंसुलीदार, अक्षकीय
CLAY मिट्टी, मृत्तिका, साधारण मिट्टी
CLAY BIN बखार, कोठी
CLAY COFFIN मिट्टी का ताबूत
CLAY SEAL मिट्टी की मुहर, मृद्-मुद्रा
CLAY TABLET मृद्वटिका
CLEANING शुद्धिकरण
CLEAVAGE विदरण
CLEAVER विदारक, विदारणी, परशु
रूखानी की तरह धारवाला एक पूर्व पुराश्मकालीन आयुध जिसकी धार दो बड़े चिप्पड़ों के निकालने से बनी होती है। रूप एवं धार वाले छोर के आकार के आधार पर इसके विभिन्न प्रकार होते हैं।
CLIFF भृगु, ढ़लवा, चट्टान
CLIMATE
TERRACE जलवायु-सोपान
CLIMATOLOGY जलवायु-विज्ञान
CLIVER छूरा
CLOVIS POINT एक औजार, खड़ेदार फलक
CLUBBED RIM मूठदार किनारा
CLUMSY गिचपिच, भद्दा
COARSE-
GRAINED रूक्षकण
COARSE WARE अनगढ़ भाण्ड
COBS गुल्लियां
CODE संहिता
CODEX मध्यकाल की भोजपत्र पर लिखी हुई पाण्डुलिपि

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

COELENTERATE अान्तरगुही प्राणी
COINS ILLUSTRATED फलक-स्थित सिक्के
COL विभाजक पात्र
COLD BLOODED असमतापी प्राणी
COLLARED BEAD हंसलीदार मनका
COLLATEAL BRANCH समकक्षक
COLOPHON पुष्पिका
COLOURED STUCCO रंगीन गच
COLUMN स्तम्भ
COMB-CAPELLE कोम्ब-कैपले (मानव)
COMMEMORATIVE COIN स्मारक सिक्का
COMMUNICATION संचार
COMMUNITY समुदाय
COMPARATIVE ARCHAEOLOGY तौलनिक पुरातत्त्व
COMPARATIVELY अपेक्षाकृत, मुकाबले में, अपेक्षतया
COMPASS दिक्सूचक
COMPLEX FOLD विषम मोड़
COMPOSITE TOOL संग्रथित उपकरण, मिश्रित उपकरण
COMPOSITION गठन
CONCAVE नतोदर
CONCAVE SCRAPER नतोदर स्क्रेपर
CONCENTRIC SHELL अनुकेन्द्रित पर्त
CONCEPT सम्बोध, संकलपना, संप्रत्यय

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CONCPETUAL TOOL	अवधारणात्मक औजार
CONCHOLOGIST	शंख-वैज्ञानिक
CONCRETIONARY CLAY	प्रस्तर-घर्षित मिट्टी
CONDUCTION	संचालन
CONDUIT	नाली
CONE	शंकु
CONE ATTACHMENT	शंकुजोड़
CONE OF PERCUSSION	संघात का शंकु
CONFEDERATION	राज्यमण्डल
CONFLATION	पाठ समेकन, समेकित पाठ
CONICAL	शंक्वाकार
CONICAL CORE	शंकु क्रोड
CONGLOMERATE	कांग्लोमेरेट
CONSERVATION	संरक्षण
CONSERVATION EXPERT	संरक्षणदक्ष
CONTACT	सम्पर्क
CONTAGIOUS	संक्रामक
CONTAINER	आधान पात्र
CONTEMPORARY PRIMITIVES	वर्तमान आदिम जातियां
CONTEXT OR INCIDENT	प्रसंग
CONTINENTAL	महाद्वीपी
CONTINENTAL DRIFT	महाद्वीपीय प्रवाह

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CONTINUITY वारंवारता, निरन्तर होने की अवस्था

CONTOUR समोच्चार

CONTOURS समोच्च-भूमि-दर्शक रेखायें

CONTRIBUTION योगदान

CONTROL PIT मानक गर्त, सीमित गर्त, नियंत्रण गर्त,
किसी स्थान पर उत्खनन करते समय उत्खनन कराने के पहले किसी एक खन्ती के एक भाग में सामान्यतया किसी किनारे पर लगभग ढ़ाई वर्ग फीट का एक गढ्ढा सीमित गर्त के नाम से जाना जाता है जो वस्तुतः खन्ती में होने वाले उत्खनन के लिये निर्देशक सा हाता है। इस गर्त में अगली पर्त या स्तर को उत्खनित करने के बाद पूरी खन्ती में उस पर्त या स्तर को उत्खनित किया जाता है।

CONTROLLED FLAKING नियन्त्रित फलेकीकरण

CONVENIENCE सुविधा

CONVENTIONAL रूढ़गत

CONVENTIONAL SIGNS लाक्षरिणक संकेत

CONVEX उन्नतोदर उत्तल

CONVEX OBLATE उन्नतोदर, आक्षिक (लघुअक्ष) उपकरण इस प्रकार के उपकरण गोलाकार अथवा अण्डाकार होतें हैं।

COOPERATION सहकार

COPPER ताम्र, तांबा

COPPER AGE ताम्रकाल, द्रष्टव्य—CHALCOLITHIC AGE

COPPER HOARD ताम्रायुध भण्डार, ताम्रसंचय
ताम्बे के बने कुछ विशेष प्रकार के आयुध अथवा उपकरण जो प्रमुखतया भण्डारों के रूप में प्राप्त हुये हैं इस नाम से जाने जाते हैं। इन उपकरणों में चपटे स्कंधीय एवं छड़ प्रकार के कुठार, गोल छल्ले, मत्स्य बर्छी, मूछदार तलवारें एवं मानवाकृतियां आदि होते हैं। इन उपकरणों के भण्डार मुख्यरूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा एवं मध्यप्रदेश से पाये गये हैं। किन्तु इनकी प्राप्ति का विस्तार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

गुजरात एवं मैसूर क्षेत्र तक है। इन भण्डारों को लगभग १६००-१३०० ई० पू० का माना गया है।

COPPER IMPLEMENT — ताम्रायुध, ताम्र उपकरण

COPPER PLATE INSCRIPTION — ताम्र-पत्र-लेख

COPPER SEAL — ताम्बे की मुहर, मुद्रा

COPPER SHEATHED PYRAMIDAL APEX — ताम्रमण्डित शंकुशीर्ष

COPPER STAMP SEAL — ठप्पेदार ताम्रमुद्रा

COPPER WIRE — ताम्बे की तार

COPROLITE ANALYSIS — पाखाना पृथक्करण, विष्ठा या मल पृथक्करण

COR — कोर, यहूदियों का माप

CORAL — प्रवाल, मूंगा, मरजान

CORACLE — चर्मावृत्त क्षुद्रनौका, उठवन्द नांव, बांस की बनी हुई पनसुईयां

CORBEL — टोड़ा

CORDED WARE — डोरीदार भाण्ड

CORDIFORM HANDAXE — हृदयाकार हस्तपरशु

CORE — कोर, आन्तरिक, आन्तरक (चकमक), गुदा चकमक की गांठ का केन्द्रिय भाग या नाभिक, जो छिपटियां, छिपटी-फलक या फलक उतार कर बनाया जाता है।

CORE AXE — क्रोड कुठार

जिस पत्थर पर आघात करते हैं तथा जिसमें से पत्थर का टुकड़ा फलक (CORE) निकलता है उसे कोर (FLAKE) कहते हैं। दूसरे शब्दों में कोर उस प्रस्तर खण्ड को कहते हैं जिसमें से कोई पत्थर का टुकड़ा निकाला जाता है। कोर से निकाले हुये पत्थर के टुकड़े को फलक कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CORE-BIFACE	द्वितल-कोर
CORE-BIFACED	दोपिठही गुल्ली
CORELATION	सह-सम्बन्धीकरण
CORES	अभ्यन्तर, प्रस्तरास्त्र
CORE-SCRAPER	कोर-खुरक
CORE-TOOL	कोर-उपकरण
CORN KING	अन्नदेव
CORNUCOPIA	वृषभशृंग, अन्न की बालियों का गुच्छा
CORONADO	कोरोनेड़ो
CORPS	अनीकिनी
CORPUS	निकाय, ग्रंथ-संग्रह, काय, शरीर, देह
CORTEXT	बाह्यक बिना चिप्पड़ निकाला हुआ पत्थर का अंश
COSMIC RAY	अन्तरिक्ष किरण
COSMIC TIME	सृष्टि समय
COSMOLOGICAL EVOLUTION	सृष्टि विज्ञान
CO-TRADITION	सह-परम्परा
COUNCHANT	धराशायी, सिर उठाकर या उकडू बैठा हुआ
COUNTERPART	प्रतिरूप
COUNTER REFORMATION	प्रतिधर्मसुधार
COUP-DF-POING	मुष्टि छुरा, हस्त परशु
COURSE	रद्दा, क्रमबद्ध, गतिबद्ध, स्तरित
CRADDLE	पालना
CRANIAL CAPACITY	कपालीय समावेश
CRANNOG	तालावास, झील-झोपड़ी स्कॉटलैण्ड या आयरलैण्ड के लोगों की प्राचीन झोपड़ियां जो झील में शहतीरों पर बनायी जाती थीं।
CRATACEOUS	खटीकाल
CRAWFORD, OSBERT GUY STANHOPE	क्राफोर्ड, ओ० जी० एस० (१८८६-१९५७)

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

सेना में पुरातत्त्वविषयक कार्य करने वाला ब्रिटिश वैज्ञानिक, प्राचीन स्थलों की खोज में आलोक चित्रकला का प्रयोग करने वालों में प्रथम व्यक्ति। सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुसार प्रादेशिक आलेख बनाने की विधि इन्होंने शुरू की। 'एँटिविवटी' इस प्रख्यात पत्रिका के वे सम्पादक थे।

CREATIVE VEIN निर्माण-शक्ति

CREMATION BURIAL दफन विधि जिसमें मृतक शरीर को किसी पात्र के अन्दर शव पात्रों सहित दफनाया जाता है।

CRESCENT अर्धचन्द्राकार (लघुपाषाण)

CRESCENT BLADE अर्धचन्द्र फलक

CRESS TRENCH अनुप्रस्थ खाई

CREST कलंगी, चोटी, शिखा

CRESTED RIDGE दन्तुर कटक

CRETACEOUS खटी-काल, खड़िया युगीन

CREVASSE FILLINGS क्रीवेस फिलिंग्स, हिमविदर केम

CRITERION मानदण्ड

CROMAGNON MAN क्रोमान्यो मानव
युरोप में मिला पहला होमो सॅपिन्स जिसका मूल निवास एशिया में था।

CROMLECH शवगृह

CROP MARKS कृषिफल संकेत

CROSS-SECTION अनुप्रस्थ काट, आड़ी काट

CROSS TRENCH आड़ी खाई

CROW BAR सब्बल
लोहे की सीक

CRUCIBLE धातु गलाने की घरिया, या कठाली बर्तन

CRUCIBLE STEEL घड़िया-इस्पात

CRUDE रूक्ष, कच्चा, अप्रौढ़

CRUDE STONE

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

AGE	अनगढ़-पाषाणयुग
CRUSIFORM CORBELS	कुशनुमा तोड़े
CRYSTALI-SATION	मणिविकरण
CULT	मत
CULTURAL RELATIVISM	संस्कृति सापेक्षवाद
CULTURAL SEQUENCE	संस्कृत्यनुक्रम
CULTURAL ANTHROPO-LOGY	सांस्कृतिक नृतत्त्व, सांस्कृतिक मानव विज्ञान
CULTURE	संस्कृति यह उन क्रियाविधियों का कुल योग है जिनके द्वारा मनुष्य जीवन-यापन करते हैं और जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आती है । कोई सुनिर्दिष्ट संस्कृति उन क्रियाविधियों का समूह होती है जिनका पालन कोई लोग किसी निश्चित समय में करते रहे हैं । पुरातत्त्व ज्ञान की दृष्टि से कहा जाये तो संस्कृति शब्द का प्रयोग कभी-कभी किसी सुनिर्दिष्ट काल और लोगों के औजार समूह को सूचित करने के लिये भी किया जाता है ।
CULTURE-AREA	संस्कृति क्षेत्र
CULTURE-BUILDING ANIMAL	संस्कृति निर्माता प्राणी
CULTURE-CENTRE	सांस्कृतिक केन्द्र
CULTURE-CHANGE	संस्कृति-परिवर्तन
CULTURE-CIRCLE	संस्कृति-वृत्त
CULTURAL COMPLEX	संस्कृति-संकुलता

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CULTURE-CONTACT संस्कृति-सम्पर्क

CULTURE ELEMENT संस्कृति-तत्त्व

CULTURE-HISTORICAL SCHOOL संस्कृति-ऐतिहासिक सम्प्रदाय

CULTURE-PATTERN संस्कृति-स्वरूप, संस्कृति-प्रतिमान

CULTURE-TRAIT संस्कृति-तत्त्व, संस्कृति-गुण

CULTUROLOGY संस्कृति-शास्त्र

CUNEIFORM SYSTEM कीलाकार, कीलाक्षर, कीलकलिपि

लेखन की एक पद्धति, जिसे सुमेरियाई लोगों ने शुरू किया था जिसमें अक्षर मिट्टी की नरम पटियाओं पर या

मुहरों पर फन्नी की आकृति की एक लोहे की कलम से खोदे जाते थे।

CUNNINGHAM A.K. कनिंघम, ए० के० (१८१४-१८९३)

भारतीय इतिहास और पुरातत्त्व के सुप्रसिद्ध अंग्रेजी विद्वान् जिनका जन्म इग्लैण्ड में सन् १८१४ में और मृत्यु १८९३ में हुई। सर कनिंघम शुरू-शुरू में अंग्रेजी सेना के अधिकारी के रूप में भारत आये थे। मगर यहां आने पर यहां की प्राचीन पुरातत्त्व सामग्री की खोज का उन्हें लगाव लग गया और इस क्षेत्र में उन्होंने बड़ी दिलचस्पी से काम करना प्रारम्भ किया। सन् १८७२ में भारतीय पुरातत्त्व विभाग में उन्होंने प्रवेश किया और कुछ ही समय में वे उत्तर प्रदेश पुरात्तत्व विभाग के सर्वोच्च अधिकारी बन गये। इस विभाग में काम करते हुए सर कनिंघम ने भारतीय, प्राचीन इतिहास के सम्बन्ध में कई महत्त्वपूर्ण अनुसंधान किये। इन अनुसंधानों का वर्णन पुरातत्त्व संबंधी रिपोर्टों के रूप में करीब २३ खण्डों में प्रकाशित हुआ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CUP	प्याला, चषक
CUP MARK	चषक चिह्न
CUP ON STAND	साधार चषक
CURRENT	धारा, वर्तमान
CURVE	वक्र
CUSTOM	रीति-रिवाज, प्रथा
CUTLERY	कर्तरिका
CUT SPOUTED BOWL	कटी टोटी वाला प्याला
CUTTING TOOL	कर्तन औजार
OR	
CHOPPING TOOL	गंडासे जैसा औजार किन्तु जिसका अनुशोधन क्रमशः दोनों पार्श्वों पर चोट मारकर किया जाता था।
CYCLIC TERRACE	चक्रिल सोपान
CYCLOPHEAN DEFENSIVE WALL	बृहत्पाषाण प्राचीर
CYLINDER HAMMER TECHNIQUE	बेलनाकार हथौड़ा प्रविधि
CYLINDRICAL	बेलनाकार
CYLINDRICAL POT	बेलनाकार भाण्ड
CYLIX	चषक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

D

DABBER	डंबर, थपकी, स्थपुट
DADO	शिलापिण्ड, अधिष्ठानक, स्तम्भपाद
DAILY WAGES	दैनिक मजदूरी
DANDELION	कुकरोन्धा
DARK AGE	अन्धकार युग हड़प्पा संस्कृति के अन्त, लगभग १७०० ई० पू० से लेकर ऐतिहासिक काल के प्रारम्भ, लगभग ५०० ई० पू० तक के काल को, जिससे सम्बन्धित पुरातात्त्विक प्रमाण प्राप्त नहीं हैं, प्रारम्भिक पुरातत्त्वविदों ने अन्धकार युग नाम दे रखा है।
DARIUS	देरियस, पर्शियन राजा काल ई० पू० ५२२-४८६
DASSIER	डेसियर, मिसिल
DATA OR DATUM	आधार-सामग्री
DATUM LINE	आधार-रेखा
DATUM STRING	आधार-सूत
DAUBING	रंग-लेपन
DAYAMABAD	दायमाबाद महाराष्ट्र के नगर जिले में प्रवरा नदी के किनारे बसा ताम्रपाषाणयुगीन एक प्राचीन स्थल है। यहां की ताम्र-पाषाण संस्कृति को तीन कालों में विभाजित किया गया है।
DEAD SEA SCROLL	मृत समुद्र लेखपट
DEBRIS	मलबा
DECADE	दशक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

DECISION	निर्णय
DECISION-MAKING	निश्चय-निर्धारण
DECOMPOSED STRAWDUST	पृथक् मिट्टी
DECORATED GOLD PLATE	अलंकृत स्वर्ण पट्ट
DECORATION	अलंकरण (सजावट)
DECORATIVE MOTIF	अलंकारिक अभिप्राय
DECREE	आज्ञप्ति, आज्ञा, कानून
DEDUCTIVE	निगमनात्मक
DEEP DIGGING	गहरी खुदाई
DEEP FLAKE SCAR	गहरे फलक-चिह्न
DEEP	अगाध
DEER	हरिण
DEGRADATION	अपकर्षण, अपचयन हिम नदी द्वारा तटों के कटाव से सोपान की निर्मिति को अपकर्षण कहा जाता है। उच्चयन से इसकी भिन्नता इस अर्थ में है कि उच्चयन में नदी के प्रवाह के साथ आये पत्थरों आदि का जमाव मिलता है, और अपकर्षण में नहीं।
DELMENOID CIST	डाल्मेननुमा वयिन
DEMOTIC SCRIPT	डेमोटिक स्क्रिप्ट, लोकलिपि प्राचीन इजिप्त में लिखाई का एक प्रचलित रूप जो ई० पू० ७०० से ईसा के ३०० तक प्रचलित रहा। इसका मूल हिरेटिक लिपि है जो पुजारियों ने अपनाई थी, किन्तु सामान्य लोक भी इससे

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अच्छी तरह से वाकिफ थे। यह लेख पेपीरस, मृद्भाण्डों तथा कुछ हस्तलिखित रूप में भी उपलब्ध है।

DENARIUS दीनार

DENDROCHRONOLOGY OR TREE RING METHOD वृक्षकालानुक्रमिकी, वृक्षतैथिकी

सन् १९०१ और १९१३ के बीच डॉ० ए० ई० डागलास ने कुछ ऐसी घटनाओं की खोज की जिसमें उन्हें कुछ सौर्य किरणों में परिवर्तन और विभिन्नतायें प्रतीत हुईं। उन्होंने पेड़ों का विधिवत् अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि जैसी जलवायु होती है उसी के अनुसार चक्कर में वृद्धि होती हैं। गीली जलवायु में इसकी वृद्धि तथा सूखे में बन्द हो जाती है, जिसके आधार पर उसकी प्राचीनता निश्चित की जाती है। पुरातत्त्व में कालमान निश्चिति के लिये यह विधि प्रयोग में लाई जाती है।

DENOTATION OR CONNOTATION शब्दार्थ अथवा वास्तवार्थ

DENOTATIVE TERM विशिष्ट संज्ञा

DENUDATION नग्नीकरण

DEPOSIT खान, निक्षेप, अवसाद

DEPRESSION गर्तचक्र

DEPTH गहराई

DEPUTY DIRECTOR उपसंचालक

DERIVE उद्गमित

DESCENT वंश-नाम, ढलान

DESICCATION परिशोषण

DESIGN अभिकल्प, नक्शा बनाना

DESCRIPTIVE TERM वर्णित-संज्ञा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

DESTRUCTION SCHEDULE — नाशक-अनुसूचि

DETERMINATION OF PHOSPHATE — फोस्फेट मात्रा प्रणाली

DETRITAL LATERITE — पुनरुच्चयित लेटेराईट

DEVELOP (PHOTO) — (चित्र) उभारना

DEVELOPED ACHEULIAN — विकसित आशूलियन

DEVELOPER — प्रस्फुटक

DEVELOPMENT — विकास

DEVICE — विधि

DEVONIAN AGE — मत्स्य युग

DEVONIAN SYSTEM — डिवोनियन संस्थान, पेलियोजाईक चट्टानों की एक श्रृंखला। इसमें मछलियों के फॉसिल बहुतायत में पाये जाते हैं।

DIAGONAL RIB — विकर्ण शिरा (गॉथिक वास्तु)

DIAGONAL WALL — तिरछी दिवार

DIAGRAM — आरेख, रेखाचित्र

DIAMETER — व्यास

DIAPHRAGM — तन्तुपट

DIBBLE — खुरपी, खांसेनी व फली

DICERORHINUS MERCKII — चौड़ी नासिका वाला गेण्डा

DIE — ठप्पा

DIFFERENT OR VARIOUS — विभिन्न

DIFFUSE — विसारित, छितराना

DIFFUSION — प्रसार

CC-0. Agamnigam Digital Preseyation Foundation, Chandigarh

DIGGING	खुदाई, उत्खनन द्रष्टव्य—EXCAVATION
DIGGING STICK	कुदाल
DIMENSION	विभा, माप, परिमाण, मान, मात्रा
DINOSAUR	डाइनोसर मध्यजीवयुग की एक भयंकर छिपकली
DIPLODOCUS	द्विधरण सरट एक प्रकार का गिरगिट
DIPLOE	करोटि खोपड़ी की हड्डी के नीचे की दोहरी पेशी
DIPLOMACY	राजनय
DIP SLOPE	झुकाव ढाल
DIRECT	अपरोक्ष
DIRECTION	दिशा
DIRECTOR	निर्देशक, संचालक
DISC	डिस्क, मण्डल, कुण्डल, थाली किसी गोल चीज का ऊपरी भाग
DISC BARROW	बिम्बाकार स्तूप
DISC-BASE	गोल पेन्दा
DISCOID	डिस्काकार
DISCOVERY	शोध
DISH	तश्तरी
DISH-ON-STAND	तनेदार तश्तरी
DISJECTED (MIMUTIAE)	असम्बद्ध लघु वस्तुएं
DISK	गोल टिकली, टेढ़े-मेढ़े किनारों वाला कोर उपकरण
DISMEMBERED RECORDS	विच्छिन्न अभिलेख
DISTILLED WATER	आसुत जल
DISTORTION	ऐंठन
DISTRIBUTION	वितरण
DISTRIBUTION OF FORCE	बल-वंटन
DIVONIAN	मत्स्य (काल)

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

DIVISION	प्रभाग, चमू
DOCK	जहाज से माल चढ़ाने-उतारने का स्थान
DOCUMENT	साक्ष, दस्तावेज, लेख्य
DOG BEAR	जंगली भालू
DOG STAR	लब्धक
DOLERITE	डोलराईट
DOLICOCE-PHALIC	लघु-कपालिक
DOLMEN	शव गृह, महापाषाण-पट्ट तुम्ब
DOLMENOID CIST	महापाषाण शवाधानी
DOME	गुम्बद
DOMESTICATION OF ANIMALS	पशुपालन
DORSAL	पृष्ठीय, अन्तः
DORSAL SIDE	अन्तः सतह
DOTTED	बिन्दु विभूषित
DOUBLE-ENDED SCRAPER	द्वयन्त खुरक
DOUBLE FACETTED GRAVER	द्विसमक्षेत्री खुरक
DOWEL	गिट्टक
DOWNWARD MEASUREMENT	अधोमुखी माप
DOWNWIND	अनुवात
DRACHMA	द्राक्मा
DRAW BAR	अर्गला
DRAFTSMAN	आरेखक, नक्शानवीस
DRAWING	उद्रेखण, (आ) रेखण, रेखाचित्रण
DRAWING-BOARD	(आ) रेखण-फलक, रेखाचित्रण फलक
DRESSED STONE	गढ़े पत्थर
DRI .	बरमा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

DROUGHT	अनावृष्टि
DRY CLIMATE	शुष्क जलवायु
DRY-FARMING	शुष्क कृषि
DUROFIX	मृद्भाँड जोड़ने का लेप
DUTIFUL	कर्तव्यनिष्ठ
DWELLERS, CAVE	गुहावासी
DWELLERS, FOREST	वनवासी
DWELLERS, STEPPES	स्टेपीजवासी
DWELLING, LAKE	झील घर
DWELLING, PILE	बल्ली घर
DWELLING, PIT	गर्त घर
DYKE	पाषाण धमनी
DYNAMIC	गतिशील

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

E

EAGER — अधीर
EAGLE — उकाब (इरानियों का राजचिह्न), गरुड़
EARLY — आदि, आदियुगीन
EARLY HISTORIC SITES — पूर्वकालीन ऐतिहासिक स्थल
EARLY HISTORY — पूर्वकालीन इतिहास
EARLY MAN — आदि मानव, पूर्व मानव
EARLY PALAEOLITHIC AGE — पूर्वपुराश्मकाल

पुराश्म काल का प्रथम काल जिस समय के प्रस्तर आयुध आकार में बड़े एवं गढ़न में अन्य कालों के आयुधों की तुलना में भद्दे होते हैं। भारत के सोहन उद्योग एवं मद्रासीय हस्तपरशु की परम्परायें पूर्वी पुराश्म काल की हैं।

EARLY SAVAGERY — आदियुगीन वन्यता
EARLY SOHAN — आदि सोहन
EARLY VEDIC PERIOD — पूर्ववैदिककाल
EAR ORNAMENT — कर्णाभूषण
EAR PLUG — कर्ण-गुट्टी
EAR RING — कुण्डल, बाली
EARTH — पृथ्वी
EARTH'S COVERING — पृथ्वी का आवरण
EARTHEN WARE — मृद्भाण्ड, मिट्टी के बर्तन, मृत्पात्र
EASTERN — प्राच्य, पौर्वात्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

EASTERN NEOLITHIC CULTURE पौर्वात्य नवाश्म संस्कृति
पूर्वी भारत में प्राप्त नवाश्म संस्कृति को यह नाम दिया गया है। इस संस्कृति में मार्जित प्रस्तर परशु, जो बीच में काटने से ग्रायताकार दिखते हैं, यदा-कदा कन्धेदार गुडाई के उपकरण एवं खुरदरे भूरे रंग के मृत्पात्र पाये जाते हैं। यह संस्कृति ग्रासाम, पश्चिम बंगाल, दक्षिण बिहार एवं ग्रोरिसा के क्षेत्रों में पायी जाती है। यद्यपि इसकी तिथि ग्रनिश्चित है किन्तु लगभग १००० ई० पू० की तिथि दी जाती है।

EAVES ग्रोलती

ECOLOGY इकोलॉजी, परिस्थिति का विज्ञान
किसी भी परिवेश में प्राणियों ग्रौर वानस्पतिक स्पीशियों के कुल योग के मध्य विद्यमान प्रकृति के सन्तुलन का विज्ञान।

ECONOMICS ग्रर्थशास्त्र

ECTODERM बहिर्जनस्तर

EDENTATA निर्दन्त, बिना दांत का पशु

EDDIES भंबर

EDGE धार

EDGING KNIFE धार बनाने वाला चाकू

EFFIGY पुतला

EGO लक्ष्य, ग्रहम्

ELECTRICAL RESISTANCE SURVEYING विद्युत्प्रतिरोध सर्वेक्षण

ELECTROTYPE विद्युत्-विश्लेषणिक विधि

ELEMENTARY प्राथमिक

ELEPHANS ANTIQUUS सीधे दांत वाला विशाल हाथी

ELEPHAS ANTIQUUS NAMADICUS गजारण्यक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्रागैतिहासिक काल का जंगली हाथी। इस हाथी के अवशेष नर्मदा घाटी में पाये गये हैं।

ELEPHAS MERIDIONALIS प्रथम वास्तविक हाथी

ELEPHAS MERIDIONALIS TROQONTHERII दक्षिणी महाकुंजर

ELEVATION उत्तोलन उन्नति, पक्षदर्शन

ELEVATED PLAIN उच्चतल (सतह)

ELF BORE परी कोटर

ELLIPTICAL ORBITS अण्डाकार पथ

ELLIPTICITY अण्डाकृति

ELITE अभिजात वर्ग

EMBALMING शव संलेपन

EMBEDED सन्निहित

EMBRYO भ्रूण

EMERY PAPER रेगमाल

EMIGRATION उदव्रजन

EMIGRE उदव्रजक

EMMER ऐमर
खेती किये जाने वाले गेहूँ का आरम्भिक नाम

EMOTIONAL भावनात्मक

EMPATHY एकानुभूति

EMPEROR सम्राट

EMPIRE साम्राज्य

EMPLOYER नियोक्ता

ENAMELLED WARE मीने के भाण्ड

ENAMELLING मीनाकारी आकाचन

ENCHORIAL दैशिक (मिस्र के लेखों के बारे में)

ENCLOSURE बाड़ा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ENCLOSURE WALL	प्राकार, चार दीवारी
ENCULTUR-ATION	संस्कृतिकरण
ENCULTURA-TIVE	संस्कृतिकरणात्मक
END-FLAKE	अन्तफलक
END MORAINE	अन्तमोरेन
END PAPER	अस्तर कागज
END -SCRAPER	अन्त-स्क्रेपर
ENERGY POTENTIAL	ऊर्जा विभव
ENFILADE	लम्बाक्ष
ENGRAVE	खोदना, उकेरना,
ENGRAVED	उत्कीर्ण, खुदा हुआ
ENGRAVER	उत्कीर्णक
ENGRAVING	उत्कीर्णन, खुदाई
ENTAMBLA-TURE	पाषाणकला
ENTERPRIZE	उद्यम, साहसिक कार्य, उपक्रम
ENVIRONMENT	वातावरण, परिवेष, पर्यावरण किसी प्राणी के जीवन और विकास को प्रभावित करने वाली समस्त बाहरी अवस्थाओं या प्रभावों का योग ।
ENVIRONMEN-TAL	वातावरणीय
ENVIRONMEN-TAL ARCHA-EOLOGY	वातावरण संबद्ध पुरातत्व
EOANTHROPUS DAWSONI	उषा मानव
EOCENE	इओसीन, आद्यनूतन काल, आदिनूतनकाल पुरातत्त्वीय विभाजनों में से एक तृतीय युग का सबसे

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

	प्राचीन विभाजन। इसमें कवच बड़ी मात्रा में पाये जाते हैं।
EOLIAN	वायु-संचालित
EOLITH	आदि पाषाण, उषः प्रस्तर
EOLITHIC AGE	आदि-नूतन युग, उदयकालीन पाषाणयुग
EPIGRAPH	पुरालेख
EPIGRAPHIC FIGURE	पुरालेखीय चित्र
EPIGRAPHIC MONUMENT	पुरालेखीय स्मारक
EPIGRAPHIST	पुरालेख वेत्ता
EPIGRAPHY	पुरालेख विद्या
EPI-PALAEOLI-THIC	आदि-पुरापाषाण
EPITAPH	समाधि लेख
EPOCH	युग, युगारम्भ
EQUATOR	भूमध्य रेखा, भूकक्षा
EQUID	अश्वसम
EQUILATERAL TRIANGLE	समभुज त्रिकोण
EQUILIBRIUM	तुल्यभारता
EQUIPMENT	साज-सामान
EQUUS	घोड़ा
EQUUS CALLABUS	आधुनिक घोड़ा
EQUUS PRZEWALSKII	स्टेपी (जंगली) घोड़ा
EQUUS STENONIS	आदिम घोड़ा
ERA	कल्प, सम्वत् कई युगों को मिलाकर एक कल्प की कल्पना की गई है।
ERGOSTEROL	अर्गोस्टेरोल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मनुष्य शरीर की त्वचा के नीचे की वसा के घटकों में से एक।

ERMINE — नेवला, रोयेंदार, चौपाया

EROSION — आवरण-क्षय, अपरदन, भूरक्षण, कटाव, धूप

EROSIONAL TERRACE — कटान-निर्मित सोपान

ESKIMO ROCK-HUT — एस्किमो शिलाकुटी

ESTIMATE — अनुमान

ETA — एता
जापानी अछूतों का एक वर्ग

ETHICS — आचारशास्त्र

ETHNO-ARCHAEOLOGY — वांशिक पुरातत्त्व

ETHNO-HISTORIAN — मानव जाति इतिहासकार

ETHNOHISTORY — मानव जाति इतिहास

ETHNOLOGY — मानव जाति विज्ञान

ETHNOLOGIST — मानव-जाति विज्ञानविद्

EUROPEAN — यूरोपीय

EUTHERIA (PLACENTIL) — उन्नत स्तन्य (योनिज)

EVANS, SIR ARTHUR JOHN — इव्हान्स, सर आर्थर जॉन (१८५१-१९४१) प्रसिद्ध ब्रिटिश पुरातत्त्ववेत्ता सर जॉन इव्हॉन्स के पुत्र थे। नॉसस (क्रीट) की खुदाई से वे अधिक प्रसिद्ध हुए। १८८४ में वे ऑक्सफोर्ड के अंशमिलीन संग्रहालय में कापर के रूप में कार्यरत थे। १० वर्ष पश्चात् वे क्रीट गये और नॉसस में खुदाई की। प्रायः ४० वर्ष तक उन्होंने तन-मन-धन से क्रीट के समुद्री राज्य एवं मिनोअन् संस्कृति की महत्त्व-पूर्ण खोज की।

EVAPORATION — बाष्पीभवन

EVERTED — बहिर्नत

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

EVERTED RIM गाँठ

EVER-WIDENING CIRCLE बृहत्तर वृत्त

EVOLUTIONARY उद्विकास-संबंधी

EVOLUTION उद्विकास, क्रमविकास

EVOLUTION THEORY विकासवाद

EVOLT उद्विकसित

EVOLT-SOHAN उद्विकसित-सोहन

EXARCH एग्जार्क
बाईजेण्टाईन सेना का प्रधान सेनापति

EXCARNATION निर्मांसिन, मांस रहित करने की क्रिया

EXCAVATION उत्खनन, खुदाई
किसी भी स्थान पर वैज्ञानिक रीति से किये गये उत्खनन में उस स्थान के स्तर-विन्यास को क्रमश: उत्खनित करते हैं। इसमें अन्त में बने स्तर को पहले और पहले बने स्तर को अन्त में उत्खनित करते हैं। उत्खनन के दौरान प्राप्त हुई सामग्रियों का विधिवत् आकलन एवं लेखा-जोखा रखा जाता है, क्योंकि उत्खनन में सामग्रियों की यथास्थिति उत्खातों द्वारा समाप्त कर दी जाती है।

EXCAVATOR उत्खनक

EXCHANGE विनिमय

EXHUMATION शवोत्खनन

EXISTENCE अस्तित्व

EXPEDITION अभियान

EXPENDABLE अपचेय, खर्चने लायक

EXPERIMENTATION परीक्षण

EXPLICIT अभिव्यक्त

EXPLORATION अनुसंधान, अन्वेषण, सर्वेक्षण

EXPOSURE (OF CAMERA) प्रदर्शन, उद्भासन
प्रत्येक चित्र के खिचाव काल की मात्रा चित्रित की जाने

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

वाली वस्तु के रंग और उसपर पड़ती हुई रोशनी आदि पर निर्भर है।

EXTENDED BURIAL — प्रसारित शव निखात
EXTENDED RELATIONS — विस्तारित सम्बन्ध
EXTENT — विस्तार
EXTRA-CORPOREAL — अतिरिक्त कायिक
EXTRA-CORPOREAL REMAINS — अशारीरिक अवशेष
EXTRA REVET — अतिरिक्त पुश्ता
EXTRA-PENINSULAR INDIA — अतिरिक्त प्रायद्वीपीय भारत
EXTRUSIVE ROCK — बहिर्निर्मित चट्टान
EYE OF MINOS — माइनोस-नेत्र (कैमेरा-विशेष)
EYE SLIT — अक्षिद्वार
EYE TOOTH — अक्षिदन्त

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

F

FABRIC	बनावट
FACADE	सामने का हिस्सा, गृहमुख, मुहार
FACETED HOE	पैलुदार गढ़े 'हो'
FACETED	पैलुदार
FACE URN	मुख कलश
FACIAL FORM	मुखाकृति
FACT OR DATA	तथ्य
FACTOR	गुणांक
FACTUAL DATA	तथ्य, वस्तु-सामग्री
FAIENCE	सभी प्रकार का मिट्टी का और चीनी मिट्टी का सामान, बर्तन
FAIENCE SEAL	मृत्सना मुद्रा
FALSE CAVE	अयथार्थ गुहा
FAMILY	कुटुम्ब
FAMILY LINES	पारिवारिक वंश
FASCES	कुल्हाड़ी हत्था
FAULT OR FAULTED	भ्रम, विभंग, विभंगित
FAUNA	जन्तुधन, पशुवर्ग किसी विशेष क्षेत्र या प्रदेश के सभी जन्तु जो किसी काल विशेष में पाये जाते हैं या जो कभी वहाँ रहते हों।
FEATURE	प्रत्यंग
FELINE	बिल्ली परिवार के मांसभक्षी
FELIS LEO SPELAEA	गुफावासी शेर
FELIS PARDUS SPALAEA	गुफा तेन्दुआ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FEMUR	उर्वस्थि, जांघ हड्डी
FEN	कच्छ भूमि
FENDER WALL	रक्षा भित्ति
FERN	फर्न, एक प्रकार का पौधा, घास
FERRUGINOUS	लोहमय
FERTILE CRESCENT	उर्वर-अर्धचन्द्र
FERTILISE	निषिक्त करना
FERTILITY	उर्वरता
FERTILITY DRAMA	कृषि-नाटक
FEVICOL	फैव्हिकोल टूटे मृद्भाण्ड जोड़ने का लेप
FIDDLE IDOL	वेला-मूर्ति
FIELD ARCHAEOLOGY	क्षेत्रिय पुरातत्त्व
FIELD LABORATORY	क्षेत्रिय प्रयोगशाला
FIELD-WORK	क्षेत्रिय कार्य
FIGURE	आकृति
FIGURER	चित्रक
FIGURE STONE	पाषाण आकृति
FIGURETTE OR FIGURINE	छोटी मूर्ति, लघु मूर्ति
FILTER (OF CAMERA)	छन्न, निष्पन्दक, रंग अन्वेषक
FIND	खोज, उपलब्धि
FINE GRAINED	सूक्ष्म कण
FINGER-TIP-DRAWING	ऊंगली की पोर से उद्रेखण
FINGER-TIP-ORNAMENT	टिकुली अलंकरण
FINGER-TIP WARE	टिकुली छाप भाण्ड

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FILLET	पट्टी
FIRE	आग
FIRE-DRILL	छेदने का बरमा, अग्नि मंथक
FIRE-PROOF	अग्निसह
FIRST AGGRADATIO-NAL PHASE	प्रथम उच्चयन काल
FIRST FRUITS CEREMONY	प्रथम फल महोत्सव
FISH-HOOK	मत्स्य अंकुश
FISH-SCALE	मत्स्य-जोईयां
FISSION TRACK	विभाजन तेजोरेखा काल मापन की एक विधि जिससे एक अरब वर्ष तक की प्राचीन शिला, चट्टान की उत्पत्ति तिथि तथा उनके बने उपकरणों की तिथि ज्ञात की जाती है। ओल्डवाय गार्ज (पूर्व अाफ्रिका) में मिले प्राचीन अवशेषों का तिथि निर्धारण इसी विधि से किया गया।
FISSURES	दरार
FIXED	नियत
FLAKE	फ़लेक फलक, कतरण, शल्क, चिप्पड़
FLAKE CRODE	फ़लेक क्रोड, फलक क्रोड एक सावधानी से तैयार की गई चकमक की क्रोड जिसमें एक प्रहार मुख बना रहता है, और जो सामान्यतया नलिकाकृति होती है। उस क्रोड पर बड़ी कुशलता के साथ चोट करके फलक उतारे जाते हैं। सामान्यतया सीधे हथौड़े के साथ सम्पर्क न होने देने के लिये बीच में कोई लचकदार वस्तु रख दी जाती हैं।

FLAKING	पपड़ियाना, चिप्पड़ निकालना
FLAKING FISH	मत्स्य शल्कन
FLAMINGO	राजहंस
FLANGE	कौर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FLANGED CELT कोरदार सेल्ट

FLANKE OF MICA अभ्रक-पत्र

FLANK WALL पार्श्वभित्ति

FLARING RIM फैला किनार

FLARING SIDES फैले पार्श्व

FLASK फलास्क, सुराही

FLAT-BASE सपाट-आधार, तला

FLAT-BASED PEBBLE TOOL चपटे आधार वाला पेबुल उपकरण

FLAT CELT सपाट कुल्हाड़ी

FLAT CEMETERY साधारण शव निखात

FLATTER MOULDING सपाट गढ़त

FLEXED आकुंचित

FLINT चकमक पत्थर, अग्नि प्रस्तर, गारगोटी

FLINT TOOL OR IMPLEMENT गारगोटी उपकरण

एक कठोर पत्थर जो मिथ्या स्फटिकयुक्त सिलिका से बना होता है जिसका उपयोग आदिम मनुष्य औजारों के लिये किया करता था।

FLINT NODULAR ग्रंथिल चकमक

FLINT PIGMY छोटा चकमक

FLINT TABULAR सपाट चकमक

FLINT TOOTHED दन्तुर चकमक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FLINT DAGGER चकमक कटार

FLINT KNAPPING चकमक शल्कन

FLINT TOOL चकमक औज़ार

FLOOD PLAINS प्रवाह क्षेत्र, बाढ़ मैदान

FLOOR फर्श

FLORA वनस्पति धन
किसी क्षेत्र या प्रदेश में पाई जाने वाली जीवित या विलुप्त सभी वनस्पतियां

FLUCTUATION अस्थिरता

FLUORINE TEST फलोरिन परीक्षण
हड्डियों पर जमी हुई फलोरिन की रासायनिक परीक्षा के आधार पर तिथि का निर्धारण किया जाता है। किसी एक ही क्षेत्र में पाई गई दो हड्डियों के प्राचीनतर एवं परवर्ती काल की स्थिति इस परीक्षण से ज्ञात की जाती है। पिल्टडाऊन मानव की हड्डियों की परीक्षा इसी विधि से सर्वप्रथम की गई थी। इस विधि से केवल साधारण युग का कालमान निश्चित किया जा सकता है,

FLUTED खारेदार, चोटीदार, पहलूदार

FLUTED CORE नालीमत कोर, धारीदार क्रोड पाषाण

FLUTING TECHNIQUE फलुटिंग प्रविधि

FLUVIAL नदी-उच्चयित

FLUVIATILE DEPOSITE नदीकृत निक्षेप

FOCAL LENGTH नाभीय दूरी

FOCUS केन्द्र

FOLD मोड़, वलन, चूनट

FOLDING CAMERA मुड़ा हुआ कैमरा

FOLKLORE लोकवार्ता

FOLK-SONG लोक-गीत

FOLK-TALE लोक कथा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FOLSOME POINT फॉल्सम अनी
शिकार करने का एक आदिम नुकीला शस्त्र

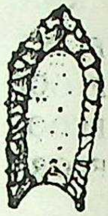

FONT फाँट

FONTECH-EVADE फोन्तेशेवाद
एक फ्रान्सीसी गुफा में पाये गये तृतीय हिमाच्छादन काल के सैपियन्स मनुष्यों के दो नमूनों के अवशेष, जो स्तर की दृष्टि से उन निपड स्थल मनुष्यों के सांस्कृतिक अवशेषों से नीचे और पृथक् हैं, जिनसे कि वे स्पष्टतया पहले के थे ।

FONTECHEVADE MAN फोन्तेशेवाद मानव

FONT ROBERT POINT फॉन्ट रॉबर्ट अस्त्राग्र
शिकार करने का आदिम नुकीला शस्त्र

FOOD COLLECTION फल-मूल-एकत्रण

FOOD GATHERING खाद्य एकत्रण

FOOD-PRODUCING BARBARISM खाद्योत्पादक ग्राम्यता

FOOD PRODUCTION खाद्योत्पादन

FOOD-PRODUCING ECONOMY खाद्योत्पादक अर्थ व्यवस्था

FOOT INDIANS पदाती मूलवासी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FOOT ROBERT BRUCE — फुट रॉबर्ट ब्रूस (१८३४-१९१२)
भूविज्ञान तथा प्रागितिहास का विज्ञ जिसे 'भारतीय प्रागितिहास का जनक' कहा जाता है । उम्र के २४वें वर्ष में उन्होंने भारतीय विज्ञान सर्वेक्षण में नौकरी कर ली। १८६३ में उन्हें भारत में प्रथम बार हस्तपरशु मिला। उन्होंने भारत में संग्रहीत किये प्रागैतिहासिक उपकरणों को मद्रास म्युज़ियम में रखा था। गुजरात एवं दक्षिण भारत से उन्होंने सैकड़ों हथियार इकट्ठे किये हैं । 'कॅटलॉग रेसोने' (१९१४) एवं 'इण्डियन प्रीहिस्टॉरिक एण्ड प्रोटोहिस्टॉरिक ग्रार्टिक फैक्टस्' (१९१६) यह उनके ख्यातनाम ग्रन्थ हैं ।

FORANUM MAGNUM — फोरानम मॅगन्म, महारन्ध्र
कपाल के ग्राधार में बना हुग्रा छिद्र, जिसमें से होकर मस्तिष्क वृन्त गुज़रता है ।

FORCE — बल

FORECASTLE — गलही

FORM — स्वरूप

FORMAL — ग्रौपचारिक

FORM LINE — ग्राकृति की रेखा

FOREMAN — प्रहरी, मुखिया

FORMULA — गुर, सूत्र, संकेत, रीति, विधि, नियम, नुस्का

FORESHAFT — ग्रग्रदण्ड, शरदण्डाग्र

FOREMERET (WALL RIB) — भित्ति शिरा

FORTIFICATION — किलाबन्दी

FORTIFICATION WALL — रक्षात्मक दिवाल

FOSSIL — फॉसिल, प्रस्तरित ग्रवशेष, जीवाश्म, निखातक
पृथ्वी के विभिन्न स्तर, चट्टानों ग्रादि में पाये जाने वाले जीवों के ग्रवशेष । बहुधा ये ग्रवशेष हड्डियों या कड़े

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कंकाल में धीरे-धीरे मिट्टी बालू आदि के कणों के मिल जाने से बनते हैं। कभी-कभी वे केवल साँचों के रूप में होते हैं। विरले उदाहरणों में वे पंजों आदि के चिह्न के रूप में भी हो सकते हैं। उनकी सहायता से पृथ्वी पर जीवों के इतिहास का बोध होता है।

FOSSIL MAN — प्रस्तरित मानव

FOSSILIFEROUS — फॉसिलमय, निखातयुक्त
वे चट्टाने या स्तर जिनमें फॉसिल पाये जाते हैं।

FOSSILISED — जीवाश्मित, पथराये

FOUNDATION TRENCH — नींव की खाई

FOUNDRY — ढलाई घर

FOUR-SIDED MONOLITH — चौपहलू एकाश्म

FOXING — कागज़ों का पीला पड़ना

FOYER — पार्श्व-कक्ष

FRAGILE (OBJECT) — भंगुर (वस्तु)

FREE-FLAKING — निर्बन्ध, फलैकीकरण

FREEZING — तुषारीकरण

FREEZING POINT — हिमांक

FRERE JOHN — फ्रियर जॉन (१७४०-१८०७)
नष्टप्राय हुये जानवरों के अवशेषों के साथ पाय जाने वाले पत्थर के उपकरण भी उतने ही प्राचीन होते हैं, इस मत के वे प्रतिपादक थे। किन्तु इसका विद्वानों ने कड़ा विरोध किया।

FRESCO — लेपचित्र, भित्तिचित्र

FRICTION — घर्षण

FRIZZLED — घुंघराले

FRONTAL — सम्मुख

FRONTIER — सीमान्त

FROST — हिमीकरण

FUGITIVE INK — उड़ने वाली स्याही

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FULLER'S EARTH	रेह, संकोचक मृत्तिका
FULLING	खारना
FUNDAMENTAL	मूलभूत, आधारभूत
FUNCTION	प्रकार्य
FUNERAL	अन्त्येष्टि
FUNERAL JAR	अन्त्येष्टि कलश
FUNERAL PILE	अन्त्येष्टि चिता
FUNERARY ACCESSORIES	अन्त्येष्टि सामग्री
FUNERARY CULT	शवोपासना
FUNERARY MONUMENTS	अन्त्येष्टि स्मारक
FUNERARY VASE	अन्त्येष्टि कलश

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

G

GABLE वलभी

GAINT BEAVER बृहद् ऊदबिलाव

GALLERY GRAVE वीथिकब्र

GAMESMAN मुहरा

GANDHAR गान्धार

हिन्दुस्थान के उत्तर-पश्चिम सीमा प्रान्त पर सिन्धु नदी के पूर्व में बसा हुआ विस्तीर्ण प्राचीन प्रदेश जो वर्तमान काबुल की घाटी से रावलपिण्डी तक फैला हुआ था। (पहली शताब्दी ई० पू० से नौवीं शताब्दी ईसवी तक) पहले यूनानी सभ्यता से प्रभावित पश्चिम एशियावासियों ने इसे रौन्दा, फिर यह मध्य एशिया के कुषाण राजाओं के अधीन एक छत्रप प्राप्त रहा।

GANDHAR ART गान्धार आर्ट, यूनानी बौद्ध कला

गान्धार कला के लिये प्रयुक्त शब्द जिसमें यूनानी या यूनानी-रोमन तत्त्वों ने बौद्ध कला को प्रभावित किया (पहली शताब्दी ई० पू० से छठी शताब्दी ईसवी तक)

GARDEN CULTURE उद्यान-संस्कृति

GARNET रत्नमणि, तामड़ा (एक कीमती पत्थर)

GARSTANG, JOHN गास्टंग, जॉन (१८७६-१९५६)

मध्यपूर्व में प्रागितिहास के विद्वान् जिनका अधिक समय इजिप्त में बीता। १९३०-३६ में जेरिको में तथा १९३६-३९ में मेर्सिन में उन्होंने खुदाई की। ब्रिटिश स्कूल ऑफ आर्किओलॉजी के वे प्रथम निर्देशक थे। १९५३ में उन्होंने 'प्रीहिस्टारिक मर्सिन' नामक पुस्तक प्रकाशित की।

GATEWAY तोरण, प्रवेशद्वार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

GATHERING-HUNTING-STAGE	संकलन-ग्राखेट-स्तर
GAZELLE	कुरंग
GENE	जीन एक प्रोटिन का कण, जो क्रोमोसोम का एक ग्रंश होता है जिसके द्वारा यह माना जाता है कि पैतृक स्वभाव सन्तान में ग्राता है।
GENEALOGY	वंशावलि
GENERA	पशु-परिवार
GENERAL GEOGRAPHY	सामान्य भूगोल
GENERAL VIEW	सामान्य दृश्य
GENETIC	ग्रानुवांशिक
VENETIC BASIS	जनन ग्राधार
GENETICIST	ग्रानुवांशिकीविद
GENETICS	ग्रानुवांशिकीविज्ञान
GENUS	प्रजाति
GEOCHRONOLOGY	भू-कालक्रम
GEOLOGICAL	भौतात्त्विक
GEOLOGICAL ERA (S)	भौतात्त्विक कल्प
GEOLOGICAL TIME	भूगर्भीय समय
GEOLOGY	भूगर्भ-शास्त्र, भूतत्त्व
GEOMETRIC MICROLITHS	भौमितिक लघुक्षुद्राश्म
GHOST HOLE	प्रेत छिद्र
GHOST WALL	भूत दीवार किसी टीले में से प्राचीन निर्माणों की नीव तक ईंटें निकाल लेने पर अगल-बगल की मिट्टी दीवार की ईंटों के स्थान में भर जाती है। इस नयी बनी दीवार को भूत दीवार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

कहते हैं। इसका सुन्दर उदाहरण रोमनो-ब्रिटिश साईट का वेरलेमियम नामक स्थान पर मिला था।

GIANT'S TOMB दानव तुम्ब

GIBBON गिवन
दक्षिण पूर्वी एशिया के कुछ भागों और इण्डोनेशिया में रहने वाले छोटे कपियों की एक प्रजाति (जीनस)

GIGANTOPITHECUS BLACKIE OR GIGANTANTHROPUS दानवाकार-वानर-मानव, दानवाकार-मानव
केवल हॉगकॉंग में चीनी पंसारी की दुकान में मिली कड़ी दाढ़ें ही जिस रूप को दर्शाती है। इनमें से पहला दांत १९३५ में एक डच औपनिवेशिक अधिकारी, कोनिक्सवाल्ड द्वारा हस्तगत किया गया। बाद में दो अन्य दांत इसी नगर की एक अन्य पंसारी की दुकान से प्राप्त किये गये। चूंकि शुरू में ये दांत एक दानवाकार मानव सम जीव के समझे गये अतः, इस रूप को पूर्वोक्त नाम दिया गया। बाद में सूक्ष्म परीक्षा से यह पता चला कि ये वानर-मानव वर्ग के न होकर मानवसम वर्ग के थे। वीडन राइख ने दूसरे नाम की पैरवी की और उसे अधिक उपयुक्त बताया।

GIRASOL गिरासोल (कीमती पत्थर)

GIRDLE STRING मेखला सूत्र, करधनी

GIYAN प्राचीन इराक में हमादान के दक्षिण में बसा प्राचीन स्थान। १९३१-३२ में यहां कान्टेन्यू तथा घर्षम ने खुदाई की थी। यहाँ की संस्कृति उत्तरकालीन हलाफ संस्कृति से मिलती जुलती है। ई० पू० २००० में यहां के लोग इण्डो-युरोपाय वंशों के थे जो इरानी भाषा बोलते थे ऐसा कुछ विद्वानों का मत है। ई० पू० आठवी शती में गियाना को असिरियन साम्राज्य में शामिल किया गया।

GLABALLA नाक के जोड़

GLACIAL हिमावर्तन

GLACIAL AGE ग्लेशियल युग, हिम युग
वह युग जिसमें अत्यन्त ठंडक थी और पृथ्वी का बहुत बड़ा क्षेत्र बर्फ से ढ़का था।

GLACIALISM हिमावर्तन-वाद

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

GLACIATED	हिमायित
GLACIAL VERVES	हिमानी अनुवार्षिकी तैथिकी
GLACIATION	हिमायन, हिमावर्तन औसत तापक्रम में कमी के साथ ही आर्द्रता की मात्रा के बढ़ने से शीत या समशीतोष्ण प्रदेशों में बर्फ की चादरें बिछ जाती हैं। इसी परिस्थिति को हिमावर्तन कहा गया है। उष्ण कटिबन्धों में इस समय वृष्टचावर्तन होता है। प्राचीनतम काल में चार हिमावर्तन हुये हैं जिन्हें आल्पस पर्वत के उत्तर में डेन्युब नदी की घाटी की ओर बहने वाली चार छोटी-छोटी नदियों के नाम पर क्रमशः गुंज, मिण्डेल, रिस एवं वुर्म नाम दिया गया है। इन नदियों के तटों पर हिमावर्तनों के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं। उपर्युक्त हिमवर्तनों के बीच- बीच में हिमप्रत्यावर्तन हुये थे जिन्हें गुंज-मिण्डेल, मिण्डेल-रिस एवं रिस-वुर्म कहा जाता है।
GLACIER	हिमनदी
GLACIO-ARCHEOLOGY	हिमयुग पुरातत्त्व
GLACIS	प्रवण, पुश्ता
GLAND	ग्रन्थि
GLAZING	काचन विद्या
GLOGER	ग्लौगर (का नियम) आर्द्र वनों में रहने वाले पशुओं की खालों और बालों का रूझान काले या लाल रंग की ओर होता है। बंजर प्रदेशों में रहने वाले पशुओं का पाण्डु या घूसर रंग की ओर।
GLYPHIC	मिस्र-लिपिय चित्र-लिपि सम्बन्धी, उत्कीर्ण, खुदा हुआ
GLYPHOGRAPH	उत्कीर्ण फलक, समुत्कीर्ण-पाटी
GLYPTODON	पूर्व वर्मि एक प्रकार का विलुप्त दीर्घकाय पशु
GNEISS	अबरक की एक प्रकार की चट्टान, पट्टिताश्म, अनुस्तरिय
GOBLET	कटोरा, प्याला, पानपात्र, जाम

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

GLOBULAR BEAKER	गोल चंचुक
GOUGE	रूखानी
GOUGE GRAVER	गोल-रूखानी ग्रेवर
GRADE	पदक्रम
GRADUATE (SCALE)	अंशांकित (पैमाना)
GRAIN	तन्तुक्रम, धान्य, अन्न, बीज, दाना
GRAIN BIN	कुठला
GRANARY	अन्नागार
GRANITE	ग्रेनाईट, कणाश्म चट्टानें जिनका निर्माण मुख्यतया फैलसपार तथा अभ्रक के कणों के स्फटिक के माध्यम से जम जाने से हुआ है। यह बहुत कड़ी चट्टान होती है।
GRAPH	आलेख, आरेखण
GRAPHIC ART	अंकन कला
GRAVE	कब्र, शवाधि
GRAVE FURNITURE	शवाधि उपस्कर
GRAVE GOODS	कब्रसामान
GRAVEL	ग्रेवेल, जल-घर्षित पत्थर, बजरी, रेत
GRAVE PIT	समाधि गर्त
GRAVER	रूखानी, नक्काशी का औजार, टांकी द्रष्टव्य — BURIN
GRAVER-FACET	ग्रेवर-मुख
GRAVERS	टांकियां
GRAVETTE	ग्रेवत
GRAVETTIAN	ग्रेवेतीय
GREASE STONE	चर्बी शिला
GREAT BOG OF MULLERUP	मुल्लेरप के विशाल दलदल
GREAT ICE AGE	महान् हिम युग
GREAT INTERGLACIAL	महाहिमप्रत्यावर्तन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

GREATER INDIA बृहत्तर भारत

GREEK ग्रीक, यवन (यूनानी)

युरोप का एक अत्यन्त प्राचीन राज्य जहां से एक सर्वतो-मुखी उन्नतिशील सभ्यता का विकास हुआ जिसका इतिहास ईसा से करीब तीन हज़ार वर्ष पहले से प्रारम्भ होता है। संसार की प्राचीन सभ्यताओं के इतिहास में ग्रीक (ग्रीस) या यूनान की सभ्यता अपना एक विशिष्ट स्थान रखती है। इस सभ्यता ने अपने सर्वांगीण विकास में सारे युरोप और एशिया के एक बहुत बड़े भू-भाग को प्रभावित किया था।

GREY धूसर

GREY URUK WARE धूसर उरुक भाण्ड

GREY WARE भूरे मृद्भाण्ड

GREY WARE SETTLEMENT धूसर वस्ती

GRID चालक

GRID WARE चालक भाण्ड

GRID METHOD OF EXCAVATION ग्रिड प्रणाली

GRID PLAN चालक आयोजन

GRID SQUARE चालक वर्ग

GRIMALDI MAN ग्रिमाल्डी मानव

यह नाम उस मानवी अवशेषों को दिया है जिसकी अस्थियां मन्टन गुफा (फ्रान्स-इटालियन बार्डर) के निकट मिली हैं।

GRIND घिसना

GRINDING ACTION घर्षण क्रिया

GRINDING STONE चक्की

GRITTY CORE कंकरीली कोर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

GROTEFEND GEORG FRIEDRICH	ग्रोटफेन्ड, जॉर्ज फ्रेडरिश (१७७५-१८५३) जर्मन शिक्षक जिन्होंने मेसोपोटेमिया में ई० पू० तीन हजार वर्ष पूर्व प्रचलित क्यूनिफॉर्म लिपि को १८०२ में प्रथम बार पढ़ा । अपना शोधकार्य उन्होंने गोटान्गेन अकादमी को दिया । १८१५ तक उन्होंने ३७ क्यूनिफॉर्म चिन्हों को पढ़ा जिनमें से अधिकांश आज गलत साबित हुए ।
GROOVE	खांचा
GROOVED	खांचेदार
GROOVED HAMMERSTONE	नालीदार हथौड़ा
GROUND LEVEL	धरातल से समतल
GROUND MORAINE	भूमि मोरेन
GROUND STONE IMPLEMENT	घृष्ट पाषाण उपकरण
GROUP	समूह
GUANACO	वासन्तक, दक्षिण अमेरिका का पागुर करने वाला जंगली पशु विशेष
GUILD	व्यापारी संघ
GUNZ	गुंज
GYPSUM	जिप्सम, गच पत्थर, खड़िया पत्थर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

H

HABITAT — आवास, प्राकृतिक वास
मानव जीवन की प्राकृतिक परिस्थितियों को एक जन-समूह द्वारा आबाद प्रदेश के भौतिक लक्षणों, उसके अधि-वासियों को उस क्षेत्र में उपलब्ध होने वाले या भविष्य में उपलब्ध प्राकृतिक साधनों, उसकी जलवायु और ऊंचाई और अन्य भौगोलिक परिस्थितियों को जिनके अनुकूल उन्होंने अपने को ढाला हो, यह नाम दिया गया।

HABITATION SITE — आवास, निवास की जगह
वह प्राचीन स्थान जहां मनुष्य निवास करता था। इसमें गुफायें, शैल छाजन, आदि का भी समावेश होता है।

HACHURES — छायाकरण
हाजिलार (तुर्कस्तान में)
यहाँ के प्राचीन टीलों का उत्खनन मेलार्ट ने किया था। यहाँ नवाश्म काल से बस्तियां बसी थीं।

HAEMATITE — गैरिक, शोणितज (धातु)

HAFT — किसी उपकरण की मुठियां

HAFTING — मूठ आरोपण

HALAF-PHASE — हलाफ प्रावस्था (हलाफ सीरिया)

HALATION — (छाया चित्रण में) धूमिका, धुंधलापन, धब्बा

HALBERD — फरशी-भाला, गंडासा, कुल्हाड़ा

HALF BRAINED — अर्धमस्तिष्कवाले मनुष्य, उत्तान मानुष
लुप्त हो चुके मनुष्य जैसे वानर (प्राईमेट) जिनके बारे में संस्कृति सिद्ध की जा सकती है या मानी जा सकती है। शरीर-रचना की दृष्टि से उनमें आधुनिक मनुष्य से मुख्यतया यह अन्तर था कि उनके मस्तिष्क का आकार

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

	सैपिथन्स मानुष के मस्तिष्क के विकास का एक स्तर नीचे था।
HALL	प्रशाल, बड़ा कमरा, दालान
HALLOW	पोला
HAMLET	पल्ली
HAMMER	हथौड़ा
HAMMER AXE	हथौड़ा कुठार
HAMMER PURGATORY	परगेटरी हथौड़ा चकमक पत्थर का प्रागैतिहासिक हथौड़ा।
HAMMERSTONE	प्रस्तर हथौड़ा, घन
HAMMERSTONE TECHNIQUE	प्रत्यक्ष हथौड़ा प्रविधि
HAND ADZE	हाथ कुल्हाड़ी
HAND AXE	कुठार, हाथ कुल्हाड़ी, हस्तपरशु, हस्तकुठार, बादाम अथवा भाले के आकार का आयुध जो ऊपरी एवं निचले दोनों सतहों से चिप्पड़ निकाल कर तैयार किये हैं। इनकी प्राप्ति मुख्यतया पूर्व पुराश्मकाल से संबन्धित है। सुघड़ एवं मांजित प्रस्तर परशु नवाश्म काल से सम्बन्धित है। हस्त परशु नाम प्रचलन में आ गया है। हालांकि यह आवश्यक नहीं कि इनका उपयोग केवल हाथ से ही किया जाता रहा हो। और न तो इसकी प्रयोग में आने वाली नुकीली धार ही परशु के ढंग की होती है।
HANDAXE CLEAVER	विदारक परशु
HAND BRICK	हाथ की बनी ईंट
HANDLED BOWL	हत्थेदार प्याला
HANDI	हांडी
HANDLE	बेन्ट, मूठ, दस्ता
HARAPPA	हड़प्पा सिन्धु सभ्यता का कांस्ययुगीन नगर (जिला मान्टगोमेरी पाकिस्तान में)
HARAPPA CULTURE	हड़प्पा संस्कृति

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हड़प्पा में पहली बार इस संस्कृति विशेष की प्राप्ति के कारण इसे यह नाम दिया गया है। यही संस्कृति सैन्धव सभ्यता के नाम से भी जानी जाती है। इस संस्कृति में काले रंग से चित्रित लाल रंग के मज़बूत बने मृत्पात्र, मृण्मूर्तियां एवं पकी मिट्टी की टिकियां, कांस्य के भाण्डे एवं आयुध, चर्ट पत्थर के बने बटखरे एवं पक्व लिपियुक्त मुद्रायें, स्टेटाईट की बनी मण्डलाकार मनकाएं, एक निश्चित नगर विन्यास के साथ कच्ची एवं पकी ईंटों के निर्माण एवं प्रस्तारित शव निखात पाये गये हैं। यह संस्कृति बलोचिस्तान के उत्तर प्रदेश एवं पंजाब से गुजरात तक के विस्तृत क्षेत्र में पायी गयी है। इसका काल २५००-१५०० ई० पू० माना गया हैं।

HARPOON

मत्स्य बर्छी

हड्डी अथवा धातु से बनी नोक वाली कांटेदार बर्छी। रस्सी से बंधी बर्छी पानी में फेंक कर जल-जन्तुओं को पकड़ने के लिये प्रयुक्त होती रही।

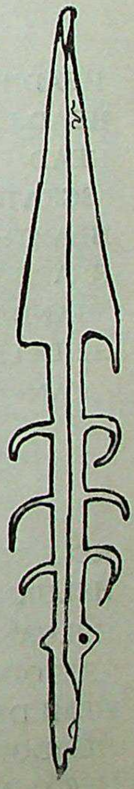

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HASTINAPUR हस्तिनापुर के प्राचीन खण्डहर उत्तरप्रदेश के अंतर्गत मेरठ जिले की मवाना तहसील में गंगा के सूखे पाट (बुड गंगा) पर स्थित हैं। कुछ विद्वानों के अनुसार ये टीले महाभारत कालीन हस्तिनापुर के अवशेष हैं। हस्तिनापुर के टीले के उत्खनन में (१९५०-५२) श्री बी०बी० लाल ने पांच काल की आबादियों के अवशेष पाये थे। प्रथम काल की सभ्यता की परतों में केवल गेरवे मृत्पात्र, द्वितीय में चित्रित सलेटी कुम्भकला के खण्ड, काँच के कंगण, मिट्टी के खिलौने, ताम्बे के तीरों के फल, नेहरने, हड्डी की सलाखें आदि मिले हैं। साथ ही कच्ची ईंटों वाली दिवालों तथा भग्नावशेषों में कांच से लिपे कच्चे कोठे उपलब्ध हुए। तृतीय काल में उत्तर कृष्णमार्जित मृद्भाण्ड, पक्की ईंटों की नालियां, सोक कुएँ या गड्ढे, घड़े, रिंगवेल्स मिले हैं। चतुर्थ काल में द्वितीय शताब्दी ई० पू० के मथुरा शासक के चौकोर व गोलाकार सिक्के मिले हैं।

HEADHUNTER नरमुण्ड-आखेट

HEAD LAND शिलाखण्ड

HEAD-SCRATCHER सिर-घिसनी

HEARTH चुल्हा

HEART-SHAPED HANDAXE हृदयाकार हस्तपरशु

HEIDELBERG MAN हाईडलबर्ग मानव

एक फासिल मानव, जिसे एक अकेले निचले जबड़े के आधार पर पहचाना गया है, जो जर्मनी के प्रथम अन्तर हिमाच्छादन काल की बजरी में मिला है।

HELE STONE बलि पत्थर

HELUAN हेलुअन

HELUAN RETOUCH हेलुअन पुनर्घटन

HEMI DRACHM अर्द्ध द्रम

HEPIDOPTERIST कीट-वर्ग अध्ययनकर्त्ता

HERALD उद्घोषक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HETERODOX नास्तिक

HETEROGENEITY भिन्नांगता

HETEROGENEOUS भिन्नांग

HIATUS दरार, छेद, विच्छेद

HIERATIC WRITING पौरोहित लेखन

मिस्र के लेखन का एक प्राचीन रूप, जो पैपाइरस पर एक ब्रशद्वारा लिखने के लिये प्रयोग में आता था।

HIEROGLYPH चित्रलिपि

जो ई० पू० ३००० में इजिप्त में प्रचलित थी।

HIEROGLYPHIC गूढ़ाक्षरी

HIEROGLYPHIC IDEOGRAPHIC CHARACTERS हीरोग्लिफी संकल्पात्मक अक्षर या लिपि या प्रतीक।

HIGH-RELIEF उभरा उद्भूत

HILL-SHADING रंगीन तहे

HINGE कबजा, द्वारसन्धि

HIPPOPOTAMUS दरियाई घोड़ा

HISTORIAN इतिहासज्ञ, इतिहासकार

HISTORY इतिहास

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HISTORICITY ऐतिहासिकता

HISTORIC ACCIDENT ऐतिहासिक संयोग

HISTORIC NATURE प्रकृति का इतिहास

HISTORIO-GRAPHY पुरावृत्तरचना, इतिहास-लेख.

HITTITE हिताइत
अनातौलिया के लोग, सम्भवत: यही लोग लोहे के सर्व प्रथम कारीगर थे ।

HOARD जखीरा, ढेर, निधि

HOARD FOUNDER धातु संग्रह

HOE कुदाल

HOE CYLINDRICAL बेलनी कुदाल

HOE-CULTI-VATION कुदाल कृषि

HOLOCENE सर्वनूतन, आधुनिक (भौतात्त्विक)
चतुर्थक नामक भौतात्त्विक युग का उत्तरकाल प्रातिनूतन के बाद है । वर्तमान काल भी इसी सर्वनूतनकाल में आता है । इस युग का प्रारम्भ लगभग १० हजार वर्ष पूर्व हुआ होगा ।

HOME-ART गृह-कला

HOMINID मानव सम

HOMO मानव

HOMO ERECTUS होमोइरेक्टस
(उत्तान मानुष) मनुष्य की एक लुप्त हो चुकी स्पीशिज जिससे सैपियन्स मनुष्य का विकास हुआ ।

HOMOGENEOUS समांग

HOMOGENEITY समांगता, एकतत्त्वीयता

HOMO RHODESIENSIS रोड़ोशियाई मानव
फासिल मानव की एक उप स्पीशिज, जो रोडेशिया और

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

दक्षिणी आफ्रिका में पायी गयी है। जिसकी विशेषता नीची मेहराब और बहुत ही बड़े-बड़े भौंहों के उद्रेक है।

HOMO SAPIENS OR TRUE MAN — पूर्ण मानव, मेधावी मानव, सैपियन्स मानुष
यह वह स्पीशिज है जिसमें सब जीवित मनुष्य आते हैं।

HOMO SYMBOL — मनुष्य की आकृति

HOOD STONE — फणाकृति-पाषाण

HORIZONTAL — अनुप्रस्थ, क्षैतिज

HORIZONTAL EXCAVATION — क्षैतिज उत्खनन, समतल उत्खनन
किसी स्थान की एक युग विशेष की सभ्यता का ज्ञान

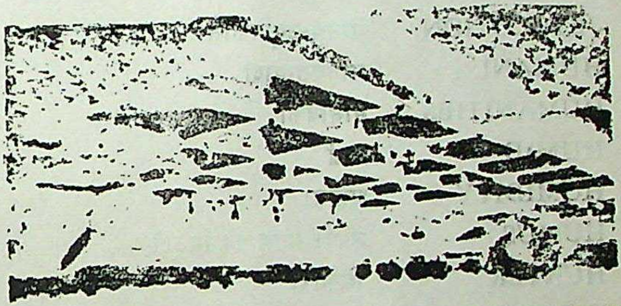

क्षैतिज उत्खनन से किया जाता है। ऐसी स्थिति में तद्युगीन सभ्यता के अवशेष प्रत्यक्ष होते हैं। यद्यपि यह उत्खनन लम्बवत् उत्खनन से भिन्न प्रकृति का है किन्तु उसकी सहायता इसमें अपेक्षित होती है।

HORIZONTAL EQUIVALENT — समतल रूप

HORN — शृंग

HOST — अतिथि

HOUSE OF UNBURNT AND BAKED BRICKS — कच्ची एवं पकाई गई ईंटों का मकान

HOUSE OF WATTLE AND DAUB — टाटी एवं मिट्टी के लेप से बना घर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HOWLER MONKEY — क्रोशक वन्दर
HUB — हब, नाभि
HULL — खोंखा, ग्रावरण, छिलका उतारना
HULLUR — हल्लूर
कर्नाटक के धारवाड जिले में तुंगभद्रा नदी के किनारे है। यहां पहली बस्ती नवाश्म एवं ताम्र पाषाण युग की द्योतक है। दूसरी महाश्मयुगीन।
HUMAN CULTURE — मानव संस्कृति
HUMAN EVOLUTION — मानव-उद्‌विकास
HUMANIST — मानवतावादी
HUMANITIES — मानविकी
HUMID — ग्रार्द्र
HUMIDITY — ग्रार्द्रता
HUMUS — उपरी सतह की मिट्‌टी
HUNTER — शिकारी
HUNTER MAMMOTH — मैमथ शिकारी
HUNTER PRIMITIVE — पुरातन शिकारी
HUNTING CRAFT — शिकार शिल्प
HUNTING GROUP — शिकारी समूह
HUT CIRCLE — कुटी घेरा
HUT SYMBOL — कुटी प्रतीक
HUT URN — कुटीराकार ग्रस्थिकलश
HYAENA — लकड़बग्घा
HYAENA CROCUTA — चितकबरा लकड़बग्घा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HYAENA CROCUTA SPELAEA	गुफा-लकड़बग्घा
HYAENARCTOS	जुगली भालू
HYMARIC WRITING	अमरी लिपि आर्मीनियन, सुमेरियन लिपि जिसे ब्राह्मी या अशोक लिपि भी कहा जाता है।
HYMEN	हाईमन, ग्रीक का विवाह देवता
HYPAETHARAL	खुली छत
HYPOCAUST	अधोभूमि अग्निवेश्म
HYPOSTYLE (HALL)	बहुस्तम्भी (मण्डप)

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

I

IBEX PRISCUS — जंगली बकरा

ICE AGE — हिमयुग, तुषार युग

प्राची नूतन 'भौतात्त्विक' काल में जलवायु में काफी परिवर्तन हुए। तुषारयुग इसी काल में आता है। जिस युग में चार हिमावर्तन हुए। जिनके अस्तित्व के प्रमाण गुंज, मिण्डेल, रिस एवं वूर्म नामक चार नदियों के तटों से ज्ञात हुए हैं। दो हिमावर्तनों के बीच एक हिमप्रत्यावर्तन हुआ था। इस प्रकार चार हिमावर्तनों एवं तीन हिमप्रत्यावर्तनों की अवस्थाओं से पाषाणयुग के उद्योगों की तिथि अनुमानित करने के लिये एक विश्वसनीय कालक्रम प्राप्त होता है।

ICHTHYOLOGY — मत्स्य विज्ञान

ICHTHYORNIS — मत्स्य पक्षी

ICHTHYOSAUR — मीनगोधा या मत्स्यसरट

मध्यजन्तुक युग की समुद्री मछली जो २० से ३० फीट लम्बी होती थी तथा जिसके लम्बे मुंह में शंक्वाकार दांत होते थे।

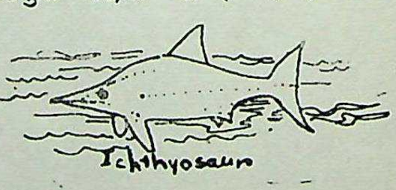

ICONOCLAST — मूर्तिभञ्जक

ICON OR IMAGE — प्रतिमा, मूर्ति

IGNEOUS ROCK — आग्नेय चट्टान

IGUANA — गोधा, गोह, पेड़ों पर रहने वाली बड़ी छिपकली

ILLUSTRATION — निर्देश-चित्र

IMAGE OR ICON — प्रतिमा

IMMERSION — जलसमाधि

IMMIGRATION — अप्रवासन, आव्रजन

IMPACT — प्रतिघात, संघात

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

IMPERISHABLE अनश्वर
IMPLEMENTS औजार, हथियार, शस्त्र
IMPRESSION छाप
IMPULSE आवेग
INAMGAON इनामगांव
पूना (महाराष्ट्र) के पूर्व ८० मील दूर घोड नदी के किनारे बसा है। यहां मालवा संस्कृति (ई० पू० १६०० से १३००), पूर्व जोर्वे संस्कृति एवं उत्तर जोर्वे संस्कृति के अवशेष मिले हैं।
INCISE उत्कर्तन
INCISED-LINE ENGRAVING खुदी-रेखाओं वाला उत्किरण
INCISED TABLET कोरीव मुद्रा
INCISING TOOL नक्काशियन्त्र
INCISOR TEETH छेदन दन्त
INCURVED RIM अन्तर्वलित ओंठ (बर्तन का)
INDEOGRAM भावचित्र
INDEX-CARD सूचक प्रति
INDIAN भारतीय
INDIAN NEOLITHIC PATTERN भारतीय नवपाषाण प्रतिमान
INDIGENOUS तद्देशीय
INDIRECT PERCUSSION TECHNIQUE अप्रत्यक्ष संघात प्रविधि
INDO-ARYAN भारतीय आर्यन
INDO-GANGETIC PLAIN सिन्धु-गंगा का मैदान
INDOOR PHOTOGRAPHY गृह छायाचित्रण
INDUS CIVILIZATION सैन्धव सभ्यता

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

गंगा-सिन्धु मैदान में प्राप्त हड़प्पा संस्कृति को यह नाम दिया गया है जिसके मुख्य तथा अधिकांश स्थान सिन्धु नदी के आस-पास पाये गये हैं ।

INDUSTRY — उद्योग
एक ही संस्कृति के सन्दर्भ में प्राप्त एक ही प्रकार के 'आयुध' या अन्य मानव निर्मित उपकरणों के समूह को उद्योग कहा जाता है ।

INERTIAL — अवस्थित्व

INFERIOR — अनुत्तम

INFINITY — अनन्त

INFRA RED — अवरक्त

INGOT — धातु की ईंट

INHABITANT — निवासी

INHUMATION BURIAL — शव संस्कार विधि जिसमें मृतक शरीर अपने शवपात्रों सहित गड्ढे में दफनाया जाता है ।

INLAND — अन्तर्देशीय

INLAY — उत्खनन, पच्ची जड़ाई

INROLLED MOULDING — धंसी हुई गढ़त

INSCRIBE — उत्कीर्ण-लेखन

INSIGNIA — लक्ष्म

INSIGNIA OF ROYALTY — राजचिह्न, राजलक्ष्म

IN-SITU OR ORIGINAL STATE — यथास्थिति, जहां के वहां

INSTITUTE OF ARCHAEOLOGY — पुरातत्त्व संस्था

INSTRUCTION — अनुदेश

INSTRUMENT — उपकरण, औजार

INTAKE AREA — अन्तर्गत क्षेत्र

INTEGRATION OF CULTURE — संस्कृति का एकीकरण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

INTEGRITY OF RECORDS	अभिलेखों (रेकार्डों) की अविकलता
INTENSITY	गहनता
INTERGLACIAL	हिमप्रत्यावर्तन, अन्तर्हिमयुग, हिमप्रत्यावर्तन अन्तर्हिमाच्छादन काल । प्लिस्टोसीनकाल में एक के बाद एक हुए चार हिम बढ़ावों में से किन्हीं दो के बीच का काल ।
INTERGLACIAL PERIOD	अन्तर्हिमयुग
INTERNATIONAL MAP	अन्तर्राष्ट्रीय मानचित्र
INTERPLUVIAL	वृष्टि प्रत्यावर्तन, अन्तर्वर्षायुग
INTERPRETATION	अर्थनिर्वचन
INTERSECTION	प्रतिच्छेदन
INTERSTADIAL	लघुहिम प्रत्यावर्तन
INTERVISIBILITY	अन्तर्दृश्यता
INTRUSIVE ROCK	अन्तर्निर्मित चट्टान
INTRUSIVE PIT	अन्तर्भेदी-गर्त
INTURNED ENTRANCE	अन्तर्मुखी द्वार
INU	आईनू उत्तरी जापान के काकेशियाई आदिवासी
INVERTED	अन्तर्गत
INVERTED RIM	अन्तर्गत अंवठ
INVERTIBRATE	अकशेरूकी, अपृष्ठवंशी
INWARD-BLOW TECHNIQUE	अप्रत्यक्ष संघात प्रविधि
IPSWICHIAN STAGE	इप्साविची अवस्था
IRIS	पारितारिका
IRON AGE	लोहयुग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

जिसमें लोहे का आविष्कार तथा प्रयोग होने लगा ।

IRON CORE — लोहे का कठोर भाग

IRON PILLAR — लोहस्तम्भ

IRON TIPPED (ARROW) — लोहाग्र (बाण)

IRRADIATING — किरणीयन

ISILA CULTURE — इसिला संस्कृति
मैसूर प्रान्त की चितलद्रुग जिले में ब्रह्मगिरि क्षेत्र में इसिला नगर के नाम पर दक्कन की लोहयुगीन प्रागैतिहासिक संस्कृति का नाम इसिला संस्कृति रखा गया है । मौर्य कालीन नगर इसीला में मौर्यस्तर के बाद ही यह संस्कृति प्रारम्भ होती है ।

ISOLATION — पृथक्करण

ISOTOPE — आइसोटोप

ISTHMIAN GAMES — इस्थिमियाई (प्राचीन ग्रीक) खेल

IVORY — हाथीदांत

IVORY FIGURE — हाथीदांत कृति, हस्तिदंती प्रतिमा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

J

JACKAL	सियार
JADE	जेड़, हरितवर्ण पाषाण, हरिताश्म (एक कीमती पत्थर)
JAMB	पक्खा, द्वार-पक्ष
JARMO	जार्मो उत्तर इराक के झाग्रोस पर्वत के पास जार्मो नामक स्थल है। यहां १९४८ से ५५ तक ब्रेडवून ने उत्खनन किया। २५ फीट मोटे मलबे के ढेर में यहां बारह निर्माणों के अवशेष मिले। यहाँ ई० पू० ६५०० में नवाश्म काल में पहली बस्ती हुई जिसमें संभवतः १५० लोग रहते थे जो किसान थे। वे गाय, बैल, बकरी, भेड़, सूअर, कुत्ता, गधा आदि पालते थे।
JAR SEALING	घटी मुद्रा, घट मुद्रा
JASPER	जैस्पर, सूर्यकान्त, कपिशमणि
JAVA MAN	जावा मानव द्रष्टव्य—PITHECANTHROPUS ERECTUS
JAVELIN	बरछा, बरछी
JAVELIN PROPULSOR	बरछी प्रक्षेपित्र
JERICHO	जेरिको पश्चिम एशिया के पेलेस्टाईन में की गई खुदाई के कारण यह स्थान बहुत प्रसिद्ध हुआ। इसका स्थानीय नाम टेल-अस-सुलतान है। यहां जर्मन पुरातत्त्वविदों ने १९०७ से १९०९, प्रो० गास्टींग ने १९३०-३६, डा० केथलीन केन्याल ने १९५२-५८ में खुदाई की। यहां प्रमुख तीन निवसित मध्याश्म युग, मृद्भाण्डरहित नवाश्म तथा मृद्-भाण्डसहित नवाश्मयुगों का पता चला है।
JERRY BUILT	सस्ते उपकरण से निर्मित
JEWEL	रत्न

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

JEWELLERY आभूषण, जेवर

JHUKAR झूकर (संस्कृति)

पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त का एक स्थल जहां झूकर संस्कृति से भी पहले के ताम्रपाषाणयुगीन उपकरण मिले हैं। यहां के निवासियों का संबंध एशिया मायनर, बलोचिस्तान एवं इरान से जोड़ा जाता है।

JOINT सन्धि

JOINT EXPLORATION संयुक्त खोज

JORWE WARE जोर्वे मृत्पात्र

जोर्वे नामक स्थान से पहली बार प्राप्त होने के कारण काले रंग से अलंकृत चटाई के ढंग की सतह वाले लाल रंग के वर्तनों को यह नाम दिया गया है। इन भाण्डों में नुकीले उभार वाले कटोरे, एवं अन्य पात्र मुख्य हैं। पात्रों में लम्बी टोटी लगी रहती है। ये बर्तन उत्तरीय दक्कनी ताम्राश्म संस्कृति के एक विशेष उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं। जोर्वे मृत्पात्रों की तिथि लगभग १६००-१००० ई० पू० मानी गई।

JUGULAR VEIN जगुलर शिरा

JUNAPANI जुनापाणि

महाराष्ट्र में नागपुर के पास महाश्मयुगीन शिलावर्तुलों का स्थल। जहां तीन सौ से अधिक शिलावर्तुल पाते जाते हैं। यहां उत्खनन कार्य नागपुर विद्यापीठ की ओर से किया गया, जिसमें लोह के कटयार, भाले, कुल्हाड़ी, घण्टा एवं कुछ ताम्बे की वस्तुएं मिली हैं। इन शिला वर्तुलों में मानवी अवशेष बहुत कम मिले। किन्तु कुछ शिला वर्तुलों में घोड़ों को भी दफनाया गया था। इसका काल ई० पू० १००० निश्चित किया गया है

JURASSIC जुरैसिक

महासरट

JURASSIC AGE महासरट युग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

K

KAFUAN CULTURE — काफुग्रन संस्कृति

पूर्व ग्राफ्रिका में बसी ग्रब तक ज्ञात पाषाणयुगीन संस्कृतियों में सबसे ग्रधिक प्राचीन संस्कृति। प्लायस्टोसिन काल में बसी हुई थी।

KALIBANGAN — काली बंगन

यह स्थान राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले में घग्घर नदी के किनारे है। यहां पर उत्खनन से हड़प्पा कालीन ग्रौर उससे प्राचीन संस्कृति के चिन्ह उपलब्ध हुए हैं जिससे इसे हड़प्पा की तीसरी राजधानी के रूप में माना गया है। यहाँ ७-८ वर्ष उत्खनन चला था। उत्खनन से उपलब्ध हुए प्रमाणों के ग्राधार पर यह विदित होता है कि यहाँ के नगर कई ब्लॉकों में बटे हुए थे। प्रत्येक ब्लॉक के गृह में ६-७ कमरे बने थे। कहीं-कहीं मकानों में कुएं भी थे। मकान कच्ची ईटों के थे जिन पर मिट्टी का प्लास्टर था। घरों में ग्रग्निवेदि के चिन्ह मिले हैं। दक्षिणी किला के टीले के पास दो कब्रिस्तानों के ग्रवशेष उपलब्ध हुए हैं।

KAOLIN WARE — कावली ग्रथवा चीनी मिट्टी के बर्तन

KAPILVASTU — कपिलवस्तु

इस नगर की पहचान ग्रशोक के रुम्मिनदेई स्थान से हुई है जो बुद्ध के जन्मस्थान ग्रर्थात् लुम्बिनी वन को व्यक्त करता है। यह बस्ती जिले के उत्तर नेपाल में पड़रिया से एक मील उत्तर में है।

KAREWAS — करेवा

झेलम घाटी के चौड़े-चपटे 'सोपानों' पर वर्तमान 'एलूवियम' के ऊपर प्राचीनतम कालीन पानी में धुली मिट्टी,

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

बालू एवं अन्य गंदगियों के क्रमशः जमाव जो अब 'पथरा' गये हैं कश्मीरी भाषा में करेवा के नाम से जाने जाते हैं। ये पथराए हुए जमाव सम्भवतः उस झील के हैं जो कभी शूपीयाना के बारामूला तक के लगभग २००० वर्ग मील के क्षेत्र में विस्तृत थी। भू-उत्पातों के कारण पीर पंजाल नामक पहाड़ी के क्रमशः ऊंचे उठने के कारण झील के पानी का निकास स्थानबद्ध हो गया और जमा हुई मिट्टी बालू आदि क्रमशः पथरा गये एवं पहाड़ी के उठान के कारण स्तरों में मोड़ आ गए।

KARKMISH — कार्कमिश

तुर्कस्तान में स्थिर है। ब्रिटिश म्युजियम की ओर से यहाँ सन् १८७८-८१ तथा १९११-१४ में उत्खनन कार्य किया गया। प्रथम आबादी यहाँ कांस्ययुग में बसी थी। हित्ताईत साम्राज्य में इसकी प्रगति हुई। इसी काल में यहाँ तट की दीवारें, मन्दिर तथा भव्य प्रासादों का निर्माण हुआ। युफ्राईटिस नदी को पार करने का मार्ग इसी नगरी से जाता था जिसके कारण इसका महत्त्व अधिक बढ़ा। ई० पू० ७१६ में यह नगर असेरियनों के कबजे में था।

KASAITE — कसाईत

ई० पू० १७८० में बेबिलोन में रहने वाले लोग

KAUSAMBI — कौशाम्बी

उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद से ५२ मील दूर ऐतिहासिक नगरी है। यहाँ इलाहाबाद विद्यापीठ की ओर से खुदाई की गई, जिसमें चार संस्कृतियों का पता चला है। इसका काल ई० पू० ११६५ से ४५० तक है।

KAYATHA — कायथा

मध्यप्रदेश का ताम्रपाषाणकालीन स्थान जो काली सिन्ध नदी के किनारे है। यहाँ खुदाई में पहली आबादी कायथा संस्कृति दूसरी बनास संस्कृति तथा तीसरी मालवा संस्कृति मिली। कार्बन १४ से इसका काल ई० पू० २००० से १५०० ज्ञात हुआ है।

KEEL OR KEELED — नौतल, मध्योभार

KEELED SCRAPER — मध्योभार खुर्चन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

KEEP	अन्तः कोट
KEEPER OF ARCHIVES	अभिलेखपाल
KETTLE STICH	लपेट सिलाई
KEY STONE	चावी, बन्धन प्रस्तर
KHAROSHTHI	खरोष्ठी एक प्राचीन लिपि का नाम जिसका प्रयोग तीसरी शती ई० पू० से ईसा की तीसरी शती तक पश्चिमोत्तर भारत में होता रहा। इस भूभाग के आसपास के देशों में यह लिपि कुछ और बाद तक प्रचलित रही। यह लिपि दाहिने ओर से बाईं ओर को लिखी जाती थी।
KHETAM	खेतम (मिस्र की मुद्रा)
KILN	आवा, भट्ठा
KITCHEN MIDDENS	खाद्यावशिष्ट अम्बार
KNEE-SHAFT	कोणदण्ड
KNIFE-BLADE	नाईफ ब्लेड
KNIGHTHOOD	योद्धागिरी
KNOBBED VESSEL	घुंडीदार बर्तन
KNOSSOS	नॉसस ग्रीस के दक्षिण में क्रीट के उत्तर हिस्से में नॉसस के अवशेष मिले। १८९९ से १९३५ तक यहाँ सर आर्थर इव्हन्स ने खुदाई की। यहां की संस्कृतिमिनोअन' के नाम से जानी जाती है। यहाँ पहली आबादी नवाश्म काल में ई० पू० २५०० में बसी थी। ई० पू० २००० में यहां मध्य 'मिनोअन' सभ्यता थी। इसी काल में मिनोस का भव्य राजभवन बनाया गया जिसका भूचाल से दो बार विध्वंस हुआ। यहाँ कुछ मन्दिरों में नागदेवताओं की पूजा होती थी। यहाँ उत्खनन में लेखयुक्त पक्व मुद्रायें मिली। यह लेख 'लिनीयर ए' तथा 'लिनीयर बी' इन लिपियों में है। १९५२ में मिचेल व्हेन्ट्रिस ने दूसरी लिपि को पढ़ने में सफलता पाई थी।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

KOLDEWEY, ROBERT कोल्डवे, रॉबर्ट

सन् १८८९ में इस जर्मन पुरातत्त्वविद ने बेबिलोन में उत्खनन किया जो १८ वर्ष तक चला जिससे ये अधिक लोकप्रिय हुए। कच्ची इंटों के निर्माणों की उत्खनन विधि के खोजकर्ता जिसके लिये वे प्रसिद्ध थे।

KULLI कुल्ली

दक्षिण बलोचिस्तान में हड़प्पापूर्व संस्कृति का स्थल। यहाँ खुदाई में मिले घरों में कई कमरे थे जिनमें से कुछ के आकार १२×८ या ८×६ के थे। कुछ घरों में सीढ़ियाँ भी थीं। मृद्भाण्ड साधारणतः लाल रंग के किन्तु काले या लाल रंग से चित्रित मिले। इनमें कप, प्याले, थालियां आदि प्रमुख थे जिन पर बैल, बकरी, पीपल के पत्ते आदि का चित्रण है। यहाँ मृतकों को बड़े-बड़े घड़ों में दफनाते थे। साथ में मिट्टी की मूर्तियाँ एवं ताम्बे की चीजें रखते थे। कुल्ली का सांस्कृतिक सम्बन्ध सिन्धु व पश्चिम एशिया से था। इसका काल ई० पू० २-३ हजार वर्ष है।

KUMARA कुमर

शकरकन्द का एक नाम जो दक्षिण अमेरिका और पोलेनिशिया दोनों में प्रयुक्त होता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

L

LABORATORY	प्रयोगशाला
LACUSTRINE	झील निर्मित
LAKE DWELLING	जलगृह
LAMA	लामा, तिब्बती बौद्ध भिक्षु, गुरु
LAMELLA	पतला फला
LAMINATION	लैमिनेशन, पटलीकरण,
LAMINATING MACHINE	पटलीकरण दाब यन्त्र
LAMP-BLACK	काजल, कालिख
LAMP-POST	दीप-स्तम्भ
LAMP-STAND	दीपधानी
LANCE	कुन्त, भाला
LANCEHEAD	भालाग्र
LAND SLIDE	भूमि का खसकना
LANGHNAJ	लांघनज गुजरात में अहमदाबाद के उत्तर में स्थित है। यहाँ ई० पू० २००० के क्षुद्राश्म मिले हैं।
LAPIDORY FORMS	पत्थरों वाले रूप
LAPIS LAZULI	लाजवर्द, राजावर्त, लाजवर्ती, नीलमणि
LAR	लार प्राचीन रोम की कृषि-देवता
LARNAX	शवाधानी, मिट्टी का ताबूत
LARNE PICK	लार्ने कुल्हाड़ी
LARVA	कीट-डिम्ब

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

LATE PALAEOLITHIC उत्तर पुराश्म काल

पुराश्म काल का अन्तिम भाग जिस समय अन्य प्रकार के 'प्रस्तर आयुधों' की अपेक्षा क्षुद्राश्म अधिक संख्या में बनाये एवं प्रयोग में लाए जाने लगे थे जिनकी अधिकांशता मुख्यतया मध्याश्म काल में हुई।

LATER परवर्ती

LATERAL EXTENT पार्श्व-विस्तार

LATERAL MORAINE पार्श्विक मोरेन

LATERAL STBILITY पार्श्विक स्थिरता

LATERITE लैटराईट, इष्टकिज

LATE SOHAN अन्तसोहन

LATHE खराद

LAUREL LEAF IMPLEMENT लॉरेल पत्र उपकरण

LAW विधि

LAW OF SUPERPOSITION अध्यारोहण विधि

LAWN दूर्वास्तर

LAYARD SIR AUSTEN HENRY लेयार्ड, सर आस्टन हेनरी (१८१७-९४)

१८४५ से ५१ तक ब्रिटिश म्युजियम की ओर से मेसोपोटेमिया में इन्होंने कई उत्खनन किये। निमरूद, निनेवे की खुदाई में असिरियन भवननिर्माण एवं लेखयुक्त मृद्विटिकाएँ (CLAY TABLET) मिली थीं। इन्हीं के द्वारा लिखा गया निनेवे उत्खनन रिपोर्ट महत्त्वपूर्ण है।

LAYER OR STATUM स्तर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

LAYOUT (OF EXCAVATION)	उत्खनन विन्यास
LEGGED QUERN	पैरों वाली चक्कियां
LEGGED SARCOPHAGUS	सपाद कफन-बॉक्स
LEGEND	लेख
LENSE SHAPED	वीक्षाकार
LENTICULAR	मसूराकार, यवाकार
LENTICULAR SECTION	मसूराकार काट
LEPTOBOS-ERECTUS	प्रथम जंगली गाय, बैल
LEPUS TIMIDUS	खरगोश
LESSER HIMALAYAS	लघु-हिमालय
LEVALLOISEAN	लेवलाजीय पाषाण युग में आयुधों के निर्माण में प्रयुक्त एक विशेष प्रविधि का नाम। इस प्रविधि में पिण्ड में से आयुध को पहले भली प्रकार कांट-छांट लेते थे और एक प्लेटफॉर्म तैयार किया जाता था। इस प्लेटफॉर्म पर जोर से ठोकर मार कर पिण्ड से एक चिप्पड़ निकाल लिया जाता था। इस प्रकार प्राप्त हुये आयुध का ऊपरी हिस्सा कई चिप्पड़ों से निकाले जाने से गड़ा हुआ एवं नीचे का हिस्सा सीधा एवं सपाट होता था। इस प्रविधि को लेवालाजीय नाम फ्रान्स में पॅरिस के पास एक क्षेत्र के नाम पर दिया गया है जहां इस प्रविधि से निकाले गये आयुध पहली बार पाये गये थे।
LEVEES	उन्नत कगार
LEVEL	समतल
LEVIGATED CLAY	बुकनी मिट्टी, मृदासंपेषण, मिट्टी की पिसाई
LIFE SIZE	जीवाकार, समाकार, सम-परिमाण
LIMESTONE	चूर्ण पाषाण, चूना-पत्थर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

LINE वंशावली, पंक्ति
LINGUISTICS भाषा विद्या
LION CAPITAL सिंहमस्तक-युक्त
LION CLOTH छोटी धोती
LION COMBATANT सिंह से डटा
LOCAL स्थानीय
LOESS पवनोढ़ मृत्तिका, वायुसंचित रज
वायुद्वारा उड़ाकर किसी स्थान पर जमाई गई धूल को इस नाम से जाना जाता है जिसमें गाद जैसे छोटे-छोटे कण होते हैं जो हिमायित, क्षेत्र के पास के दूसरे प्रभावित क्षेत्रों में जमा हुई ग्रौर किसी स्तरविन्यास में नहीं पायी जाती। सामान्यतया वायु-संचित रज लंबवत् स्थिति में होती है। उत्तर-पश्चिम भारत के पोतवार एवं गुजरात क्षेत्र में ऐसी तुषार युगीन धूल प्राप्त हुई है।
LOESS DEPOSIT मृत्संचय
LOESS STEPPE लोयस स्टेपी
LOGARITHM लघुगणक
LOG-BOOK निदर्शन-पुस्तिका
LOG-CABIN लठ्ठा-कुटी
LONG-AXIS लंबी धुरी
LONG-BAR CELT लंबी कुल्हाड़ी
LONG BLADE चाकू के फल के ग्राकारवाले लम्बे ग्रस्त्र
LONG BARROW लम्ब बैरो, लम्बे निखात, स्तूप
LONG CIST लम्बी पेटिका, लम्बा ताबूत
LONGITUDINAL ग्रनुदैर्घ्य
LONGITUDINAL MEASUREMENT ग्रनुदैर्घ्य माप
LONGITUDINAL SAND-DUNE ग्राड़ा-टीला
LOST लुप्त
LOTHAL लोथल
यह सौराष्ट्र का महत्त्वपूर्ण प्रागैतिहासिक खण्डहर है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

इस खण्डहर के जीवन काल में आरम्भ से अन्त तक केवल सिन्धु संस्कृति के लोग ही आबाद रहे। यहाँ खुदाई में डाक यार्ड (DOCK YARD) तथा अन्नागार का पता चला है जिसके कारण इसका सम्पर्क अन्य देशों से भी था यह सिद्ध होता है। उत्खनन से उपलब्ध हुए अवशेषों के आधार पर ये कस्बे ६ ब्लॉकों में बंटे थे। उत्खनन से चार सड़कें दो उत्तर-दक्षिण और दो पूर्व से पश्चिम जिनके दोनों ओर गलियाँ बनी हुई थीं उपलब्ध हुईं। यहाँ के भवनों के अग्रभाग में बरामदा या आंगन तथा चारों ओर कमरे बने थे। सैन्धव संस्कृति की भांति यहाँ भी सफाई का सर्वोत्तम प्रवन्ध था।

LOW PALAEOLITHIC	निम्न पुरापाषाण
LOW RELIEF	निम्नोद्भूत
LOWER CARBONIFE-ROUS	निम्न-अंगार काल
LOWER PLIOCENE	आदि अतिनूतन काल
LOZENGE PATTERN	हीराकृति
LUG	अटक
LUNATE	चन्द्रायुध, अर्धचन्द्राकार (लघुपाषाण) मध्याश्मकालीन एक क्षुद्राश्म आयुध जो चन्द्राकार होता है। इसके दो प्रकार हैं। पहले प्रकार में आयुध की परिधि पर से चिप्पड़ निकालकर धार बनी होती है और दूसरे प्रकार में धार आयुध के व्यास पर बनी होती है।
LURISTAN	लूरिस्तान इरान तथा इराक के बीच का झाग्रीस पर्वत का मध्य भाग लूरिस्तान के नाम से जाना जाता है। ई० पू० ११०० से ७०० मे यहाँ कांस्य की अनेक सुन्दर चीजें बनाई जाती थीं। विद्वानों के अनुसार यहाँ के निवासी इन्डो-युरोपीय भाषा बोलने वाले इरानियों के पूर्वज थे।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

LUSTROUS REDWARE चमकीली लाल कुम्भकला

LYELL, SIR CHARLES ल्याईल, सर चार्ल्स (१७९७-१८७५)
ब्रिटिश भूवैज्ञानिक, १८३०-३३ में इन्हीं के द्वारा लिखी गई 'प्रिन्सिपल्स ऑफ जिऑलॉजी', एवं 'ऍन्टिक्विटी ऑफ मॅन' पुस्तकें बहुचर्चित रही हैं। भूवैज्ञानिक घटनायें तथा मानवी उत्पत्ति की प्राचीनता बहुत प्राचीन है, इस मत को इनकी किताबों से समर्थन मिला।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

M

MACE-HEAD गदाशीर्ष पाषाण

MACERATED BONES मांसरहित अस्थियाँ

MACHAIRODUS कृपाण-दन्ती चीता

MADRASIAN मद्रासीय
मद्रास क्षेत्र में पाये जाने वाले पुराश्मकालिक हस्तपरशु मद्रास में पहली बार पाये जाने के कारण मद्रासीय कहे जाते हैं।

MAGDALENIAN CULTURE मग्देली संस्कृति
पश्चिमी युरोप की ऊपरी पुरा पाषाणिक काल की प्रामाणिक संस्कृतियों में से अन्तिम, जिसकी विशेषता रेनडियर का शिकार और अपरिष्कृत फलकों के साथ हड्डी और शृंगों के बने हुये औजार थे। काल ई० पू० १५,००० वर्ष।

MAGIC जादू

MAGLEMOSIAN मैग्लेमूज

MAGMA द्रवपदार्थ

MAGNETIC PROSPECTING चुम्बकीय सर्वेक्षण, चुम्बकीय पूर्वेक्षण

MAHURJHARI माहुरझरी
नागपुर (महाराष्ट्र) से बारह मील दूर महाश्मयुगीन शिलावर्तुलों का स्थल। खुदाई में मृत मानवी अवशेषों के साथ लोह के भाले, तलवारें, कटयार, कुल्हाडियां, रापी, छिन्नियां, तांबे की चूड़ियां, थालियां, एवं सुवर्ण के अलंकार मिले हैं। इन शिलावर्तुलों का काल ई० पू० ७-८ वीं शती है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MAIN
HIMALAYAS — मुख्य हिमालय

MALLEABLE — आघातवर्ध्य

MALWA WARE — मालवा मृत्पात्र

कृष्णरंजित लोहित मृत्पात्र जो प्राचीन मालवा क्षेत्र में पाये गये हैं। मालवा मृत्पात्र के नाम से जाने जाते हैं। इन बर्तनों के पीले, भूरे से लाल रंग की सतह पर काले या चाकलेटी

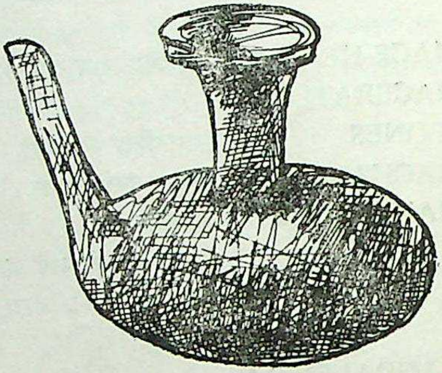

रंग से चित्रण किया गया है। बर्तनों में तनेदार तश्तरी एवं नालीदार कटोरे विशेष रूप से पाये जाते हैं। मालवा मृत्पात्र की तिथि लगभग १७००-१००० ई० पू० मानी गई है।

MAMMALIAN
FOSSILS — बृहद् जीवाश्म

MAMMAL — जलपायी प्राणी

MAMMOTH — मैमथ, गजराज, महाकुंजर, महाहस्ती

MAN — मानव

MAN APE — मानव कपि, मानव-वानर

इसे 'कपि मानव' भी कहते हैं।

MAN, EGYPTO-
HAMITIC — मिश्री सामी मानव

MAN FERAL — वन्य मानव

MAN IBERIAN — हिस्पानी मानव

MAN LA
CHAPELLE
AUX SAINTS — ला शापेल औसां मानव

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

MAN, LEIOTRICHY	ऊर्ध्वकेशी या खड़े बालों वाला मानव
MAN MARGINAL	उपान्त मानव
MAN PALAEOLITHIC	पुरापाषाण मानव
MAN THE TOOL-MAKER	उपकरण-निर्माता मानव
MANIOC	मण्डशिफ, सेमुल आलू का पौधा
MANUSCRIPT	हस्तलिखित, पांडुलिपि
MARBLE	संगमर्मर
MARBLED PAPER	अबरी बनाना
MARC	मदिरा या तेल का कीट, तलछट
MARINE	समुद्री, सागरी
MARINE ARCHAEOLOGY	सागरी पुरातत्त्व
MARINE DEPOSIT	समुद्री निक्षेप
MARINE INVERTIBRATES	समुद्रीय अमेरूदण्डी
MARROW	मज्जा
MARSHALL, SIR JOHN	मार्शल, सर जॉन (१८७६-१९५६) भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के १९०२ से १९३१ तक वे महानिर्देशक थे। इन्होंने अनेक स्थानों पर खुदाई कार्य किया जिनमें चारसद्दा, तक्षशिला, (दोनों पाकिस्तान में), भीटा, पटना, वैशाली, सांची, सारनाथ, कासिया, श्रावस्ती प्रमुख हैं। इसी काल में मोहेञ्जोदड़ो की खुदाई हुई थी। मोहेञ्जोदड़ो तथा तक्षशिला उत्खनन वृत्तान्त उनकी विद्वत्ता के साक्षी हैं।
MASONRY	चिनाई, मेमारी
MASK	नकली चेहरा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MASPERO, GASTON COMILLE CHARLES — मास्पेरो, गॅस्टन कॅमिल चार्ल्स (१८४६-१९१५)
इजिप्त में पुरातत्त्वीय संशोधन की शुरूग्रात करने वाला इटालियन संशोधक। इसने चोर, लुटेरों एवं प्राचीन वस्तुग्रों के व्यापारियों का सामना करते हुये ग्रथक परिश्रम से संशोधन किया। ऊनस, पेपी ग्रौर तेती के पिरामिड़ों का ग्रन्वेषण इन्होंने किया था। इनके द्वारा किया सवकारा का उत्खनन सर्वप्रसिद्ध है। कुछ समय वे कैरो म्युजियम के प्रमुख रहे। नुबिया के प्राचीन मन्दिरों का ग्रारेखण इन्हीं की निगरानी में हुग्रा था।

MASSETER — मैसिटर मांसपेशियां
ये दो मांसपेशियां हैं, जो गंडास्थि की मेहराबों ग्रौर गंडस्थल (मैलर) से लेकर निचले जबड़े के निचले पृष्ठ भाग के कोने तक फैली हुई हैं। इनके सिकुड़ने से शंख मांस पेशियां (टेम्पोरल) के निचले जबड़े को ऊपर खींचने में सहायता मिलती है।

MASSIVE CONCRETE — ठोस कंकरीट
MASTODON — एशियाई हाथी
MATCHLOCK — तोड़दार बन्दूक
MATE — यौनसाथी
MAT-IMPRESSED GREY POTTERY — चटाई छाप के भूरे मृत्पात्र
MAT-PAINTED JAR — मन्द वर्ण कलश, मन्दवर्ण चित्रित कलश
MATERIAL REMAINS — पादार्थिक ग्रवशेष
MATRIARCHAL — मातृसत्तात्मक
MATRIX — एक छोटा सांचा
MATTER — पदार्थ
MAUSOLEUM — मकबरा
MEADOW — चरागाह
MEANDER — प्रवाह-मोड़

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MEANS OF COMMUNICATION	यातायात के साधन
MEASURING TAPE	नापने का फीता
MEASUREMENT	माप
MECHANICAL	चूर्णीकरण, क्रियात्मक
MECHANISM	यन्त्रजात
MEDIAL MORAINE	मध्य मोरेन
MEDITERRANEAN SEA	भूमध्य सागर
MEGACEROS	महामृग
MEGALITH	महाश्म, महा-पाषाणिक मकबरे मृतक अथवा 'स्मारक' निर्माण जो बृहदाकार पत्थरों के प्रयोग से बनाये गये हैं। ये कई प्रकार के हैं, जैसे शवगृह, प्रस्तर, संग्रह वृत्त छातानुमा, नड्‌कल आदि। इनमें से अधिकांश सतह पर पत्थर से बने वृत्त से पहचाने जाते हैं। दक्षिण भारतीय महाश्मों के साथ लोहा एवं कृष्ण लोहित मृत्पात्र भी प्राप्त होते हैं। इनकी तिथि लगभग ४०० ई० पू० से १०० ई० पू० कही गई है। उत्तर पश्चिम युरोप में भी यह पाये जाते हैं और इनका काल नवपाषाणिक युग के पिछले भाग और कांस्ययुग के आरम्भिक काल का माना जाता है।
MEGALITHIC AVENUES	महापाषाण वीथियां
MEGALITHIC BUILDERS	महापाषाण निर्माता
MEGALITHIC MONUMENTS	महापाषाण स्मारक
MEGARON	मैगारोन
MEGANTHROPUS PALAEOJAVANICUS	बृहद्‌मानव पुराजावानी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

एक प्रारंभिक दानव रूपी मानव के जबड़े की हड्डियां १९३९ और १९४१ में वान गो निग्सवाल्ड ने जावा के संगीरन जिले से प्राप्त की थीं।

MELANIN — मैलानिन
मानवीय और पशुओं के ऊतकों में पाया जाने वाला एक दानेदार रंग।

MELT-WATER — पिघला जल

MENHIR — मेनहीर नड्डुकल, एकाश्म-स्मारक, बृहदश्मीय लाट किसी परिवार या जाति द्वारा किसी विशेष व्यक्ति या घटना की स्मृति में खड़े किये गये महाश्म को नड्डु-कल कहा जाता है। सम्भव है ये धार्मिक महत्त्व के रहे हों। नड्डु-कल यह शब्द तमिल भाषा का है।

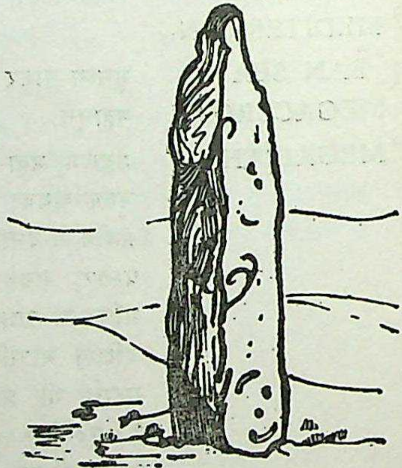

MERCK'S RHINOCEROS — चौड़ी नासिका वाला गेन्डा

MESO-CEPHALIC — मध्य-कापालिक

MESOLITHIC — मध्य पाषाणिक काल, मध्याश्म काल
उत्तर पुराश्म काल एवं नवाश्म काल के बीच का समय जब मान्य संस्कृति एक संधिकाल से गुजर रही थी। इस समय के बने आयुध उत्तर पुराश्म काल जैसे ही पाये जाते हैं जो अपेक्षाकृत आकार में छोटे एवं सुघड़ होते हैं।

MESOZOIC — मध्यजीवी (कल्प)

MASOZOIC AGE — मध्य-जीवयुग, मध्य जन्तुक युग

METABOLISM — चयापचयन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

METALLURGY धातुकर्म, धातुशास्त्र

METAMORPHIC ROCK परिवर्त चट्टानें
वे चट्टानें जो अवसादित होने के पश्चात् किसी प्रकार मुख्यतः अत्यधिक ताप के प्रभाव से परिवर्तित हो गई हों।

METAPHYSICS अधिविद्या

MATAZOA बहुकोषी जीव

METEOROLOGY ऋतुशास्त्र

METHOD विधि, प्रकार, प्रणाली

MICOQUIAN HANDAXE मिकोकियन हस्तपरशु
इसका नाम आकृति के आधार पर न होकर फ्रान्स में स्थित ला मिराक (LA MIROQUE) नामक स्थान पर किया गया है। इस प्रकार के हेन्डेक्स का समन्तान्त गोलाकार एवं कार्योग असाधारणरूप, लम्बा तथा नुकीला होता है। भुजायें प्रायः नतोदर-सी होती हैं।

MICROBURIN माइक्रोब्युरीन, लघुब्युरीन, लघु-रूखानी

MICROLITHIC CULTURE लघुनवपाषाण संस्कृति

MICRO-GRAVR सूक्ष्म टांकी

MICROLITHIC INDUSTRY लघुपाषाण उद्योग

MICROLITH लघुपाषाणोपकरण, लघुपाषाण, लघु अश्म, क्षुद्राश्म
छोटे आकार के आयुध जो गार, चाल्सिडैनी, जेस्पर, अगेट, कार्नेलियन एवं चर्ट पत्थरों के बनाये गये हैं। रूप के आधार पर इनको दो भागों में रखा गया है। अज्यामितिक एवं ज्यामितिक। अज्यामितिक वर्ग में फला, छिद्रक, बाणाग्र एवं ज्यामितिक वर्ग में त्रिकोणात्मक, समलम्ब, चतुर्भुजाकार आदि आयुध आते हैं। प्रमाणों के आधार पर ऐसा जान पड़ता है कि अज्यामितिक आयुध प्रारम्भिक होने चाहियें और उनकी तिथि लगभग ६००० ई० पू०।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MICROLITHIC अनुप्रस्तर
MIDDEN कूड़ा-कर्कट
MIDDLE OLD STONE AGE मध्य-पाषाण काल, मध्यपुराश्मकाल
पुराश्मकाल के मध्य में पड़ने वाला काल जब कि जेस्पर एवं चर्ट आदि पत्थरों से कुछ छोटे आकार के आयुध बनने लगे थे। आयुधों में विशेषरूप से बाणाग्र, छिद्रक, खुरक एवं फला है।
MIDDLE PALAEOLITHIC मध्य पुराश्म काल
द्रष्टव्य MIDDLE OLD STONE AGE
MIDDLE RELIEF मध्योद्भृत
MIDDLE STAGE प्रौढ अवस्था
MIGRATION प्रव्रजन
MILLET ज्वार
MINOAN मिनोअन,
क्रीट की कांस्ययुगीन संस्कृति
MINUTE सूक्ष्म
MINYAN WARE मिनियाई भाण्ड
MIOCENE मिओसिन, अल्पनूतन
सैनोजाईक काल के सात प्रभागों में से चौथा प्रभाग
MIOLITHIC उत्तर-पुरापाषाणयुगीन
MISFIT अपहृत
MISSING LINK लुप्त कड़ी
MIXED मिश्रित
MIXED FARMING मिश्रित खेती
MOBILITY चलिष्णुता
MODEL नमूना
MODELLER कुम्हार, लेपकार, पुस्तकर्मा
MODERN HISTORY आधुनिक इतिहास
MODIFICATION आशोधन

CC-0. Agamnigam Digital Preseyation Foundation, Chandigarh

MOHENJO-DARO मोहेन्जोदड़ों (मुर्दों का टीला)
सिन्धु सभ्यता का उन्नत नगर
MOISTURE आर्द्रता
MOLLUSES घोंघे
MOMENTUM गतिमात्रा
MONASTRY संघाराम, मठ, निवास, विहार
MONOCHROME एकरंगा
MONOGLACIA-LISM एकहिमावर्तनवाद
MONOLITHIC एक-शैलोत्कीर्ण
MONUMENT स्मारक
MONUMENTAL स्मारकीय
MONUMENTAL FORM स्मारकरूप
MONUMENTAL ARCHAEOLOGY स्मारक पुरातत्त्व
MONUMENT OF THE UMBRELLA SERIES छातानुमा स्मारक
MORAINE मोरेन, हिमनदी,—उच्चयन
हिमनदियों द्वारा लाकर जमा किये गये पत्थरों, चट्टानों आदि के टुकड़ों का संग्रह।
द्रष्टव्य—BOULDER CLAY
MORAINE GIRDLE मोरेन—मेखला
MORDANT DYE बन्धक रंजक
MORNING GLORY कलदाना
MORTAR ओखली, खरल, गारा
MORTICE छिद्र
MORTUARY MONUMENTS शवाधि स्मारक
MORTUARY RELICS शवाधि अवशेष

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MOSAIC (PAVEMENT) पच्चीकारी (फर्श की)
MOOSE अमरीकी हिरण
MOTE टीला
MOTIF चिन्ह समूह
MOTHER-GODDESS मातृदेवता
MOULD सांचा, गढ़त
MOULDING ढलाई
MOUND ढीला, दूह
MOUNTAIN CHAIN पर्वतश्रेणियां या मालायें
MOUSTERIAN मुस्तेरीय
फ्रान्स की मुस्तेरी नामक गुफा से पाये गये नियंडर थल मानवों द्वारा बनाये गये प्रस्तर उपकरणों की संस्कृति का नाम, गोल पिण्ड से चिप्पड निकाल कर विभिन्न आयुधों के बनाने की प्रविधि जो इस संस्कृति में मिलती है उसे भी उपर्युक्त नाम ही दिया गया है। लेवालाजीय प्रविधि से इसकी भिन्नता मुख्यतः इस माने में है कि पहली प्रविधि में आयुध पिण्ड में ही तैयार करने के बाद निकाला जाता है और दूसरी प्रविधि में चिप्पड़ निकालने के बाद आयुध निर्माण किया जाता है। ये आयुध कुछ छोटे आकार के होते हैं। इस प्रविधि से बनाये गये उपकरण भारत में पाये गये हैं। किन्तु उनके कालक्रम के विषय में विशेष नहीं जाना जा सका।
MOUSTERIAN POINT मुस्तेरी अस्त्राग्र
MOUTHPIECE मुख नलिका
MUD-BRICK कच्ची ईंट
MUD-CRACK पंक-दरार
MULE खच्चर
MULLERUPIAN CULTURE मूलरेप संस्कृति
MULTI-CELLULAR दीर्घकाय प्राणी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

MULTIGLACIA-LISM	बहुहिमावर्तन वाद
MULTIPURPOSE	बहुधंधी, बहुकार्योपयोगी
MULTIPURPOSE TOOL	बहुकार्योपयोगी उपकरण
MULTI-VALLATE	बहु प्राचीर
MUNDIGAK	मुंडिगाक (अफगानिस्तान में) यहाँ चार संस्कृतियों के अवशेष मिले हैं।
MUNIMENT	अभिलेख
MUNIMENT ROOM	अभिलेख कक्ष
MURAL ART	भित्तिकला
MURATIC ACID	नमक का तेजाब
MUSCLE	मांसपेशी
MUSCULAR	स्नायुयुक्त
MUSEOLOGY	संग्रहालयशास्त्र
MUSEUM	संग्रहालय
MUSK-OX	कस्तूरी वृषभ
MUTATION	उत्परिवर्तन, तात्त्विक परिवर्तन
MYSTERY	मिस्ट्री एक प्राचीन यूनानी धार्मिक संघ और उसके क्रियाकलाप ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

N

NAGARJUN KONDA — नागार्जुन कोन्डा

आन्ध्र में हैदराबाद से ७० मील दूर कृष्णा नदी के किनारे बसा है। १९५४ में यहाँ दस वर्ष खुदाई की गई। खुदाई में मिले अवशेष यहां एक संग्रहालय में सुरक्षित हैं। यहाँ के कुछ क्षेत्रों में नवाश्म एवं ताम्रपाषाणकालीन अवशेष मिले। किन्तु सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है ईसवी ३-४ शताब्दी के बौद्ध अवशेष जिनमें अनेक विहार, चैत्य, सैंकडों लेख, स्तम्भ, नगर नदी के घाट आदि महत्त्वपूर्ण हैं। सुप्रसिद्ध बौद्ध आचार्य नागार्जुन ने कुछ काल तक यहाँ वास्तव्य किया था।

NAL — नाल

दक्षिण बलोचिस्तान का कांस्ययुगीन एक स्थल जिसकी खुदाई में बहुत बड़े कब्रिस्तान का पता चला है। यहाँ एक ही कब्र में ५-६ शवों को दफनाया गया था। कुछ कब्रों में संपूर्ण मानवी अस्थिपिंजर मिले किन्तु कुछ कब्रों से कुछ हड्डियां ही हाथ लगीं। मृतों के साथ अन्य वस्तुएं जैसे मणि, शंख की चूड़ियां, मालाएं, ताम्बे की कुल्हाड़ियां, भेड़ या बकरी की हड्डियां भी मिली हैं।

NATUFIAN (S) — नतूफी

NATURAL — स्वाभाविक

NATURAL HISTORY — प्राकृतिक इतिहास

NATURAL IRRIGATION — प्राकृतिक सिंचाई

NATURAL LAW — प्राकृतिक नियम

NATURAL SCIENCE — प्राकृतिक विज्ञान

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

NATURAL SELECTION प्राकृतिक वरण, निर्वाचन, नैसर्गिक वरण

NATURAL SOIL प्राकृतिक भूमि, प्राकृतिक मिट्टी
'पुरातात्त्विक' उत्खनन में प्राप्त सबसे नीचे की भूमि जिस पर उस स्थान पर निवास करने वाले पहली बार बसे। निवास के जमाव वाले स्तर इस भूमि के ऊपर ही प्राप्त होते हैं।

NATURAL STRIKING PLATFORM प्राकृतिक (या अकृत्रिम) आघात-स्थल

NAVDATOLI नवदाटोली
मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के किनारे ताम्रपाषाण युगीन स्थल। यहां मालवा संस्कृति बसी थी।

NEANDERTHAL MAN नियंडरथल मानव
फासिल मानव की एक उप स्पीशिज, जिसकी विशेषतः खोपड़ी की नीची मेहराब, लम्बा, थुंथनी-जैसा ठोड़ी रहित चेहरा और भारी लम्बी हड्डियों वाली बनावट है। १८४८ में जिब्राल्टर के 'रॉक ऑफ जिब्राल्टर' नामक पहाड़ की एक गुफा में मिली। बाद में जर्मन की नियंडर घाटी की गुफा में मिली। नियंडरथल मानव

अस्थि अवशेष स्पेन, फ्रान्स बेल्जियम, रूस, इटली में भी खोदकर निकाली गई। वह एक लाख वर्ष पूर्व हिमयुग में युरोप में रहता था।

NEANDERTHALOID नियंडरथलसम

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

NEAR-MAN निकटमानव

NEBULA निहारिका, धुंध, आकाशगंगा

NEBULOUS PHASE अस्पष्टावस्था

NECKLET कंठा, गुलूबन्द, ग्रैवेयक

NEGATIVE BULB OF PERCUSSION संघात का अर्धशंकु

NEGATIVE निगेटिव्ह, चित्रका मूल

NEOLITH नवपाषाण, नवपाषाण उपकरण

NEOLITHIC AGE नवाश्मयुग, नव पाषाणिक

नवाश्मयुग की स्थिति परवर्ती पुराश्मकाल के बाद एवं ताम्राश्म युग के बीच में है। इस युग की विशेषताओं के सुघड़ एवं मार्जित 'आयुध' स्थिर सामुदायिक जीवन, कृषि, पशुपालन एवं मृत्पात्र हैं। विदेशों में नवाश्मयुग ७००० ई० पू० तक पाया गया है, किन्तु भारत में नवाश्म युग को ४००० ई० पू० से पहले का नहीं कहा जा सकता है।

NEOLITHIC BARBARISM नवपाषाण ग्राम्यता

NEOLOCAL नव-स्थानीय

NERVE चेता

NEVASA नेवासा

महाराष्ट्र के नगर जिले में प्रवरा नदी किनारे बसा जोर्वे संस्कृति का स्थान। यहाँ किये अन्वेषण में पाषाण कालीन उपकरण एवं अश्मिभूत बैल के अवशेष मिले हैं। पहला कालखण्ड ताम्रपाषाण, दूसरा पूर्व सातवाहन, तीसरा उत्तर सातवाहन एवं चौथे मध्ययुगीन कालों में यहाँ बस्तियां बसी थीं।

NEW ARCHAEOLOGY नवपुरातत्त्व

NEW STONE AGE नवपाषाणकाल

CC-0. Agamnigam Digital Preseyation Foundation, Chandigarh

द्रष्टव्य—NEOLITHIC AGE

NGANDONG नगनदोंग

NICHE आला, ताक

NIMRUD निमरूद
असिरिया की दूसरी राजधानी इराक में मोसूल के नजदीक है। १८४७-५१ में लेअ्राड ने यहाँ खुदाई की जिसमें अनेक मूर्तियां और लेख मिले। १९४९-६३ के बीच मेलोवन तथा ओट्स ने फिर यहाँ खुदाई की थी।

NIPPUR निप्पुर
प्राचीन मेसोपोटेमिया (इराक) में इसे अधिक महत्त्व है। १८९०-१९०० तथा १९११ से आगे अमेरिकन पुरातत्त्वविदों ने यहाँ खुदाई की। निप्पूर का महत्त्व यहाँ मिले मृद् घटिकाओं पर मिली क्यूनिफार्म लिपि के कारण अधिक है।

NITROGEN TEST नायट्रोजन चाँचणी
कालमापन की एक पद्धति जिससे हड्डियों में निहित प्रोटीन (कोलॅजेन COLLAGEN) की मात्रा के आधार पर मृत व्यक्ति के दफनाने की तिथि ज्ञात कर सकते हैं।

NOBLE METAL उत्कृष्ट धातु

NODULE ग्रंथी

NODULE PICK ग्रंथील कुदाली

NOMAD यायावर, खानाबदोश

NOME नोम, प्राचीन मिस्र का एक प्रान्त

NON-CYCLIC TERRACE अ-चक्रिका वेदिका

NON-EXISTENT अस्तित्वहीन

NON-GEOMETRIC अज्यामितिक

NON-GEOMETRIC MICROLITH अज्यामितिक लघु-पाषाणोपकरण

NORM प्रतिमान, सामान्यक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

NORMAL प्रसामान्य

NORMAL FOLD साधारण मोड़

NORTHERN BLACK POLISHED WARE उत्तरीय कृष्ण-मार्जित मृत्पात्र, काले ओपदार उत्तरी भाण्ड।

एक विशिष्ट भाण्ड जो बहुत ही चमकदार होता है। सामान्यतया इसका रंग काला होता है। किन्तु यह भाण्ड काले, भूरे, रूपहले या सुनहरे रंग के भी होते हैं। चाक पर बने 'पतले दर के' एवं भलीभांति पकाये गये इन बर्तनों को हलके हलके ठोकने पर धातु जैसी आवाज आती है। इन बर्तनों में कटोरे, तश्तरियां, ढंकने, नुकीले उभारवाली हांडियां आदि भी मिलती हैं। ये बर्तन मुख्य रूप से भारत में पाये जाते हैं। किन्तु इनकी प्राप्ति दूर के अफगानिस्तान, उड़िया, विदर्भ, आन्ध्रप्रदेश से भी हुई है। ये भाण्ड लगभग ६००-२०० ई० पू० के माने जाते हैं।

NORTHERN DECCAN CHALCOLITHIC CULTURE उत्तर-दक्कनी ताम्राश्म संस्कृति

उत्तरी दक्कन में प्राप्त होने वाली ताम्राश्म संस्कृति को यह नाम दिया गया है। इस संस्कृति में जोर्वे भाण्ड, क्षुद्राश्म, ताम्र उपकरण, मार्जित प्रस्तर परशु एवं कुम्भ शव-निखात पाये गये हैं। यह संस्कृति मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पायी गई है। इसका काल लगभग १५००-१००० ई० पू० माना गया है।

NORTH-WESTERN NEOLITHIC CULTURE उत्तर-पश्चिमी नवाश्म संस्कृति

उत्तर-पश्चिम भारत में प्राप्त होने वाली नवाश्म संस्कृति को यह नाम दिया गया है, इस संस्कृति में सुघड़ एवं मार्जित प्रस्तर परशु, 'अस्थि आयुध' चटाई छाप के भूरे मृत्पात्र, निवास, विवर आदि पाए जाते हैं, इसका काल लगभग २०००-१००० ई० पू० माना गया है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

NOSE-PLUG (STONE)	लौंग पाषाण
NOSE SCRAPER	नासिकाखुर्चन
NOSE STUD	लौग, नासाकील
NOTCH	खात
NOTCHED	खांचेदार, दंतुरित
NOTCHED SCRAPER	दन्तुर खुरक
NOTHOI	नौथोई होमरकालीन यूनान में रखेलों से उत्पन्न बच्चे
NUCLEI (TOOL)	उपकरण का केन्द्रीय भाग
NUCLEIC ACID	न्यूक्लीईक अम्ल
NUCLEUS	नाभिक
NUNDARA STYLE	नुंडारा शैली (मृद्भाण्डों की)
NUTRITIONAL	पौषणिक
NYMPH	सुरसुन्दरी, अप्सरा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

O

OAK	बांज
OATS	जई
OBANIAN CULTURE	ग्रोब्यानियन (स्काटलेण्ड) सभ्यता
OBELISK	ग्रोबेलिस्क, सूच्याकार इजिप्शियन खम्भे
OBJECTION	ग्रापत्ति
OBJECTIVE	लक्ष्य, वस्तुनिष्ठ
OBJECTIVE SCIENCE	वस्तु विज्ञान
OBLATE	ग्राक्षिक
OBLIQUE	वक्र
OBLIQUE ANGLE GRAVER	वक्र कोण-ग्रेवर
OBLONG	दीर्घायत
OBSIDIAN	आग्नेय कांच, ज्वाला कांच
OBSIDIAN DATING OR OBSIDIAN HYDRATION DATING	ग्रॉबसिडियन कालमापन पद्धति जिसे ग्रॉबसिडियन हायड्रेशन डेटिंग भी कहा जाता है। कालमापन की एक विधि जिसकी खोज 1961 में डोनोव्हान क्लार्क ने प्रथम बार की।
OCCLUSION	पूर्णरोध
OCCUPATION LAYER	निवास-स्तर, निवसित युग
OCEAN FLOOR	सागरतल
OCHRE COLOUR WARE	गेरू मृत्पात्र

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

हलके एवं गाढ़े गेरू रंग के बर्तन जो सामान्यतया घिसी हुई हालत में मिलते हैं। इनको छूने मात्र से गेरू रंग की धूल उंगलियों में लग जाती है जो इनके अत्यधिक घिसने वाले भाण्ड होने का परिचायक है। ये भाण्ड गंगा घाटी के उत्तरी भाग में प्राप्त होते हैं। इनका काल १२०० ई० पू० से पहले का माना गया है। ये बर्तन अपने रूप में बहुत कुछ हड़प्पा संस्कृति के बर्तनों के भांति प्रतीत होते हैं।

OFFSET — अन्तरलम्ब

OLD KINGDOM TIMES — पुरातन राजत्व काल

OLD TESTAMENT — पुरानी बाईबिल

OLDUVAI GORGE — ओल्डुवाई (टांगानिका) कन्दरा
टांगानिका (आफ्रिका) में एक बार चार सौ फीट का नद कंदर, जिसमें लिकी को बालक ओल्डुवाई, जिजान्थ्रोपस और एक आरम्भिक उत्तान मानुष की खोपड़ियां मिली थीं और जिसमें हॉस रेक को पहले एक मध्य पाषाणिक कंकाल मिल चुका था।

OLD WORLD — पुरानी दुनियाँ

OLIGOCENE — आदिनूतन
तृतीय कल्प का द्वितीय युग

ONAGER — गोरखर

ONE CELL — लघुकाय जीव

OOLITIC — उओलिटिक
द्वितीय चट्टानों के स्तरों की एक शृंखला जिसकी विशेषता यह है कि इसकी कई स्तरें असंख्य छोटे गोल अण्डों जैसे आकार के चुर्णियत पदार्थों की बनी है।

OPAL — ओपल, एक कीमती दुधिया पत्थर

OPEN — विवृत

OPEN RECORDS — अप्रतिबद्ध अभिलेख

OPSI-PALAEOLITHIC — अप्योपरान्त, पुरापाषाण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ORACLE BONE शकुन-अस्थि

ORANGUTAN ओरंग उटान

ORCHARD फलोद्यान

ORDINARY GRAVER साधारण ग्रेवर

ORDNANCE MAP भूमिती चित्र

ORDOVINIAN अवर प्रवालादि

ORDOVINIAN AGE अवर-प्रवाल युग

ORE अयस्क, कच्ची धातु

OREOPITHECUS ओरियोपिथॆकस

मीओसीन-प्लीओसीन काल का इटली से प्राप्त हुआ वानर (प्राइमेट) जिसे कुछ पुराजीव-विकास वैज्ञानिक मनुष्य का पूर्वज मानते हैं।

ORGANIC जीवाणु

ORGANIC EVOLUTION जैव विकास, प्रांगिक उद्विकास

ORGANIC MATERIAL जैव पदार्थ

ORGANIC SEDIMENTS जैव अवसाद

ORGANISATION संस्था

लोगों का ऐसा समूह जो किसी प्रयोजन के लिए संगठित हुआ हो। जिसमें किसी क्रिया विधि के नियमों का पालन किया जाता हो। जिसकी बनावट कहीं कम और कहीं अधिक जटिल ढंग से होती है। एक व्यक्ति अनेक विभिन्न संस्थाओं का सदस्य हो सकता है।

ORIENTAL प्राच्य

ORIENTAL INSTITUTE प्राच्य समिति

ORIENTATION दिग्वलन

ORIGIN उत्पत्ति, मूल उद्गम, उद्भव

ORIGINAL STATE OR INSITU यथास्थिति

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ORIGINATE	उद्भूत
ORNAMENT BRACKET	टोड़ा अलंकार
ORNITHOLOGIST	खगवैज्ञानिक
OSSUARY	अस्थिमात्र, अस्थिधानी,
OSTEAL	आस्थिक, अस्थि-संवेद्य
OUT-GOING	बहिर्गत
OUTWARD MEASUREMENT	बहिर्मुखी माप
OUTWARD BLOW TECHNI-QUE	बहिर्मुखी संघात प्रविधि
OUTER-HIMALAYAS	बहिर्-हिमालय
OUT OF PLAIN	आकार (के बाहर)
OVAL	अंडाकार मण्डलाकार
OVAL COUP-DE-POING	अंडाकार, मुष्टीछुरा
OVATE HANDAXE	अंडाकार (वा ओवेट) हस्तपरशु
OVERLAP	ऊर्ध्वशायी
OVERLAPPING	परस्पर व्याप्त
OVERSHOT	उपरितल
OVERSTRATIFI-CATION	अतिरिक्त थरनोंद
OVIBOS MOSCHATUS	कस्तूरी-वृषभ
OVULATION	डिम्ब क्षरण
OWNERSHIP	स्वामित्व
OXBOW LAKE	मृत झील या मोडदार झील
OXIDE	आक्साईड

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

P

PADDLE WHEEL क्षेपणी चक्र

PAINTED GREY WARE चित्रित घूसर मृत्पात्र

PAINTED GREY WARE CULTURE चित्रित घूसर मृत्पात्र संस्कृति

काले अथवा सफेद रंग से चित्रित घूसर रंग के बर्तनों के विशेषरूप से पाये जाने के कारण संबंधित संस्कृति को यह नाम दिया गया है। इस संस्कृति में चित्रित घूसर मृत्पात्र, प्रारम्भिक स्थिति में तांबा, किन्तु शीघ्र ही लोहे के प्रयोग के प्रमाण, एवं मिट्टी के लेप से बनाये गये घर, चावल एवं घोड़े के उपयोगों के प्रमाण मिलते हैं। यह संस्कृति पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं उत्तरी राजस्थान में पायी गयी है। इसका काल लगभग ११००-६०० ई० पू० माना गया है।

PAINTED PEBBLE रंगीन गोटा

PAINTING चित्रांकन, लेपचित्र, लेपचित्रण

PAINTING, COGUL ROCK कोगुल शिला चित्रकारी

PAINTING FIGURE आकृति चित्र

PAINTING LASCAUX लेस्को चित्रकारी

PAINTING NIAU X CAVE नियोग गुफा (फ्रान्स में) चित्रकारी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PAIR युगल, जोड़ा

PAIRED युग्मित

PALAEO-ANTHROPOLOGIST पुरामानवशास्त्री

PALAEO-BOTANY पुरावनस्पतिशास्त्र

PALAEO-BOTANIST पुरावनस्पति शास्त्रज्ञ

PALAEOCLIMATOLOGY पुराजलवायुविद्याशास्त्र

PALAEOGRAPHY लिपिविज्ञान

PALAEOGRAPHIST पुरालिपिज्ञ

PALAEOGEOGRAPHY पुराभूगोल

PALAEOLITHIC पुरापाषाण

PALAEOLITHICUM पुरापाषाणयुग

PALAEOLITHIC AGE पुरापाषाणयुग, पूर्व-पाषाणकाल, पुराश्मकाल, पुराप्रस्तर-युग

मनुष्य के उपकरण बनाने का प्रारम्भिक काल जब उसने भद्दे किस्म के आयुध बनाये। भारतीय पुराश्मकाल तीन भागों में विभक्त किया गया है। पूर्व, मध्य एवं उत्तर पुराश्मकाल।

PALAEOLITHIC LOWER प्रारंभिक पूर्व पाषाणकाल

PALAEOLITHIC MIDDLE मध्य-पूर्वपाषाणकाल

PALAEOLITHIC UPPER परवर्ती-पूर्व-पाषाणकाल

PALAEONTOLOGY फासिल विज्ञान, जीवाश्मविज्ञान

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PALAEONTOLOGIST	पुराभूगर्भशास्त्री, जीवाश्मवैज्ञानिक पुराजीवनविकासवैज्ञानिक
PALAEOZOIC	प्राचीन-जीव-युग, पुरातन-जीव-काल, पुराजीवीय, पुराकल्प फासिलमय चट्टानों का प्राचीनतम संस्थान
PALAEOZOOLOGY	पुराप्राणिविज्ञान
PALATE	तालु
PALISADE	आधुनिक चबूतरा
PANCHROMIC	सर्ववर्णिक
PANDANUS	केवडा
PANDU RAJAR DHIBI	पाण्डु राजार ढिबी पश्चिम बंगाल के बरद्वान जिले में हड़प्पोत्तर ताम्रपाषाण युगीन स्थल। यहाँ प्रथम काल ताम्रपाषाणयुगीन था जिसमें पत्थर के फलक, नवाश्मयुगीन हस्तपरशु, लाल तथा काले-लाल मृद्भांड, टोटीवाले प्याले मिले। दूसरा काल खण्ड ई० पू० १०१२ वर्ष निश्चित किया गया है जिसमें लोहयुगीन आबादी के अवशेष मिले हैं।
PAPER-MULBERRY	कागजी शहतूत
PAPER-PULP	कागज का गुद्दा
PAPER SPLITTING	कागज की पर्त काटना
PARABOLA	अनुवृत्त, अनुवृत्तीय
PARAFFIN WAX	पॅराफिन वॅक्स, मोम
PARALLEL TRENCHES	समानान्तर खुदाई
PARCHMENT	पत्र, चर्मपत्र, पार्चमेन्ट
PARASTATIC MAGNEMETER	चुम्बकीय क्षेत्र-मापक
PARASITISM	परोपजीविता
PARENT	जनक, पितर, मां बाप, पूर्वज, पुरखे

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PASSAGE, RIGHT OF BED मार्गाधिकार, संक्रमणस्तर

PASTEUR पास्तियर

PASTORAL STAGE पशुपालन स्तर

PATALIPUTRA पाटलीपुत्र (आधुनिक पटना)
बिहार की राजधानी जिसके प्राचीन साहित्य में अनेक उल्लेख मिलते हैं। ई० पू० ४५९-४४३ में यह उदयन की राजधानी थी। अशोक के काल में यहाँ तीसरी बौद्ध संगति का आयोजन हुआ था। मेगस्थनिज ने इसका वर्णन किया है। १९१२-१६ में यहाँ प्रथम बार खुदाई की गई। इसके पश्चात् यहाँ कई बार खुदाई हुई जिसमें मौर्य, शुंग, कुषाण एवं गुप्त कालीन अनेक महत्वपूर्ण अवशेषों का पता चला है।

PATEN रकाबी

PATINA (TION) हरिद्वर्ण
मनुष्यनिर्मित आयुध एवं अन्य वस्तुओं तथा प्रस्तर खण्डों की सतह पर मौसम के प्रभाव से एक रासायनिक तह जम जाती है जो हरे रंग की होती है। इसे ही उपयुक्त नाम दिया गया है। किसी एक स्थान एवं स्तर से पाई गई वस्तुओं के पूर्वापर कालक्रम को जानने के लिए उनकी हरिद्वर्ण स्थिति से काफी सहायता मिलती है।

PATINATION DATING हरिद्वर्ण कालमापन पद्धति

PATRIARCHAL पितृसत्तात्मक

PATTERN प्रतिमान

PAUNI पौनी, पवनी
महाराष्ट्र के भंडारा जिले में है। यहाँ से क्षत्रप रुपिअम्म का शिलालेख तथा वाकाटक राजा प्रवरसेन द्वितीय का ताम्रपट मिला है। यहाँ चार टीले हैं जिनमें स्तूप हैं जिनके नाम जगन्नाथ, चांडकापुर, हरदोलाल एवं सुलेमान है। इनमें से दो जगन्नाथ एवं चांडकापुर की खुदाई की गई। जगन्नाथ स्तूप की रचना पेटिका (BOX-TYPE)

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पद्धति से की गई थी । इसके सांची एवं भारहुत की भांति तोरण, प्रदक्षिणा-पथ, कठड़ा थे जिन पर शुँगकालीन शिल्प एवं लेख उत्कीर्ण पाये गये हैं । कुल मिलाकर पौनी शुंग-सातवाहन काल में हीनयान बौद्ध धर्म का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था ।

PAVNAR — पवनार

महाराष्ट्र में वर्धा के पास है जो श्रीविनोबा भावे के निवास से अधिक प्रसिद्ध है । कुछ विद्वान् इसे वाकाटक ताम्र पटों में उल्लेखित प्रवरपुर बताते हैं । यहाँ वाकाटक कालीन शिल्पकला के कुछ अवशेष मिले हैं जिनमें गंगा की मूर्ति तथा कुछ रामायण, महाभारत के शिल्पपट दर्शनीय हैं । यहाँ सातवाहन एवं उत्तरकालीन वस्ती के अवशेष एवं रोमन मृद्भाण्ड मिले हैं ।

PEAR-SHAPED — नाशपात्याकृति

PEAR-SHAPE HANDAXE — नुकीला हस्तपरशु

PEAT — पीट, जीर्णक

PEBBLE — पेबुल पिण्ड, उपल औजार, गोटा, कंकड । पानी से घिसकर गोल हुये पत्थर को तोड़कर या फाड़ कर बनाया गया एक अपरिष्कृत औजार पेबुल ऐसे पत्थरों को कहते हैं जो नदियों में बहने एवं लुढ़कने के कारण चिकने हो जाते हैं । किनारे के घिसने के कारण वे गोलाकार अथवा अंडाकार से हो जाते हैं ।

PEBBLE BUTTED HANDAXE — पेबुल-समन्तान्त, हस्तपरशु

PEBBLE CHOPPER — पिंड लवित्र

PEBBLE CONGLOMERATE — पत्थरों का एक मजबूत घर, गोटा एवं पत्थरों का बांध

PEBBLE HANDAXE — पिण्ड हस्त परशु

नदी में लुढ़ककर गोल हुये पत्थरों से चिप्पड निकालकर बनाए गए हस्त परशु ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PEBBLE SCRAPER पिण्ड खुरक

PEBBLE-TOOL INDUSTRY पेबुल उपकरण उद्योग

PECKED (TOOL) टंकित

PEDESTALLED BOWL साधार कटोरा

PEDESTALLED CUP साधार चषक

PEKING MAN पेकिंग मानव

PENDANT CHAIN लटकन लड़ी

PENDLEBURY, JOHN D.S. पेण्डलबरी, जॉन डी० एस० (१६०४-४१)
इस ब्रिटिश पुरातत्त्वज्ञ ने १६२० में इजिप्त के अमार्ना में उत्खनन किया। इसके पश्चात् उन्होंने क्रीट के पुरातत्त्व पर संशोधन किया। इनकी १६३६ में लिखी 'आर्किऑलॉजी ऑफ क्रीट' पुस्तक प्रसिद्ध है।

PENINSULAR INDIA प्रायद्वीपीय भारत

PENINSULAR PLATEAU प्रायद्वीपीय पठार

PENULTIMATE उपांतिम

PEOPLE लोग

PEOPLE OF THE BOOK धर्मग्रंथ में वर्णित व्यक्ति

PEOPLE OF THE LEAVES पर्णांक लोग

PERCEPTION प्रत्यक्ष ज्ञान

PERCUSSION संघात

PERCUSSION METHOD प्रहार विधि

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PERFORATED छिद्रित

PERFORATED BRAZIER छिद्रित अंगीठी

PERFORATED JAR छिद्रित मटका, गगरी

PERFORATED STONES छिदे पत्थर

PERFORATOR छिद्रक

PERIGLACIAL हिमावर्तन प्रभावित
हिमायित प्रदेश की ठंडक से, उसके आसपास के क्षेत्र भी प्रभावित होते हैं और उनकी जलवायु में परिवर्तन होता है। ये क्षेत्र हिमावर्तन प्रभावित कहे जाते हैं।

PERIGLACIAL ZONE परिहिमायित मण्डल

PERIOD काल अवधि

PERIMETER परिसीमा

PERIPHERAL NACLEATES परिधीय केन्द्रक

PERIPHERY परिधि

PERISTYLAR परिस्तंभिय

PERMIAN पर्मियन (युग), गिरिकाल, गिरियुगीन

PERMISSION अनुमति

PERMUTATION क्रमचय

PERSIAN CIVILIZATION पर्सियन सभ्यता

PERSONIFICATION मानवीकरण

PERSPECTIVE दूरदृश्यलघुता, परितारिका

PETRIE, SIR FLINDERS पेट्री, सर फिलण्डर्स (१८५३-१९४२)
पुरातत्त्व के इतिहास में इनका नाम सर्वाधिक प्रचलित है। इजिप्त, पेलेस्टाईन, ग्रीक आदि मृद्भाण्डों पर इन्होंने खोज कार्य किया। खुदाई में स्तरशास्त्र का प्रयोग इन्होंने बड़ी सूझ-बूझ से किया। १८९४ में इजिप्त के नाकदा में

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हुआ उत्खनन सर्वप्रसिद्ध है। इन्होंने ही सिक्वेन्स डेटिंग का पुरस्कार किया। खुदाई में मिली सभी छोटी-बड़ी चीजों का लेखा-जोखा (RECORDING) एवं यथार्थ वर्णन इनकी विशेषता थी।

PETRIFICE	अश्मीभूत
PETROLOGY	चट्टान विज्ञान, शैल विज्ञान, शैलिकी
PHALLIC	लिंग
PHALLICISM	लिंगपूजा
PHALLIC STONE	लिंग-पाषाण
PHARAOH	फेरो, फान (प्राचीन मिस्र के सम्राटों की उपाधि)
PHASE	काल, प्रावस्था, चरण
PHENOMENON	प्रपंच
PHILOSOPHY	दर्शनशास्त्र
PHOTOGRAPH	छायाचित्र, आलोकचित्र
PHOTOGRAPHIC TOWER	छायाचित्रण का मनोरा, आलोकचित्रण का मनोरा
PHOTO MULTI-PLIER TUBE	प्रकाश इलेक्ट्रान संवर्द्धक नली
PHYLLITE	पर्णिज
PHYSICS	भौतिक शास्त्र
PHYSICAL	भौतिक
PHYSICAL ANTHROPO-LOGY	जैविक नृतत्त्व
PHYSICAL FEATURES	प्राकृतिक बनावट
PHYSICAL INTEGRATION OF RECORDS	अभिलेखों का वास्तविक एकीकरण
PHYSIOGRAPH-ICAL	भौताकृतिक
PHYSIOLOGY	दैहिकी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PICE कच्ची ईंट
PICK गैंती
PICK AXE गैंती, कुदाली
PICKMAN गैंतीवाला, खनक
PICTOGRAM चित्रलेख, चित्राकार
PICTORIAL METHOD चित्र-विधि
PICTURE चित्र
PIER पाया
PIGMY FLAKE खर्वधारवाला हथियार, खर्व
PILLAR स्तम्भ, लाट
PILLAR EDICT स्तम्भलेख
PIN DISC गोल पिन
PIN EYELET अक्षिका पिन
PIN KNOT-HEADED गंठीले सिर की पिन, ग्रंथिशीर्ष पिन
PINNACLE शिखर
PIN RACKET रैकेट पिन
PIN WHEEL चक्र कील, चक्र पिन
PISE मृत्स्कन्व, मटकंधा, गोन्दा, कच्ची ईंट
PIT OR TRENCH गड्ढा, गर्त
PITCH आनाति
PITCHER घड़ा
PIT CIRCLE गर्त कोष्ठ, खाई वृत्त
PIT DWELLING गर्तावास
PITHECANTHROPUS ERECTUS पिथैकैन्थ्रोपस की एक स्पीशिज, जिसे जावा से प्राप्त हुई एक विशाल और पाशविक-सी खोपड़ी के आधार पर पहचाना गया है।
PITT RIVERS पिट, रिव्हर्स (१८२७-१९००)
ब्रिटिश सैनिक जिसका असली नाम आगस्टस हेनरी था। लेनफाक्स ने इनका नाम पिट रिव्हर्स रखा। रिव्हर्स ने इजिप्त में खुदाई की किन्तु दक्षिण इंग्लैण्ड के कारब्रोर्न चेस में की गई खुदाई से ये अधिक प्रसिद्ध हुए।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PIT TOMB गर्त तुम्ब
PLAGUE ठिकरा
PLAIN सादा मैदान
PLAN मानचित्र, भूमिज-विन्यास, योजना
PLANE समक्षेत्र
PLANE TABLE SURVEY समसतह फलक सर्वेक्षण
PLANNED SURVEY योजनाबद्ध सर्वेक्षण
PLANO-CONVEX सपाटोन्ततोदर
PLANO-CONVEX BRICK समोत्तल ईंट
PLANT KINGDOM वनस्पति जगत्
PLASTER OF PARIS प्लॅस्टर ग्रॉफ पॅरिस
PLASTIC ART ग्रभिघटन कला
PLATE (ILLUSTRATION) चित्रफलक, तश्तरी, पट्ट
PLATED MANES घोड़े का विभूषित बाल
PLESIOSAUR प्लेसियोसौर, सिन्धुगोधा, समुद्रीसरट
मध्यजन्तुक युग का समुद्री प्राणी जिसकी गर्दन लम्बी ग्रौर

पतली होती थी। ग्रगले तथा पिछले पैर सरीसृपों के समान ही थे। तथा उसकी दुम होती थी।

PLIESTOCENE पलायस्टोसीन, ग्रभिनूतन, प्रातिनूतन
चतुर्थक नामक 'भौतात्त्विक' युग का पूर्वकाल जिसमें उपकरण निर्माता मानव का उद्‌भव हुग्रा। इस काल में पृथ्वी के जलवायु में प्रथम बार-बार घोर परिवर्तन हुए।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अबसे लगभग दस लाख वर्ष पूर्व बारह हजार वर्ष पूर्व तक चला।

PLINTH कुर्सी

PLOUGH हल

PLOUGH AGRICULTURE हल-कृषि

PLUMB-BOB साहुल

PLUTONIC अधोध्वनित

PLUTONIC ROCKS प्लुटानिक चट्टानें

वे चट्टानें जो सम्भवतः पृथ्वी की काफी गहराई में गर्मी के प्रभाव से उत्पन्न हुई हैं।

PLUVIAL अतिवर्षा काल, वृष्टयावर्तन

औसत तापमान में कमी के साथ ही आर्द्रता की मात्रा बढ़ने से उष्ण कटिबन्धों में वृष्टयावर्तन की स्थिति होती है। इन क्षेत्रों में तापमान औसत अधिकवृष्टि के फलस्वरूप नदियों, झीलों, वन्यप्रदेश की अधिकता हो जाती है। इसके ठीक विपरीत अवस्था को वृष्टिप्रत्यावर्तन कहते हैं जिसमें तापक्रम की वृद्धि, आर्द्रता की न्यूनता के कारण शुष्क जलवायु, सूखी नदियां एवं झीलों तथा वन्य प्रदेशों की कमी होगी

PLUVIAL AGE वर्षायुग

POINT अस्त्राग्र, बाणाग्र, वेधनी

पत्थर, हड्डी या धातु का बना नोकदार आयुध जो बाणाग्र के रूप में प्रयोजित रहा होगा।

POINT LAUREL LEAF लॉरेल पत्राग्र, लॉरेल पत्रवेधनी

POINT OF IMPACT सम्पर्क विन्दु

आघात स्थल के जिस केन्द्र पर सम्पर्क स्थापित होता है उसे सम्पर्क बिन्दु कहते हैं।

POINTED नुकीला, नोकदार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

POINTED OBLATE	नुकीला कार्यांग, ग्राक्षिक
POINTER	संकेतक
POINT OE PER-CUSSION	सम्पर्क बिन्दु
POKER	ग्रंगारशलाका, सूग्रा, छिद्रक
POLE SURVEY	डण्डे द्वारा निरीक्षण
POLISH	ग्रोप
POLISHED STONE AXE	मार्जित प्रस्तर परशु नवाश्म काल के प्रस्तरपरशु जो घिस-घिसकर चिकने एवं सूघड बनाये गये हैं ।
POLISHED STONE IMPLEMENT	ग्रोपदार पाषाण उपकरण
POLITICAL SCIENCE	राजनीति-विज्ञ न
POLLEN	पराग
POLLENGRAIN ANALYSIS OR VEGETATION AND POLLEN ANALYSIS	पराग विश्लेषण, पराग परीक्षण तुषारयुगीन परागों के विश्लेषण से विभिन्न क्षेत्रों के लिये एक तालिका तैयार करके तिथि निर्धारण का प्रयास किया जाता है । तुषारयुग में जो पराग एक पुष्प से दूसरे पुष्प में संकेतित हुए ग्रथवा हवाद्वारा दूसरे स्थानों पर बिखर गये उनके रूप में कोई परिवर्तन नहीं हुग्रा । ग्राज वे 'पुरावनस्पतिशास्त्र' के ग्रध्ययन के विषय हैं । इस परीक्षण से स्थान की जलवायु एवं वनस्पति ग्रादि काल से ग्रब तक के हुए परिवर्तनों के विषय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है । स्काटलैण्ड में इस प्रणाली को उपयोग में लाया गया ग्रौर इसी के ग्राधार पर मनुष्य की तिथि ई० पू० ७००० वर्ष निर्धारित की गई ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

POLL TAX प्रतिपुरुष कर

POLYCHROME बहुरंगा

POLYCHROME VASE बहुरंगी पात्र

POLYCLADINE DEER बहुश्रृंगी हरिण

POLYGONAL CIST बहुभुजी शवपेटिका

POLYPE बहुभुजाधारी कीट

POMPY पॉम्पी

इटली का प्रख्यात प्राचीन स्थान। ई० स० ७९ में व्हेसूव्हियस ज्वालामुखी से इसका विध्वंस हुआ और सारा शहर राख में दबकर रह गया। यहाँ प्रायः २०० वर्ष खुदाई कर राख में दबे अवशेष निकाले गये। इस ज्वालामुखी के उद्रेक का वर्णन रोमन इतिहासकार प्लिनी ने अपने मित्र टेसिटर को लिखे पत्र में किया था।

POOR PRESERVATION कुरक्षण

PORPHYRITIC परिमूक्तशिला, पार्फिरायटीक

POROUS छिद्रल

PORTABLE वहनीय

PORTABLE ART वहनीय कला

PORT-HOLE प्रवेशन-छिद्र

PORT-HOLE CIST प्रवेशन छिद्र बयिन, मुकासिस्ट, गवाक्षित शवाधान

PORT-HOLE STONE गवाक्ष पाषाण

POST-CREMATION BURIAL शवास्थि निखात

शव को जला देने पर हड्डियों को चुनकर गाड़े जाने को शवास्थि निखात कहते हैं।

POST EXPOSURE BURIAL उत्सर्गोत्तर शवाधान

POST GLACIAL हिमोत्तर, हिमाच्छादनोत्तर, अनुकूलतम काल

POST-HOLE खम्भा गर्त

POST-STRUCTURE बाद में बनाया हुआ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

POSTURE — जगह, ढंग, मुद्रा

POTASSIUM ARGON DATING — पोटॅशियम आर्गॅन कालमान
१९६१ में जे० एफ० एव्हर्नडेन तथा जी० एच० कर्टि ने कालमापन की इस विधि की खोज की। इस विधि से लगभग ढ़ाई हजार से चार अरब वर्ष प्राचीन शिला, चट्टानों का काल निश्चित किया जाता है।

POT — धातु, मिट्टी का पात्र

POT BONE — अस्थिपात्र

POT-REST — भाण्डाधार

POTSHERD — ठीकरा, भाण्ड खण्ड

POTTER'S WHEEL — कुम्हार का चाक

POTTERY — मृद्भाण्ड

POTTERY-ASSISTANT — कुम्भकला सहायक

POTTERY MENDING — टूटे बर्तनों की दुरूस्ती

POTTERY SHED — मृद्भाण्ड कक्ष (शाला)

POTTERY WASHING — मिट्टी के बर्तनों की धुलाई

POTWAR — पुठवल

POUNDER — मूसल

PRAKASHE — प्रकाशे
महाराष्ट्र के घूले जिले में तापी नदी के किनारे है। यहां की प्रथम आबादी ताम्रपाषाणकाल की द्योतक है।

PRE-ANIMISITIC STAGE — प्राक् जडात्म अवस्था

PRE-DYNASTIC — प्राग्वंशीय

PRE-CAMBRIAN — पूर्व त्रिखण्ड

PREFABRI-CATED — पूर्व-विरचित

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PREHISTORIAN प्रागितिहासविद्

PREHISTORIC प्रागैतिहासिक

PREHISTORIC ARCHAEOLOGY प्रागैतिहासिक पुरातत्त्व

PREHISTORIC EARTHWORK प्रागैतिहासिक मिट्टी की भित्ति

PREHISTORIC PAINTING प्रागैतिहासिक चित्रकारी

PREHISTORIC PERIOD प्रागितिहास काल

मनुष्य के प्रादुर्भाव से लेकर इतिहास की लिखित सामग्री की प्राप्ति से पूर्व तक का काल प्रागैतिहासिक माना जाता है। विभिन्न स्थान एवं देश के लिये इसकी तिथियां भिन्न-भिन्न हो सकती हैं। मानव का अभ्युदय सर्वनूतन युग के चतुर्थक काल में लगभग ८ करोड़ वर्ष पूर्व हुआ। भारतीय प्रागैतिहासिक का दूसरा छोर लगभग ३००० ई० पू० में आता है।

PREHISTORIC SOCIETY प्रागैतिहासिक समिति

PREHISTORY प्रागितिहास

ऐतिहासिक काल से पहले मानव कथा का अध्ययन प्रागितिहास कहा जाता है। मानव की उत्पत्ति काल से अब तक के उसके २४ घण्टे के जीवन में से पौने चौबीस घण्टे से भी अधिक प्रागैतिहासिक रहा है।

PRE-LITERATE प्राक्-अक्षर

PRELOGICAL प्राक्तन मनोवृत्ति

PREPARED CORE TECHNIQUE गढ़ा (निर्मित) कोर प्रविधि

PRESERVATION परिरक्षण, परिरक्षा

PRE-SOHAN प्राक्-सोहन

PRE-SOLUTREAM प्राक्-साल्पुत्री

PRESS दाब

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PRESSING BOARD — शिकंजा

PRESSURE COOKER — दबावपाची

PRESSURE FLAKING — दाब शल्कन

PRESSURE — निपीड, दबाब

PRESSURE TECHNIQUE — निपीड प्रविधि

PRICKER — वेधनी, चुभनी, सूश्रा, टोचा

PRIEST — पुरोहित, पुजारी

PRIMAEVAL MATTER — आद्य पदार्थ

PRIMARY FLAKE — प्राथमिक फ्लेक

PRIMARY FLAKING — प्राथमिक फ्लेकीकरण

PRIMARY PERIOD — प्राथमिक काल

PRIMATE (S) — उच्च स्तन्य

PRIMATE — वानर (प्राईमेट)
स्तन्यप्रायी प्राणियों की वह श्रेणी जिसमें लीमर, तार-सिमर, बन्दर, कपि और मनुष्य सम्मिलित हैं।

PRIMITIVE — आदिम

PRIMITIVE HABITATION — आदिम बस्तियां

PRIMITIVE RACE — पूर्वंग-प्रजाति

PRIMITIVE SCIENCE — आदिकालीन विज्ञान

PRINTS — छापचित्र

PRINTING — छायाचित्रों की छपाई

PRISMATIC (OIL COMPASS) — समपार्श्वीय (तैलदिक्सूचक)

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PROBATIONARY परिवीक्षाधीन
PROBING छिद्र प्रवेश
PROCEDURE क्रियाविधि
PROCESS प्रक्रिया
PROCESSING अभिसंस्कार
PROCONSUL प्रोकौंसल
पूर्वी आफ्रिका का एक विलुप्त हो चुका वानर, जो कपियों, और आस्ट्रेलोपिथेसाइनों और मनुष्यों का पूर्वज रहा होगा।

PROJECTION PRINTING प्रक्षेप, मुद्रण
PROPORTION OR MEASURE OR CORRECT PERCEPTION प्रमाण
PROPULSION प्रणोदन
PROSECUTOR अभियोजक
PROSTRATION अवनमन
PROTEROZOIC पूर्वपुराजीवीय
PROTEROZOIC प्राग्जीव कल्प, आदि-कल्प, प्रारंभिक जीवयुग
PROTOCOL आद्य-नयाचार
PROTOMA (पशु) आग्रीव अलंकरण
PROTO-NEOLITHIC आद्य-नवपाषाण
PROTO NEOLITHIC CULTURE आद्य-नव पाषाण संस्कृति
PROTO-HANDAXE आद्य-हस्तपरशु
PROTO-HISTORIC आद्य-ऐतिहासिक, पुरा ऐतिहासिक
PROTOHISTORIC PERIOD आद्य-ऐतिहासिक काल
यह नाम इतिहास के 'आदिकाल' को दिया गया है। भारत में इस शब्द का प्रयोग 'पाषाण-युग' के उपरान्त एवं मौर्यों के इतिहास के प्रारम्भ के बीच के काल अर्थात्

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

लगभग ४०००-४०० ई० पू० से सम्बन्धित है। इस प्रकार इसमें सैन्धव सभ्यता के एवं ऐतिहासिक काल से पूर्व की कई अन्य संस्कृतियां आ जाती हैं।

PROTOHISTORY आदीतिहास, इतिहासपूर्वकाल
द्रष्टव्य PROTOHISTORIC PERIOD

PROTO-HUMAN आद्य मानव, पुरा मानव

PROTOHUMAN FORM पुरामानव सम-रूप

PROTO-MICROLITHIC आद्य-लघुपाषाण

PROTO-SOLUTREAN आद्य-साल्युत्री

PROTOTHERIA (MONOTREME) अंडज, स्तन्य, पुरा स्तन्य

PROTOZOA एककोषी जीव, प्रजीव

PROVENANCE प्राप्ति-उपलब्धि-स्थान

PSYCHIC UNITY OF MANKIND मानव-मात्र की चिन्तन-समता

PSYCHOLOGY मनोविज्ञान, मानसशास्त्र

PUBLICITY प्रख्यापन, प्रकाशन, प्रसिद्धि, विज्ञापन

PULLEY घिरनी

PULLEY-BLOCK घिरनी धानी

PULP गुद्दा

PUMP MOULDING मोटी गढ़त

PUNCH छेनी

PUNCH MARKED COIN आहत सिक्का
चांदी के चौकोर, अण्डाकार अथवा अज्यामितिक आकार के सिक्के जिन पर 'चिन्हों' को आहत करके रूपित किया गया है। यह लगभग ६ ई० पू० से २ ई० पू० तक जारी किये गये और ईसा की दूसरी शती तक प्रचलित थे। कुछ तांबे के आहत सिक्के भी मिले हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

PUNCH TECHNIQUE	छेनी प्रविधि
PYRAMID	पिरॅमिड
PYRAMID TEXTS	पिरॅमिड लेख
PYRAMIDAL	सूच्याकार, शुंडाकार
PYRIFORM	नाश्पाती रूप
PYTHON	पाइथन ग्रीक देवकथा में वर्णित एक प्रकार का अजगर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Q

QUADRANGLE चतुकोन

QUADRANGULAR ADZE चौकोन बसूला

QUADRANT METHOD चौथ-पद्धति

QUADRANT METHOD OF EXCAVATION वृत्तपाद-उत्खनन
'वर्तुलाकार' शव निखातों के उत्खनन के लिये यह विधि अपनायी जाती है। इसमें शवस्थान को चार भागों में बांट दिया जाता है। और दो डोरियां माप के लिये उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर खूंटे में कीलें लगाकर बांध दी जाती हैं। इन चार भागों में डेढ फीट का रास्ता छोड़ दिया जाता है। प्रथम एक तथा तीन बाद में दो तथा चार वृत्तों में खुदाई की जाती है। आवश्यकतानुसार बीच का रास्ता भी हटाया जाता है।

QUALITATIVE गुणात्मक, परिमाणात्मक

QUARTZ क्वार्त्स, स्फटिक, गार, बिल्लोर

QUARTZITE स्फटिकाश्म

QUARTERNARY चतुर्थक
'नवजीवन' युग के दो उपविभागों में चतुर्थक अंतिम है। चतुर्थक में पहले भाग को तृतीयक नाम दिया गया है। चतुर्थक में ही मानव का उद्भव हुआ। इस युग को दो भागों में विभाजित किया गया है।
प्रातिनूतन एवं सर्वनूतन

QUARTERNARY PERIOD चतुर्थक काल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

QUEEN POST	मादा खम्भा
QUERN (ROTARY)	चक्की
QUERN (SADDLE)	चक्की का पाट
QUETTA	क्वेटा उत्तर बलोचिस्तान में एक प्राचीन स्थल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

R

RACE प्रजाति

RACEMIZATION TEST रेसमाइज़ेशन परीक्षण
प्राचीन हड्डियों के कालमापन की एक विधि

RACIAL नस्ली

RACIALISM प्रजातिवाद

RACIAL SYSTEM जातीय समुदाय

RACK DRYING सुखाने का रैक

RADIATION प्रकाश-प्रसरण

RADIO ACTIVE सक्रिय

RADIO ACTIVITY रेडिओ-सक्रियता

RADIOLOGICAL METHOD रेडिओलॉजिकल पद्धति
जिसमें क्ष-किरणों की सहायता से अश्मीभूत हड्डियों की प्राचीनता की तिथि निश्चित की जाती है।

RAILING कठड़ा, वेदिका

RAIN-FALL वर्षा

RAISED BEACH उत्थित पुलिया

RAKE भूमि को चिकना बनाने का हथियार

RANA-GHUNDAI राना घुंडई
राना घुंडई की संस्कृति ब्रिगेडियर रास द्वारा किये गये उत्खनन से ज्ञात होती हैं जिन्होंने इस टीले की विधिवत् खुदाई कर संस्कृतियों के क्रम को निर्धारित करने की चेष्टा की है। इनकी निश्चित तिथि अज्ञात है। केवल सापेक्ष तिथि ही हम जान सकते हैं। यहाँ संस्कृति के पांच स्तर मिले। प्रथम काल में सम्भवतः यहाँ अर्धसभ्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

लोग निवास करते थे। उनके पात्र हाथ से बनाये गये विभिन्न प्रकार की चित्रकारियों से युक्त हैं। साथ ही कुछ छोटे-छोटे पत्थरों के अवजार भी मिले हैं। द्वितीय युग के बर्तन चाक पर बनाये गये। इन पर विशेष रूप से बैल और बकरियों के चित्र बने हैं। तृतीय युग में यह स्थान निर्जन रहा। बाद में कुछ लोग यहाँ आकर निवास करने लगे और धीरे धीरे इस संस्कृति का विकास हुआ।

RANDOM RUBBLE अनगढ़ पत्थर-चिनाई

RANGAPUR रंगपुर
यह पूर्व लिम्बदी राज्य में भद्र नदी के तट पर स्थित है। यह धन्धूक रेलवे स्टेशन से तीन मील तथा लोथल के ३० मील उत्तर-पूर्व में है। यहाँ सर्वप्रथम खुदाई माधव स्वरूप वत्स ने की थी। १९४७ में श्री मोरेश्वर दीक्षित ने फिर यहां उत्खनन कराया और उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर इस स्थान की सभ्यता को सिन्धु युग के उत्तरकाल से सम्बन्धित बतलाया। तत्पश्चात् श्री एस० आर० राव ने इसकी खुदाई की और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि रंगपुर का टीला सिन्धु संस्कृति का है और यह मत अभी सर्वमान्य है।

RANGE अभिसीमा

RANGE FINDER दूरभाषी

RANGIFER TARANDUS बारहसिंघा

RANK पदस्थिति

RAPID PROCESSING क्षिप्र-प्रक्रिया

RARE दुर्मिल, क्वचित्

RASPS मोटी रेती

RAS SHAMRA रास शमरा
सिरिया के किनारे बसे इस शहर का प्राचीन नाम उगारिट

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

था। शोफर ने यहाँ उत्खनन किया था। यहां पूर्व नवाश्म, ताम्रयुग तथा कांस्ययुग में बस्तियां वसी हुई थीं। ई० पू० के आरम्भिक काल केआसपास उगारिट का अन्त हुआ।

RATIO — अनुपात

RATTLE — झुनझुना, झनझनाना

RAWLINSON, SIR HENRY CRESWICKE — रॉलिन्सन, हैनरी क्रेसविक (१८१०-९५)। पहले वे भारत में सेनाधिकारी थे। बाद में वे ईरान गये। जहाँ बेहिस्तून के प्रस्तरों पर अंकित लेखों के ठप्पे लेने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया। क्यूनिफार्म लिपि के लेखों का वाचन भी इन्होंने किया। १८४७ में इन लेखों के भाषान्तर सविवरण इन्होंने प्रसिद्ध किये थे।

READING — पाठ्यांक

REBUS — चित्रलिपि

RECENT — अभिनव (युग)

RECEPTION AND DEPOSIT OF RECORDS — अभिलेखों की प्राप्ति और निक्षेप

RECESS — गुहा, विश्राम

RECLINING — अर्धशायी

RECORD — अभिलेख, अंकन, टिप्पनी

RECORDER — अंकित

RECORDING — लेखा-जोखा

उत्खनन में पाई गई सभी वस्तुओं का उचित लेखा-जोखा रखा जाता है जिससे बाद में यह आसानी से ज्ञात हो सके कि कोई वस्तु अपनी वास्तविक स्थिति में किस प्रकार एवं किस स्थान पर पड़ी हुई थी। रेखा चित्रण, आलोक चित्रण एवं स्तर निर्देश, त्रिदिशात्मक लेखा-जोखा आदि से वस्तु की 'यथास्थिति' को बनाये रखा जाता है।

RECTANGULAR TOMB — आयताकार मकबरा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

RED CROSS BOWL	चौपडनुमा कटोरा
RED ON RED TECHNIQUE	लालभांड पर लाल रंग की प्रविधि
RED OCHRE	गेरू
RED POLISHED WARE OR RED SLIPPED POTTERY	लाल ओपदार भाण्डे
REED	रीड़, नरकूल, सरकंडा
REED HUT	सरकंडा कुटी
REFLECTION	परावर्तन
REFORMATION	पुनरुत्थान
REGIMEN-TATION	एकमार्गीकरण
REGION	प्रदेश
REGUR	सख्त काली मिट्टी
REJUVENATE	पुनर्जीवित
RELATIVE	सापेक्ष, सापेक्षिक
RELATIVE DATING	सापेक्ष-कालमान
RELATIVITY	सापेक्षित
RELIC OR REMAINS	स्मारक, धातु
RELIC CASKET	अवशेष मंजूषा
RELIC CHAMBER	अवशेष कक्ष
RELIC VESSEL OR RECEPTACLE	धातु-पात्र
RELIQUARIES	मंजूषायें
REMAINS	अवशेष
REMOTE PAST	सुदूर अतीत

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

REPETITIVE पुनरावर्ती
REPORT प्रतिवेदन
REPRESENTATION FRACTION प्रतिनिधि भिन्न
REPTILE सरीसृप, उरग, सर्पश्रेणी
RESEARCH अनुसंधान, गवेषणा, शोध
RESEARCH METHODOLOGY अनुसंधान—विधिशास्त्र
RESIDUAL SOIL अवशिष्ट मिट्टी
RESIN राल
RESISTENCE रोध
RESPONSE प्रतिभावन
RESTORATION OF MONUMENTS प्राचीन स्मारकों का पुनरुद्धार, पुनर्वसन
RESTICATED MASONRY संगीन चिनाई
RESTRICTION निर्बन्धन
RESTRICTIONS CONVENTIONAL रूढिगत बन्धन
RETENTION PERIOD अवधारण अवधि
RETINA दृष्टि पटल
RETOUCHED BLADE परिष्कृत फलक
RETOUCHING अनुशोधन
REVERSION प्रतिवर्तन
REVETMENT खंडजा
REVOLUTION FOOD अन्नोत्पादक क्रांति

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

RHYOLITE राइयोलाईट, बाह्याश्म
RIBBED WARE कमरखी भाण्ड
RICE चावल
RICH SITE सम्पन्न स्थल
RIDGE उद्रेख, कटक
RIFLED BARREL पेंचदार नली
RIM अॅवठ, कोर, किनारा
RING गोल छल्ला
RING METHOD छल्लाविधि
RING MOUND अंगूठीनुमा टीला
RING-SEQUENCE वलयानुक्रम
RINGS CONCENTRIC (ON POTTERY) समकेन्द्र घेरे
RING STONE वलय प्रस्तर
RING WELL मण्डल कूप, वलय कूप
RIPPLE MARK तरंग चिह्न
RIPPLED BADARIAN VASE लहरदार बंडेरी कलश
RISS रिस
RITUAL MONUMENT वलि-स्मारक
RIVER TERRACE नदी-वेढी, नदी सोपान
RIVER-VALLEY नदी-उपत्यका
RIVET कीलक
ROCK BORN शैलज
ROCK-CUT-CAVE तलि-गुफा, शैलकृत गुफा, शिलाकृत
ROCK EDICT चट्टान लेख, शिलालेख, धर्मादेश
ROCK FACADE शैल-गृहमुख
ROCK SHELTER शैल छाजन, गुहा-आश्रय, चट्टान-शरणस्थल
शैल खण्डों को छाजन के रूप में प्रयोग करके बनाये गये

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

निवास के स्थान जिनमें प्रकृतिनिर्मित गुहायें भी सम्मिलित हैं जहाँ प्रागैतिहासिक मानवों ने निवास किया था।

RODENT — कृन्तक, कुतरने वाला

ROE-DEER — हरिणी

ROOF-TRUSSESS — छत की केंचियाँ

ROJADI — रोजडी
सौराष्ट्र में राजकोट के पास ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति का प्राचीन स्थल है। यहाँ से ज्ञात उपलब्धियां रंगपुर से मिलती-जुलती हैं।

ROPPA CULTURE — रोप्पा संस्कृति
मैसूर प्रान्त के चीतलद्रुग जिले में ब्रह्मगिरि के रोप्पा गांव के पास मिली हुई पुराश्मयुगीन संस्कृति को यह नाम दिया गया है, जिसमें नवाश्म स्तर के नीचे क्षुद्राश्म प्राप्त हुए हैं।

ROSE HIPS — गुलाब के पत्ते

ROSETTO STONE — रोझेटा शिलालेख

ROSTRO CARINATE — गरुडचंचु-पाषाणान्तरक

ROTARY — घूर्णक

ROULETTED WARE — बिन्दुवर्तुल भूषित मृत्पात्र
दांतेदार पहियों से बनाये गये एक केन्द्रिय वृत्त की बिन्दी-दार परिधियों के अलंकरण वाला बर्तन। इस बर्तन में मुख्य रूप से भीतर मुड़ी हुई 'बारें' वाली तश्तरियां पाई गई हैं। इसमें भीतर की ओर बिन्दु-वर्तुलों का अंकन होता है। बढ़िया मिट्टी से चाक पर बनाये गये भूरे काले रंग के ये बर्तन अच्छे प्रकार से पकाये गये हैं और हल्के-हल्के ठोंकने पर धातु जैसी आवाज करते हैं। इन पात्रों पर प्राप्त अलंकरण मध्यसागरीय बर्तनों के अलंकरणों से प्रभावित हैं। ये मुख्य रूप से दक्षिण भारत में पाये जाते हैं। किन्तु इनके उदाहरण सागरतट के साथ-साथ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पश्चिमी बंगाल तक पाये गये हैं। इसका काल १ली-२री शती माना गया है।

ROUNDED गोलाकार

ROUNDED AXE गोलाकार कुठार

ROUND BARROW गोल निखात कूट, गोलस्तूप

ROUNDED-BUTT-AXE गोलाकार-कुठार

ROUNDED PEBBLE TOOL गोलाकार पेबुल उपकरण

ROUNDED SCRAPER गोलाकार स्क्रेपर

RUBBER मुलायम ईंट, प्रस्तर-घर्षक

RUBBISH SHOOT कूड़ा फेंकने की नाली

RUBRIC रुबरिक (हस्तलिखित ग्रंथ का मुख्य पृष्ठ)

RUBBLE अनगढ़ पत्थर

RUINS भग्नावशेष, खण्डहर, ध्वंसावशेष

RUNNER लट्ठा

RUPAD रूपड़

हडप्पा से २२० मील पूर्व सतलुज नदी के तट पर रूपड नामक स्थान है। यहां सर्वप्रथम माधवस्वरूप वत्स ने खुदाई की थी। इसमें भवनों के तो कोई अवशेष नहीं मिले किन्तु प्रौढ हडप्पा शैली की बहुत सी वस्तुएं मिलीं हैं। इसी आधार पर उन्होंने तत्कालीन स्थानीय संस्कृति को हडप्पा संस्कृति से सम्बन्धित बतलाया। यहाँ मिले कब्रिस्तान हडप्पा के 'आर-३७' से साम्य रखते हैं।

RUSSET-COATED POINTED WARE धूसर लेपित चित्रित मृत्पात्र

चूने या चीनी मिट्टी के पेस्ट में सीधी या मुड़ी रेखाओं से

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

बने अलंकरणों वाले बर्तन जिन पर धूसर गेरू के मोटे लेप लगाये गये होते हैं। इनमें कटोरे एवं तश्तरियां मुख्य रूप से पाई जाती हैं। ये बर्तन मुख्य रूप से दक्षिण भारत में पाये जाते हैं। इनकी तिथि लगभग ५०-२०० ई० मानी गई है।

RURAL — ग्रामीण

RUSTICATED MASONRY — खुरदरी चिनाई

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

S

SABEAN OR SABINES सेबियन लोग
दक्षिणी अरब की एक लोहयुगीन संस्कृति और उसकी वर्णमाला

SABRE-TOOTH TIGER कृपाण-दन्ती चीता

SACRUM त्रिकास्थि

SADDLE गर्त

SADDLE QUERN काठी चक्की
अनाज पिसने का पत्थर, एक सीधा-साधा उपकरण

SAIGA ANTELOPE सैंगा बारहसिंघा

SAKKARA सक्कारा
मेम्फिस (MEMPHIS) इजिप्त की प्राचीन राजधानी कैरो से २० मील दक्षिण की ओर का सबसे बड़ा कब्रिस्थान । झोसर (ZOSER) का स्टेप पिरामिड (ई० पू० २८००) इसका प्रमुख आकर्षण है ।

SALUKI सलूकी
शिकारी कुत्ते के ढंग का एक कुत्ता, जो गन्ध से नहीं अपितु देखकर शिकार करता है। यह अफगानिस्तान से लेकर अरब तक के मरुस्थल के प्रदेशों में पाया जाता है

SAMIAN WARE सामीअन मृद्भाण्ड
रोमन-ब्रिटिशकाल में प्रचलित मृद्भाण्ड जो चमकदार लाल या नारंगी रंग के होते थे तथा जिन पर विविध आकृतियां चित्रित रहती थीं। इसे TERRA SIGILLATA भी कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SAMPLE SURVEY	नमूनों की पड़ताल
SANCTUARY	अभयस्थान
SAND-DUNE	रेत का टीला
SAND-STONE	बलुआ पत्थर, बालू-पाषाण, सिकताश्म बालु का बना एक प्रकार का पत्थर
SARCOPHAGUS	सरकोफेगस, मिट्टी या पत्थर का बना कफन-बॉक्स जिसके आधार के लिये नीचे पाये जोड़े जाते हैं।
SATYR	अश्व–मानुष देवता
SAVAGE	वन्य, आरण्यक
SAVAGERY	वन्यता
SAWALDA	सावलदे महाराष्ट्र के खानदेश में तापी नदी के किनारे बसा ताम्र-पाषाणयुगीन स्थल है।
SCALE	मानदण्ड, पैमाना
SCALLOPED AXE-HEAD	नखाकार कुठाराग्र
SCALLOPED DECORATION	नखाकार अलंकरण
SCALLOPED PATTERN	नखाकार प्रतिरूप
SCAR	निशान
SCARLET WARE	लोहित भाण्ड
SCARP FAULT	कंगार-भ्रंश
SCHEDULE	अनुसूची
SCHEMATIZED	योजनाबद्ध
SCHIST	सूभाजा
SCHLLEMANN, HEINRICH	श्लीमान, हाइनरिश (१८२२-९०) पुरातत्त्वीय संशोधन के क्षेत्र में एक असाधारण व्यक्ति। उम्र के ४१ वें वर्ष उन्होंने अपना व्यापारी पेशा छोड़कर होमर के महाकाव्य में उल्लेखित ट्राय नगर की खोज की जिसके लिये उन्होंने अपना सारा जीवन और धन लगाया।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

१८७१ से १८९० तक उन्होंने खुदाई कार्य किया। हिस्सारलिक उत्खनन इनमें सुविख्यात है। इसके सिवा मायसिनी, टिरिन्स भी महत्त्वपूर्ण है।

SCHOOL OF ORIENTAL RESEARCH	प्राच्य अनुसंधान शाला
SCIENCE OF PLANTS	वृक्षायुर्वेद
SCIENTIFIC INFERENCE	वैज्ञानिक अनुमान
SCOOP	डोई
SCRAPER	कतरण, खुरचन
SCRAPER	चर्मकर्षकास्त्र, खुरचन-यन्त्र, क्षुरक, खुरचनी के लिये विशेष रूप से बनाई गई धार वाला आयुध। इनका प्रयोग खाल निकालने, लकड़ी को समथर करने आदि के लिये किया जाता रहा होगा। इस आयुध के कई प्रकार हैं। जैसे सीधे किनारों वाले, उन्नतोदर, मण्डलाकार, नुकीले उभारवाले, बीच से पोले अर्थात् छेद वाले आदि।
SCRAPER NOTCHED	दांतेदार खुरचनी
SCRAP FAULT	कंगार भ्रंश
SCRAPE RIDGE	उच्छृंग श्रेणी
SCREEN	पट
SCREWDRIVE GRAVER	पेचकस ग्रेवर
SCULPTURAL WEALTH	मूर्ति-सम्पदा
SCULPTURE	शिल्पकला
SCULPTURING TOOL	मूर्ति निर्माणयन्त्र
SCYTHE	खुर्प

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

SEAL ORR SEALING	मुद्रा, मुहर
SECONDARY	द्वितीयक
SECONDAY FLAKING	द्वितीयक फलकीकरण, दुबारा चिप्पड निकालना
SECONDARY INTERMENT	दूसरा शवाधान, गौण शवाधान
SECONDARY PERIOD	द्वितीयक युग
SECTION	काट, खण्ड, भाग, बीच से काटने पर कटे भाग का स्वरूप
SEDIMENT	चूर्ण, तलछट
SEDIMENTARY	अवसादित
SEDIMENTARY FORMATION	वे चट्टानें या निर्माण जो पानी में अवसादन या तलछट के रूप में बने हों।
SEDIMENTARY ROCK	परतदार चट्टान, स्तरीय चट्टान, जलमल चट्टान
SEGMENTED CIST	विभक्त ताबूत
SELECTION	वरण, चयन, चुनाव
SELF-EXPRESSION	आत्माभिव्यक्ति
SEMI-PRECIOUS STONE	उपरत्न
SENIORITY	प्रवरता
SEPULCHRE	शवस्थान
SEPULCHRAL CHALICE	समाधि-कटोरा
SEQUENCE	अनुक्रम (आबादियों का)
SERAPENUM	सेरापेनम् इजिप्त में सक्करा के निकट एक देवल १८५१ में जिसकी खोज मॅरीट्टे (MARIETTE) ने की।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SERIATION क्रमव्यवस्था

SERRATED दन्तुरित

SETTLEMENT बस्ती

SETTLEMENT PATTERN वसाहतरचना

SHADINGS OF SOIL मिट्टी के रंग-भेद या रंग

SHADOW प्रतिबिम्ब

SHADUF शादुफ
मिश्रवासियों का ऊंचाई की ओर पानी उठाने का एक उपकरण

SHAFT दण्ड, स्तम्भ

SHAFT-GRAVE गर्त कब्र

SHAFT STRAIGHTENERS शर सरलक

SHAFT TOMB गर्त तुम्ब

SHAKEL शैकल, बेबीलोनिया, फिनिशिया आदि देशों में प्रचलित एक तोल और सिक्का।

SHALES चिकनी मिट्टी से बना हुआ पत्थर

SHALLOW SAUCER छिछली तश्तरी

SHAMAN शामल
शिकारियों तथा अन्य सरल संगठन वाले लोगों का सब प्रयोजनों को पूरा करने वाला एक धार्मिक विशेषज्ञ जो उन लोगों में जिनके मध्य वह रहता है, बीमारी, खराब मौसम या अन्य किसी दुर्दैव के उत्पन्न विक्षोभ के बाद व्यक्तियों और समूह में पुनः सन्तुलन प्रस्थापित करता है।

SHANG शॉग
कांस्ययुग का एक चीनी राजवंश, जिसका शासन १७६५ ईस्वी से ११२३ ईसवी पूर्व तक माना जाता है।

SHANIDAR CAVE शानिदार गुफा
उत्तर इराक के भाग्रोस पर्वत में इस गुफा की खोज डा०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

राल्फ सोलेकी ने १९५१ में की थी। १९५३-५६ में यहाँ उत्खनन किया गया जिसके आधार पर इस गुफा में एक लाख वर्ष पूर्व निअण्डर थल मनुष्य रहता था यह सिद्ध हुआ है।

SHAPE आकृति

SHAREHOLDER अंशधर

SHARPLY CARINATED नुकीले उभारवाली

SHATTER EFFECT झटके का प्रभाव

SHEKEL शक्ल
मेसोपोटेमिया की कांस्ययुग की भार की एक ईकाई जिसमें सोना अपने से आठ गुने भार की चांदी के बराबर होता था।

SHELILAC शल्क-लाशा

SHELL प्रकवच

SHELLAC लाख

SHERD द्रष्टव्य—POTSHERD

SHISHUPAL-GADH शिशुपालगढ़
ओरिसा में भुवनेश्वर के निकट है। इसके निकट ही अशोक का धौली अभिलेख है। यहाँ १९४७-४८ में खुदाई हुई। यहाँ पहली वस्ती ई० पू० ३०० में बसी थी। दूसरी ई० पू० २०० से १०० में, तथा तीसरी बस्ती ई० स० २०० से ३५० में, दूसरे काल खण्ड में इसकी चारों ओर तट की प्राचीर थी जिनमें लैटराईट पत्थरों के भव्य प्रवेशद्वार बने थे। इसी के उत्तर काल में रोमन सिक्कों के मिट्टी के सांचे, हुविष्क का ताम्बे का सिक्का एवं तीसरे काल खण्ड में कुषाण सिक्के मिले हैं।

SHOULDER-BLADE कंधास्थि फलक

SHOULDER BLADE INDUSTRY लघुफलक उद्योग

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SHOULDER HOE	स्कंधीय 'हो', कंधेदार गुड़ाई का उपकरण
SHOULDER TOOL	स्कंधीय औजार, उपकरण
SHOULDER POINT	स्कंध-अस्त्राग्र
SHOVEL	फावड़ा
SHOVEL BLADE	फावड़े का फलक
SHRINE	देवमंदिर
SIALK	सियाल्क, ईरान में एक स्थान
SICA	खंजर
SICKLE	हंसिया
SIDE-SCRAPER	पार्श्व-स्क्रेपर, पार्श्व-खुरचन-यन्त्र
SIDE-WALL	बार
SILICA	सिलिका, सैकजा, एक प्रकार का कडा पत्थर
SILICEOUS	पथरीले
SILICEOUS ROCK	सैकत्यशैल
SILT	केवटा
SILTING	गाद जमना, मिट्टी भर जाना
SILURIAN	प्रवालादि कल्प
SILURIAN AGE	प्रवाल युग
SIMIANS	बंदर वंश
SINANTHROPUS PEKINI NSIS	सिनान्थ्रोपस पेकीनेन्सिस, चीनी मानव उत्तान मानुष की एक जाति जिसके अवशेष पेकिंग के निकट चाऊकाऊ नियेन की गुफा में पाये गये थे । द्रष्टव्य—PEKING MAN
SINGLE-BLOW GRAVER	एकाघात ग्रेवर
SINGLE FACETTED	एक समक्षेत्री
SINGLE SHOUL-DER POINT	एकस्कन्धी अस्त्राग्र
SIRENIA	जलवासी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SISYPHEAN अवनजशील
SITE स्थल, स्थान
SITE-PLAN स्थल-आलेख
SITE-SUPERVISER स्थल-पर्यवेक्षक
SIVAPITHECUS शिवपिथेकस
उत्तरी भारत का एक विलुप्त हो चुका वानर, जिसके भेदन दांत छोटे छोटे होते थे और जिसके ठोड़ी थी ।

SIWALIK SERIES शिवालिक शृंखला
SIZE आकार
SKARA BRAE स्कारा ब्राइ
ओरक्नेय (ORKNEYS) का नवाश्मयुगी स्थल जिसकी खोज १८५० में की गई तथा १९२७-३० में इसकी पूर्ण-रूप से खुदाई की गई ।

SKELETON अस्थिपंजर
SKEWER सीख, सीखच, कीलक शलाका
SKILL कौशल
SKIN RUBBER झामे
SKULL खोपड़ियां, कपाल, करोटि
SKULL CAP कपाल शिखर, खोपड़ी का सिरा
SLAB शिला फलक
SLASH AND BURN चीरा और जलाया
SLATE शिलापट्ट
SLING गोफिया
SLIP पंकलेप घोल
मक्खन की भांति चिकनी गीली मिट्टी का लेप जो बर्तन पर उसके पकाये जाने से पहले ही लगाया जाता है । ऐसे बर्तन जिन पर यह लेप लगा रहता है पंकलिपित कहे जाते हैं ।

SLOPING SURFACE प्रवनतल
SNARE TRAP फंदा-पाश

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SOAK PIT शोषक गर्त

SOAP STONE सैलखड़ी, स्त्रफेनाश्म, छीया पत्थर, शैलखटी

SOCIAL EVOLUTION सामाजिक विकास

SOCIALITY सामाजिकता

SOCIAL SCIENCE सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SURPLUS सामाजिक बचत

SOCIETY समाज

SOCIETY OF ANTIQUITIES प्राच्य समिति

SOCIOLOGY समाजशास्त्र

SOCKET कोटर, घर, गठ्ठा

SOCKETED CELT कोटर सेल्ट, गर्तिका सेल्ट

SOHAN (SOAN) INDUSTRY (CULTURE) सोहन (सोग्रान) उद्योग (संस्कृति)

रावलपिण्डी के पास की सोहन नामक सिन्धु नदी की एक सहायक नदी के नाम पर उसके तटों पर पाये जाते वाले पुराश्म उद्योग (संस्कृति) को सोहन उद्योग (संस्कृति) कहा गया है। इस उद्योग में नदी में लुढ़क कर गोल हुये प्रस्तर पिण्डों से चिप्पड़ निकालकर उन्हें ग्रायुध का रूप दिया गया है । सोहन उद्योग ग्रायुधों के तीन वर्गों में क्रमशः ग्रायुध के ग्रनुसार ही ग्रधिक या कम हस्द्विर्णा हो गए हैं। प्राप्त आयुधों के ग्राधार पर सोहन उद्योग की तीन स्थितियां ज्ञात होती हैं जिन्हें ग्रादि ग्रन्त एवं उद्विकसित सोहन उद्योग कहा गया है ।

SOIL PROFILE मिट्टी की काट

SOIL RUBBLE-MIXED कंकरीली मिट्टी

SOIL SAND GRAVEL बलुई कंकरीली मिट्टी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SOKH सोख

उत्तरप्रदेश में मथुरा के पास है। यहाँ डॉ० हॉर्टल के निर्देशन में जर्मन पुरातत्त्वज्ञों ने १९६६ से १९७४ तक, खुदाई की। पहली बस्ती ई० पू० १००० से ७०० तक उसके बाद मौर्य, शुंग काल में हुई। यहाँ से आहत सिक्के एवं मृण्मूर्तियां प्राप्त हुईं। तीसरी बस्ती कुषाण काल में हुई। उसके बाद अठारहवीं शती तक यहाँ बस्तियां बसने के प्रमाण उपलब्ध हैं।

SOLAR DAY सूर्य दिवस

SOLAR RADIATION सौर्यिक विकिरण

SOLAR SYSTEM सौर-मण्डल

SOLO-MAN सोलो-मानव

जावा में पाये गये फॉसिल मानव की एक उपस्थि शील जो प्लीस्टोसीन युग के ऊपरी भाग की है।

SOLUTION विपिएान घोल

SOLUTREAN CULTURE सोल्युत्री संस्कृति

ऊपरी पुरा-पाषाणिक युग की एक संस्कृति जो फ्रान्स और मध्य युरोप में और ग्रेसी संस्कृति के बाद आई थी। इसकी विशेषता मेमथो का शिकार और लम्बे दबाव द्वारा कतर उतारे गये दो पाखों वाले फलक औजार थे।

SOLUTRIAN FLINTS सोल्युत्री चकमक

SOMATIC दैहिक

SOMATOLOGY भौतिक विज्ञान

SONDAGE OR TRIAL TRENCH परीक्षण खन्ती

किसी उत्खनन के पूर्व उत्खनन क्षेत्र के एक हिस्से में लगभग दो वर्ग गज या इससे अधिक क्षेत्र में उत्खनन कराते हैं और उससे प्राप्त संकेतों के आधार पर पूरी खन्ती में उत्खनन कराते हैं। परीक्षा के हेतु लिये जाने वाले के कारण तत्सम्बन्धी खन्ती को उपर्युक्त नाम से जाना जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SONEGAON सोनगाँव

महाराष्ट्र के पुने जिले में स्थित कन्हा-निरा नदी के किनारे ताम्रपाषाणयुगीन स्थल। यहां के मकान टाटी के, जमीन लिपी-पोती, हलके छपरों से युक्त थे। यहां मालवा—जोरवे संस्कृति के मृद्‌भाण्ड मिले। वे पशुपालक थे तथा गेहूं इनका मुख्य आहार था।

SOPHISTICATION भ्रान्ति

SORTING वर्गीकरण

SOTHI सोथी (संस्कृति)

राजस्थान के घग्गर एवं उसकी उपनदी चौतांग के किनारे मिली हडप्पा पूर्व संस्कृति को सोथी संस्कृति कहते हैं। यह नाम अमलानन्द घोष ने दिया है।

SOUNDING BOX ध्वनि-पेटी

SOUND WAVE SURVEYING ध्वनि लहरी सर्वेक्षण

SOUTHERN NEOLITHIC CULTURE दक्षिणी नवाश्म संस्कृति

दक्षिण भारत में प्राप्त होने वाली नवाश्म संस्कृति को यह नाम दिया गया है। इस संस्कृति में मार्जित प्रस्तर परशु जो मुख्यतया नुकीले, समन्त एवं बीच से काटने का वृत्ताकार सतहवाले होते हैं। मार्जित धूसर, मृत्पात्र, क्षुद्राश्म, प्रस्तरित एवं कुम्भशव निखात अनगढ़ पत्थरों के टुकड़ों तथा टाटी एवं मिट्टी के लेप से बने घर पाये जाते हैं। यह संस्कृति आन्ध्र प्रदेश, मद्रास एवं मैसूर में पाई गई है। इसका काल लगभग २३००-१००० ई० पू० माना गया है। किन्तु ताम्राश्म लक्षणों की संस्कृतियों के साथ साथ यह संस्कृति ५वीं शती ई० पू० तक पाई गई है।

SPADE-SHAPED CELT फावडानुमा सेल्ट

SPATULATE IMPLEMENT चम्मचाकार उपकरण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SPEAR बल्लम, शूल, नेजा
SPEAR HEAD शूलाग्र, नेजासिरा
SPEAR POINT शूल, नोक
SPEAR THROWER बर्छा क्षेपक
लकड़ी का बना हुआ एक उपकरण जो भुजा की लम्बाई के लिये और इसके फलस्वरूप बर्छा फेंकने की शक्ति को बढ़ाने के लिये काम में लाया जाता था।
SPECIALISED विशिष्ट
SPECIALIZATION विशेषीकरण
SPECIAL-PURPOSE TOOL विशेष कार्योपयोगी उपकरण
SPECTROGRAPH वर्णपटद्रष्टा
SPECTRUM वर्णक्रम
SPELL मन्त्र
SPIDER MONKEY मकड़ी बन्दर
SPILT-BASE BONE LANCE POINT विदारित आधार अस्थि भाला-अग्र
SPINDLE WHORL तकुआ चक्री
SPIRAL सर्पिल
SPIRIT देवात्मा
SPLAYED AXE प्रवणित कुठार
SPLICER पलासक
SPLINTER खण्ड, खपची
SPLINTERED STONE खण्डित शिला
SPLIT BASE पाटित आधार
SPLIT BONE POINT पाटित आधार अस्थि नोक
SPOKE अरा
SPOKESHAVE गोल रंधा
SPONGY छिद्रिल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SPOTTED HYANEA	चितकबरा लकड़बग्घा
SPOUT	टोटी
SPOUTED BOWL	टोटीदार प्याला
SPRAY PAINTING	छिड़काव लेपचित्र
SPRING	झरना
SPRUCE	झाऊ
SPUR	शाखा, उत्साह, उत्तेजना, प्रेरणा
SQUARE	समकोण
SQUARE DIGGING	समकोण खुदाई
SQUARE LAY-OUT	वर्गाकार उत्खनन योजना। इस उत्खनन योजना में सर्व प्रथम एक वर्ग लेते हैं और उसे एक ही आकार के कई छोटे वर्गों में बांट लेते हैं। छोटे वर्गों के बीच में एक फुट चौड़ी जगह छोड़ देते हैं। आवश्यकतानुसार लिये गये उत्खनन क्षेत्र के किसी ओर छोटे-छोटे वर्ग उत्खनन के लिये लिये जा सकते हैं। आवश्यकतानुसार बाद में छोटे वर्गों के बीच छोड़ी गई भूमि को हटा दिया जाता है। किसी एक वर्ग क्षेत्र को बिना छोटे वर्गों में विभाजित किये भी उत्खनन किया जाता है। सामान्यतया ऐसी स्थिति में भी उत्खनन वर्ग एक भुजा के माप की गहराई तक किया जाता है।
SQUARE METHOD	वर्गपद्धति
SQUARE-SEC-TIONED CHISEL	चौकोर काटवाली छेनी
SQUAT POTS	पेन्देदार भाण्ड
SQUAT SHOULDER POT	बैठी गर्दन वाला भाण्ड या बर्तन
STAG	लाल हिरण
STAGE	प्रक्रम

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

STAMPED POTTERY ठप्पांकित मृद्भाण्ड
STANDARDIZATION मानवीकरण
STAND आधार
STANDARD WARE मानकभाण्ड
STANDING STONE द्रष्टव्य—मेनहिर (MENHIR)
STARRY ORNAMENT वर्तुलाकार तारा
STATESMAN राजनीतिज्ञ
STEEP सीध, प्रवण, शैल, ढालू, चट्टान
STEEPING PROCESS स्टीपिंग प्रोसेस, निमज्जन प्रविधि
पदार्थों को जल में डाल कर उनके नमक के प्रभाव को दूर करने की प्रणाली
STEINHEIM MAN स्टीनहीम-मानव
जर्मन में प्राप्त एक सैपियन्स मानुष स्त्री का कपाल जिसका काल द्वितीय अन्तर्हिमाच्छादन काल माना जाता है।
STELE खड़ी प्रतिमा
STEMED DISH तनेदार तश्तरी
STEP सोपान, अवरोहित
STEP FLAKING सोपानपद फलेकीकरण, सोपानशल्कन
STEP PYRAMID आरोही पिरामिड
STEP WELL वापी, बावड़ी
STEREOSCOPIC त्रिविमितिय
STETITE स्टेटाइट
STICK DIGGING उत्खनन यष्टि या लकड़ी
STIMULUS उद्दीपन
STOCK स्कन्ध

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

STONE AGE	पाषाणकाल, पाषाणयुग, द्रष्टव्य—PALAEOLITHIC AGE
STONE-AXE	प्रस्तर-कुठार
STONE-AXE CULTURE	प्रस्तर-कुठार संस्कृति
STONE BLOCK	प्रस्तर खण्ड
STONE CIRCLE	प्रस्तर वृत्त कड़किड़ई

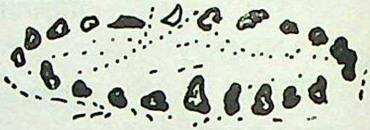

STONE DRESSING	संगदरेसी
STONE IMPLEMENTS	प्रस्तर उपकरण, पाषाण उपकरण
STONE INSCRIPTION	शिलालेख
STONE SLAB	पाषाण खण्ड
STONE TOOL	प्रस्तर उपकरण, प्रस्तर आयुध
STONE WARE	अश्मपात्र, प्रस्तर-पात्र
STONE WORK	शिला शिल्प
STOP WATCH STUDY	कालनिष्ठ अध्ययन
STORAGE	संग्रह
STORAGE BIN	धान्यकोठार, बखार
STORAGE PIT	सचय-गर्त
STORAGE OF POTTERY	मृदभाण्ड संग्रह
STORE HOUSE	भण्डार गृह
STRAIGHT JOINT	सीधा जोड़
STRAIGHT SIDED	सीधे किनारों वाले
STRAIGHT-TUSKED ELEPHANT	सीधी दांत वाला हाथी
STRATA	स्तर, तहें

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

STRAP-HANDLE पट्टेनुमा हत्था

STRATIFICATION स्तरविन्यास, स्तरीकरण, स्तरण
एक के ऊपर एक स्तरों के क्रमशः जमाव को स्तरविन्यास कहा जाता है। पुरातात्त्विक उत्खननों में स्तरविन्यास का विशेष महत्त्व है। किसी पुस्तक के पन्नों की भांति किसी स्थान के अतीत को क्रमशः परिलक्षित कराने में पुरातत्त्वविद् को इन्हीं स्तरों एवं तत्कालीन निवासियों के विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के अवशेषों से सर्वाधिक सहायता प्राप्त होती है, ऊपर का स्तर सर्वाधिक अर्वाचीन एव क्रमशः नीचे के स्तर प्राचीन होते हैं।

STRATIFIED EXCAVATION स्तरित उत्खनन

STRATIFIED ROCK स्तरित शैल

STRATIGRAPHIC DIGGING स्तरवार खुदाई

STRATIGRAPHICAL EVIDENCE स्तर-प्रमाण

STRATIGRAPHICAL SEQUENCE स्तर-अनुक्रम

STRATIGRAPHICAL METHOD स्तरविधि, स्तरनिर्धारण

STRATIGRHPHICAL GEOLOGY स्तरीय भूतत्त्व

STRATIGRAPHY स्तरविज्ञान

STRATION (PL. STRATA) स्तर

STRATUM CONTACT सम्पर्क स्तर

STRAW भूसा

STREPY DESIGN स्ट्रेपी (बेल्जियम में एक स्थान) अभिकल्प

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

STREPY IMPLEMENTS स्ट्रेपी उपकरण

STRIATE (ON POTTERY) धारियां

STRIKING PLATFORM प्रहार मुख, प्रहार पट्ट
किसी भी पत्थर को तोड़ने के लिये उस पर आघात करना आवश्यक है। ऐसे स्थल को जिन पर आघात करते हैं, आघात स्थल कहते हैं। इस पर से बाद में चोट करके अन्य पतरियां, फलक आदि उतारे जाते हैं।

STRING डोरी

STRUCTURAL SUB-PERIODS निर्माण परक उपकाल

STRUCTURE निर्माण, भवन, संरचना, रचना कार्य
निवासार्थ घरों, अन्य प्रकार के भवनों, स्मारकों आदि विभिन्न प्रकार की निर्मितियों को निर्माण कहा जाता है। उत्खनन में प्राप्त निर्माणों को क्रमशः संख्यांकित कर दिया जाता है। इस प्रकार परवर्ती काल के निर्माण अन्य अंकों से जाने जाते हैं।

STRUGGLE FOR EXISTENCE जीवन संघर्ष

STUBBY टोंटेदार

STUCCO सुधा, गच, चूना मिट्टी की मिश्रित सामग्री, बालू यह एक प्रकार का प्लास्टर है जिसे दीवार की सजावट और मूर्ति बनाने के काम में लाया जाता है।

STUPA स्तूप
बुद्ध ने अपने शिष्य आनन्द से कहा था कि मेरी मृत्यु के पश्चात् दाह क्रिया से अवशिष्ट अस्थियों को किसी चतुष्पथ पर रख कर उस पर एक स्तूप बनवा देना। अतः स्पष्ट है कि स्तूप निर्माण पद्धति बौद्ध धर्म के पूर्व से ही चली आ रही है। वैसे तो जैनियों में भी स्तूप बनवाने की प्रथा थी। किन्तु इस प्रथा का अधिकता से प्रचलन सर्वप्रथम बौद्ध काल में ही हुआ। इन स्तूपों का आकार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अर्धवृत्ताकार सम्भवतः अन्त्येष्टि क्रिया में प्रयुक्त उन मृत्तिका पात्रों की अनुकृति पर हुआ जिनके नीचे वैदिक विधानानुसार मृतक की राख गाड़ी जाती थी।
आज के उपलब्ध स्तूपों में सबसे पुराना स्तूप नेपाल की सीमा पर स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर है। यह इंटों का बना हुआ है। इसका व्यास ११६ फीट तथा २२ फीट ऊंचा है। इसमें बुद्ध सम्बन्धी कुछ उत्कीर्ण लेख भी हैं।

S-TWIST OVATE सर्पिल अण्डाकार (उपकरण)

SUBARCTIC उपध्रुवी

SUB CONICAL MOUND अर्धशंकु टीला

SUB-GLACIAL लघुहिमावर्त

SUB-HUMAN अव-मानवीय

SUB-HUMID PHASE उप-आर्द्रकाल

SUB-INDUS VARIETY सिन्धु सभ्यता का उप-प्रकार

SUB-LAYER उप घर, उप स्तर

SUB-RECENT उप-अभिनव

SUBJECTIVE SCIENCE व्यक्ति-विज्ञान

SUBSIDENCE भूमि धंसना

SUBSISTENCE जीविका

SUB-SOIL अधोभूमि

SUB-STRATUM अधः स्तर

SUBSTANTIVE TRENCH उपोद्बलक गर्त, मौलिक खाई

SUBSOIL WATER अधोभूमि जल

SUB-TERRANEAN CHAMBERS भूमिगत कोष्ठ, कमरा

SUB-TROPICAL उष्णाधीन कटिबन्ध, उप-अयनवृत्तीय

SUB-UNIT उप-एकक

SUGGESTION सुझाव, अनुभावन

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SUGGESTION PICTURE — संकेत-चित्र

SUITABLE — उपयुक्त

SULPHATE — क्षार

SUN BEAMS — सूर्य-किरणें

SUN DIAL — सूर्य-घड़ी

SUN TEMPLE — सूर्य-मन्दिर

SUPER CARGO — माल अधीक्षक

SUPER INSTITUTION — अधिसंस्था

SUPERIMPOSITION — अध्यारोपण

SUPERINTENDENT — अधीक्षक

SUPERIOR — उत्तम

SUPERPOSITION — अध्यारोहण

SUPERVISOR — सुपरवाईजर, निरीक्षक

SUPPORT — टेक

SURFACE COLLECTION — धरातल संग्रह

SURFACE INDICATION — तलचिन्ह, संकेत, धरातल संकेत

SURKOTDA — सूरकोटड़ा
कच्छ विभाग में हडप्पा व हडप्पोत्तर संस्कृति का स्थल

SURVEY — निरीक्षण

SURVEYOR — निरीक्षण मापक, सर्वेक्षक

SURVIVAL OF THE FITTEST — योग्यता का अनुजीवन

SUS ARVERNENAS — जंगली सूअर

SUSA — सूसा
ईरान में प्राचीन एलाम की राजधानी थी। १८९७ से

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

यहाँ फ्रेंच पुरातत्त्विक खुदाई कर रहे हैं। यहां बसी चार आबादियां उबेद, ऊरुक, जेमदेत, नस्त्र पहिले राजवंश मेसोपोटेमिया की संस्कृति से मिलती-जुलती हैं। एलाम साम्राज्य का वैभव इस काल में चरम सीमा पर था। किन्तु अलक्जंडर ने इसे जलाकर नष्ट कर दिया था।

SWANS COMBE MAN — स्वेन्सीकोम्बी मानव
इंग्लैण्ड में पाया गया द्वितीय अन्तर्हिमाच्छादन काल का सेपियन्स मानुष का एक खंडित कपाल

SWINGING-BLOW TECHNIQUE — स्थिर हथौड़ा प्रविधि

SWINGING TECHNIQUE — स्विंगिग पद्धति

SYMBIOSIS — अन्योन्यपोषकता

SYMBOL — प्रतीक, चिह्न
ऐसी कोई भी वस्तु जो किसी अन्य वस्तु की द्योतक होती हो।

SYMMETRICAL — समितिय

SYMMETRICAL CONE — संमितिय शंकु

SYMPATHETIC MAGIC — सादृश्यमूलक जादू

SYNCHRONISATION (OF EVENTS) — सम्यांतर (घटनाओं का)

SYNTHETIC — संश्लेषण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

T

TABTET OR SEAL	पटिया, टिकिया
TABLET VOTIVE	संकल्प पट्ट
TABLE WARE	खाने (भोजन) के बर्तन
TALC	शैल या खड़िया
TALENT	टेलेन्ट, ग्रीक मुद्रा
TAMLUK	तामलुक बंगाल के मिदनापुर जिले में बसा है। साहित्य में यह शिक्षा और व्यापार के लिए प्रसिद्ध है। ताम्रलिपि से इसका सम्बन्ध जोड़ा जाता है। टॉलेमी ने इसका उल्लेख 'तामलिटिस' किया है। फाहियान, हुएन्सग तथा इत्सिंग इन चीनी यात्रियों ने इनका वर्णन किया है। यहाँ १९४४-४५ में खुदाई की गई जिसमें पाषाणकाल से ऐतिहासिक (गुप्त) काल तक के अवशेष मिले हैं।
TAMPERING	अन्तः क्षेप, छेड़ना
TANG (OF A KNIFE	चूल
TANGED	पुच्छल, चूलदार
TANGED AXE	पुच्छल कुठार
TANGED MONSTERIAR POINT	पुच्छल मुस्तीरी अस्त्राग्र
TANGED POINT	पुच्छल अस्त्राग्र
TANGED POINT CULTURE	पुच्छल अस्त्राग्र संस्कृति
TAPA CLOTH	वल्कल वस्त्र
TARA	तारा
TARDENOISIAN	तारदेन्वाय
TARO	कचालू

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TARTARICA सैगा बारहसिंगा

TARTARIC ACID तरतार ग्राम्ल

TAXILA तक्षशिला
पाकिस्तान में रावलपिंडी से बीस मील दूर है। यहां सन् १९१३, ३३-३४, और ४४-४५ में खुदाई की गई। प्राचीन भारतीय साहित्य में तक्षशिला का उल्लेख मिलता है। ई० पू० ३२६ में अलवजंडर ने यहीं पर अम्भी राजा की शरण ली थी। इसके बाद तक्षशिला मौर्य साम्राज्य में शामिल किया गया था। यहां तीन संस्कृतियों के अवशेष मिले हैं। भीड टीले की खुदाई में ई० पू० ५ से ई० पू० ३री शती तक के अवशेष मिले हैं। दूसरा नगर सिरकप बेक्ट्रियन ग्रीकों ने ईसा पूर्व दूसरी शती में बसाया था। धर्मराजी का स्तूप एवं कुछ बौद्ध अवशेष इसी युग के हैं। तीसरी नगरी कुषाण काल में बसाई गई जिसके अवशेष सिरसुख टीले में मिले हैं।

TEATING तापन

TEEPOL टीपोल,
एक अम्ल जिसका प्रयोग मृद्भाण्ड को क्षाररहित करने के लिये किया जाता है।

TECHNICAL SKILL तकनीकी कौशल

TECHNIQUE OR METHOD प्रविधि

TECHNOLOGICAL तकनीकी

TECHNOLOGY तकनीक यंत्रशास्त्र, उद्योग-विद्या, निर्माण-वैशिष्टय, शिल्प विज्ञान।

TECTONIC MOVEMENT भू-उत्पात

TEKKAL KOTA टेक्कल कोटा
कर्नाटक में नवाश्म एवं ताम्रपाषाण युगीन स्थल यहां मिले नवाश्मकालीन उपकरणों में पत्थर की कुल्हाड़ियां, गोलाकार झोपड़ियां, जिनके फर्श पत्थरों के बने थे। वे

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पशुपालन करते थे। दूसरे काल में तांबा एवं कांस्य के उपकरण मिले हैं। यहां के नवाश्मयुग की तिथि ई० पू० १७८० निर्धारित की गई है।

TEKWADA टेकवडा

महाराष्ट्र के खानदेश में गिरना नदी के किनारे बसा एक प्राचीन स्थल जहां खुदाई में केवल कब्रिस्तान का पता चला है। यहाँ बालिगों को गड्ढों में दफनाते थे। तो बच्चों को छोटे मिट्टी के कलशों में। बच्चों के साथ सिक्के और काले-लाल रंग के मृद्भाण्ड मिलें हैं।

TELECONNECTION दूर-सम्बन्ध

TELL टीला

TEMENOS देवार्पित भूमि

TEMPERATE समशीतोष्ण

TEMPERATE ZONE समशीतोष्ण-कटिबन्ध

TEMPLE देवल

TENDONS कंडरा

TENURE पदावधि

TENT तंबू, डेरा

TEOCENTLI तियोसैम्तली

TER तैर

महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले का प्रसिद्ध स्थल, जिसका प्राचीन नाम 'तगर' था। टाँलेमी ने इसका उल्लेख व्यापारी केन्द्र से किया था। यहाँ अनेक प्राचीन स्तूप टीले हैं। डा० दीक्षित को खुदाई में बौद्ध स्तूप के अवशेष मिले हैं। १९७४ में की गई खुदाई में पूर्व सातवाहनकालीन काष्ठ की तटबंदी के अवशेष मिले हैं।

यहां श्री लामतुरे का निजी वस्तु संग्रहालय देखने लायक है। जिसमें सातवाहन काल के सिक्के, मृण्मूर्तियां, हस्तीदंती मूर्तियां, रोमन मृद्भाण्ड आदि रखे गये हैं।

TERI SITES टेरी स्थल

CC-0. Agamnigam Digital Preseyation Foundation, Chandigarh

तिन्नेवेली जिले (मद्रास प्रदेश) के बालू टीले से संबंधित स्थान जहाँ से परवर्ती पाषाणयुग के क्षुद्राश्म पाये गये हैं।

TERMJNAL FLAT-BASE — समतलान्त उपकरण

TERMINAL MORAINE — अन्तिम मोरेन

TERA-AMATA — तेरा अमाता
फ्रान्स में नीस बन्दरगाह के करीब है। १९५९ में यहां पुराश्मयुगीन उपकरण मिले थे। १९६६ में हेनरी द लूम्ले ने यहाँ उत्खनन किया जिसमें तीन लाख साल पूर्व मानव यहाँ झोपड़ियां बनाकर रहता था। खुदाई में २१ झोपडियों के अवशेष मिले जिनका आकार २६ से ४९ फीट लम्बाई में और १३ से २० फीट रूंदाई में था। इसमें चुल्हे के अवशेष, मनुष्य के दाहिने पांव का ९½ इंच लम्बा निशान तथा उसके संडास के अवशेष मिले। पुराश्मयुगीन मनुष्य द्वारा निर्मित इतनी प्राचीन झोपड़ियां संसार में तेरा अमार्ता के सिवा अन्यत्र कहीं नहीं मिलती।

TERRA SIGILLATA — द्रष्टव्य सामीअन मृद्भाण्ड SAMIAN WARE

TERRACE — नदीसोपान
नदी के प्रवाह के कारण किनारों के कटाव अथवा उसके प्रवाह-स्थैर्य के कारण किनारों पर हुए जमाव से जो सोपान तटों पर बनते हैं उन्हें 'नदी सोपान' कहा गया है। समजलवायु में अपकर्षित सोपान बनते हैं। क्योंकि नदी में प्रवाह होता है और ठंडी जलवायु में उच्चयन सोपान बनते हैं। क्योंकि नदी में स्थिरता होती है। जलवायु से सम्बन्धित होने के कारण ही कुछ विद्वानों ने नदीसोपानों को जलवायु-सोपान कहना अधिक उचित माना है।

TERRACOTTA — मृण्मूर्ति, पकाई हुई मिट्टी की मूर्तियां एवं आकृतियां
यह साधारण कोटि के कलाकारों की कला थी जो कि पत्थर आदि की कलाकृतियां खरीद सकने में असमर्थ थे। इस कला का विकास अधिकतर भारत के मैदानीय भाग में

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

हुआ, क्योंकि वहां पत्थर और लकड़ी आदि सामग्री प्रचुरता से उपलब्ध नहीं थी।

TERRACOTTA CAKE पक्की मिट्टी की टिकिया

TERRESTRIAL स्थलीय

TERTIARY तृतीयक
'नवजीवयुग' के दो उपविभागों में तृतीयक पहीले हैं जिसके अंतिम चरण में मनुष्य ने आयुध बनाना आरंभ किया।

TERTIARY PERIOD तृतीयक युग

TESERA जाली

TEST PIT जांच-गर्त

TEUTON ट्यूटन

THALASSO-STATIC समुद्रीय-जल-तल परिवर्तन जनित

THEODOLITE SURVEY थियोडोलाइट सर्वेक्षण

THERMOLUMI-NISCENCE प्रदाह परक विधि, ताप-संदीप्ति
तिथिज्ञापन की एक विधि जिसमें मृद्भाण्डों के निर्माण की तिथि जानी जा सकती है। गेरु मृत्पात्रों (OCHRE COLOUR WARE) की तिथि इसी विधि से ई० पू० २००० से १४०० तक आई थी।

THERMOMETER तापमापी

THIN SECTIONED पतले दर के

THIRD WET PHASE तृतीय आर्द्रकाल

THOLOS गुंबदी समाधि

THOMSEN, CHRISTIAN थॉमसेन, क्रिश्चियन (१७८८-१८६५)
डेन्मार्क के राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रमुख जहां उन्होंने

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अवशेषों को अश्मयुग, कांस्ययुग, तथा लोहयुगों में प्रथम बार विभाजित किया, इसे 'त्रियुग सिद्धान्त' कहा जाता है। यह सिद्धान्त उन्होंने १८१६-१८१९ के बीच रखा था।

THREE DIMENSIONS	तीन परिमापण
THROWING STICK	क्षेप-दण्ड
THRUST	धंसाव
THUMB-NAIL SCRAPER	अंगुष्ठ-नख स्क्रेपर
THWART	कुंवरा
TICHORHINUS ANTIQUITATIS	ऊनावृत्त गैण्डा
TIDES	ज्वारभाटा
TILE	चौका (चतुष्कोण पत्थर) आदि
TIME-GAP	समयान्तराल
TIME-LAG	समयान्तराल
TIME MACHINE	कालयन्त्र
TIME-SCALE	समय-मापक, काल-मापक
TIME-SPAN	समय-विस्तार
TIME-TABLE	समय-सारणी
TIN	वंग
TIN-FOIL	पन्नी
TIP-LINE	रेखाग्र
TISSUE	ऊतक
TOBULAR FLINT NODULE	चौरस पाषाण खण्ड
TOILET POT	करंडक, शृंगार-पेटिका, सिंगारदान
TOILET SPOON	शृंगार चम्मच
TOMB	समाधि, मकबरा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TOMB BEEHIVE छत्ताकार मकबरा
TOMB-CHAMBER समाधिकक्ष
TOMB-ROBBER मकबरा चोर, तुम्बदस्यु
TONE-VALUE मूल्यांकन
TOOL आयुध, उपकरण, औजार
TOOL ASSEMBLAGE उपकरण उद्योग
TOOL-FAMILY उपकरण-परिवार
TOOL MAKING उपकरण-निर्माण
TOP चोटी
TOPIKAL बृहदश्म डोला
TORTOISE CORE कछुवा कौर, कूर्मान्तरक
TORTOISE SHELL कूर्म-कर्पट
TOTALITY समग्रता
TOTEM टोटेम, गण-चिह्न
TOOTHED WHEEL दांतेदार चक्का
TRACING PAPER चर्बा, अनुरेखन कागज
TRADITION परम्परा, अनुश्रुति
TRANSPORT OR TRANSPORTATION परिवहन
TRANSCEPTED PORTHOLE CIST विभक्त प्रवेशन-छिद्र वयिन
TRANSVERSE ARROW HEAD अनुप्रस्थ तीराग्र
TRANSVERSE ANGLE GRAVER अनुप्रस्थ कोण ग्रेवर
TRANSVERSE HAFTING अनुप्रस्थ मूठ-आरोपण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TRANSVERSE SANDDUNES — बेड़ा, रेती का टीला

TRANSVERSE SECTION — अनुप्रस्थ-छेद

TRAP — सोपानाश्म

TRAPEZE — समलम्ब चतुर्भुज

TRAPEZOID — समलम्ब चतुर्भुजाकार (लघुपाषाण)

TRAPEZOIDAL PORTHOLE — समलंब चतुर्भुजाकार प्रवेशन छिद्र

TREE HOUSE — तरुगृह

TREE RING — वृक्षों के चक्कर

TREE SHREW — खार, गिलहरी

TRENCH — खाई, खन्ती

TRIAL CUTTING — जांच काट

TRIAL EXCAVATION — परीक्षण उत्खनन

TRIAL TRENCH — परीक्षण खाई, परीक्षण खन्ती, द्रष्टव्य—SONDAGE

TRIANGULATION — त्रिभुजीकरण

TRIASSIC — रक्ताश्मकाल

TRIBAL — कबीलाई, आदिवासी

TRIBE — आदिजाति, उपकूल, कबीला

TRICERATOPS — त्रिश्रृंगीय

मध्यजन्तुक युग का हाथी के समान प्राणी, जिसके तीन सींग होते थे। लम्बाई २५ फीट, ऊंचाई ८ फीट तथा जिसका वजन तीन सौ मन था, शरीर पर अस्थिरचित पट्टियां तथा कांटों की ढाल होती थी। तथा पूंछ पर भी कांटे होते थे।

TRIDACNA — ट्राईडेकना

एक विशालकाय सीपी जो प्रशान्त महासागर में पाई जाती थी और जिसके खोल का उपयोग माइक्रोनेशियाई और पोलिनेशियाई लोग औजार बनाने के लिये करते थे।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TRI-DIMENTIONAL RECORDING त्रिदिशात्मक लेखा-जोखा

उत्खनन में प्राप्त किसी भी वस्तु का ठीक प्राप्ति स्थान बताने के लिये इस विधि का उपयोग किया जाता है। खन्ती के किसी खूंटे की रेखा के निश्चित स्थान से उस स्थान की समानान्तर एवं लम्बवत् दूरी ज्ञात करते हैं जहाँ से कोई वस्तु पाई जाती है। इस प्रकार के लेखे-जोखे से वस्तु की प्राप्ति-स्थान का ज्ञान कभी भी किया जा सकता है।

TRILITHON त्रिपाषाणी। तीन पत्थरों का संग्रह जिनमें से दो खड़े और तीसरा उन पर आड़ा रखा होता था।

TROGONTHERII CUVIERI बृहत् हरिण

TROGONTHERIUM बृहत् ऊदबिलाव

TROPICAL अयनवृत्तीय, अधिक उष्ण

TROPICAL ZONE उष्ण कटिबन्ध प्रदेश

TROPICS उष्ण कटिबन्ध

TROWEL कन्नी

TROY ट्राय

तुर्कस्थान के हिस्सारलिक, ग्रीक कहानियाँ एवं होमर के 'इलियड' नामक महाकाव्य में उल्लिखित इस स्थान की खोज हाइनरिश श्लीमन ने की थी। अपना व्यापारी पेशा छोड़कर वह ग्रीस आया। १८७१ में उसने हिस्सारलिक की खोज की। उसके पश्चात् उसने अपना सारा धन उत्खनन में खर्च किया। श्लीमन ने ट्राय को सात कालों में विभाजित किया।

यहां पहली बस्ती ई० पू० ३००० में बसी थी। तब यहां प्राचीर एवं छोटा-सा प्रासाद था। दूसरी आबादी तीसरे सहस्र के उत्तर में हुई और तब यहाँ एक सुन्दर नगर था। सुवर्ण, चांदी, कांस्य और शीशे का इस समय बहुत प्रयोग किया गया। इसी काल की समृद्धावस्था 'प्रियमराजा का

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

खजाना (PRIM'S TREASURE) नाम से सम्बोधित किया गया है। इसमें आठ हजार आभूषण थे। इसके बाद तीसरी, चौथी, पांचवीं आबादी में कुछ महत्त्वपूर्ण अवशेष नहीं मिले। किन्तु छठी आबादी (ई० पू० १८००-१३००) में यहाँ तट की दीवार थी। इसी समय भूचाल से ट्राय का विध्वंस हुआ। सातवीं बार फिर यहाँ बस्ती बसाई गई। सम्भवत: इसी का वर्णन होमर ने किया। किन्तु पहले जैसा वैभव पुनः प्राप्त नहीं हो सका।

TRUMPET-SHAPED BEAKER	तुरही चंचुक
TRUST	न्यास
TUATH	तुआथ प्राचीन आयर्लैण्ड में भूमि का एक खण्ड, मूलत: इसका अर्थ था 'लोग'
TUBULAR	नलिकाकृति
TUBULAR SUPPORT	नाल टेक
TULIP BEAKER	ट्यूलिप चंचुक
TUMBLER	टम्बलर, गिलास
TUMULI	टीला
TUMULUS	स्तूप
TUNDRA	टुन्ड्रा उत्तरी ध्रुव का वह दलदली प्रदेश जो स्थायी रूप से जमी हुई भूमि के ऊपर फैला हुआ है।
TUPINAMBA	तूपनिम्बा
TURKEY	पातालमयूर (पक्षी)
TURNPIKE	रोक फारक
TURTLE-BACK	कच्छप-पृष्ठ
TWO-DIMENSIONAL	द्वि-आयामी
TYPE	प्रकार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TYPICAL लाक्षणिक

TYPOLOGICAL प्रकारात्मक

TYPOLOGY प्रकार विज्ञान

प्रागैतिहासिक 'आयुधों' एवं आद्यैतिहासिक मृत्पात्रों को अध्ययन के सुभीते के लिये प्रकार की दृष्टि से विभिन्न वर्गों में रखा जाता है। ऐसे वर्गीकरण को उपर्युक्त नाम से जाना जाता है।

TYRANNOSAUR सिंहसरट

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

U

UBED उबेद
इराक में उर से चालीस मील दूर ताम्र पाषाणकालीन स्थल जहाँ हॉल तथा वूली ने खोद कार्य किया था ।

UGARIT उगारीट, द्रष्टव्य रास शमरा (RAS SHAMRA)

ULTRA VIOLET पारजम्बू, पारनीललोहित, पराबैंगनी

ULU उलू
अर्धचन्द्राकृति चाकू के लिए प्रयुक्त होने वाला एस्किमो लोगों का शब्द । इस चाकू का उपयोग स्त्रियाँ खालें कतरने के लिए करती हैं ।

UMBRELLA STONE छातानुमा

UNCHIPPED PABBLE SURFACE अनछिली गुटिका का तल, सतह

UNDERCOAT निचली परत

UNDER CUTTING तलोच्छन्न

UNDERDEVELOPED अल्प-विकसित

UNDERGROUND PORT-HOLE भूमिस्थ प्रवेशन छिद्र

UNDERLIE अवशायी होना

UNDERLYING अधःस्थित

UNDERSHOT अधस्तल

UNDERTAKING उपक्रम

UNETIC POTTERY यूनेटिक (चेकोस्लोवाकिया में) भांड

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

UNFACETTED STRIKING PLATFORM — अकृत्रिम (वा प्राकृतिक) आघातःस्थल

UNICELLULAR — एककोषीय

UNIFACE OR UNIFACIAL — एकमुख, एकपक्षीय
एक ही ओर से चिप्पड निकालकर बनाए गए 'आयुधों' को एकमुख कहा जाता है।

UNIFACIAL RETOUCHING — एकपक्षीय पुनर्गठन

UNIFORM — एकरूप

UNIFORM DEPOSITE — समान निक्षेप

UNILATERAL FLAT-BASE — एकपार्श्वीय समतल उपकरण

UNILATERAL NUCLEATES — एकपार्श्वीय केन्द्रक

UNIQUE — दुर्मिल, अनुपम

UNRECORDED INTERVAL — लेखा-रहितकाल

UNUTILISED FLAKE — अनुपयोजित फलक

UPPER CARBO-NIFEROUS — उच्च अंगार काल

UPPER EOCENE — अन्तिम प्रतिनूतन

UPPER PALA-EOLITHIC — उच्च पुरापाषाण

UPPER PALA-EOLITHIC ART — उच्च पुरापाषाण-कला

UPPER PALA-EOLITHIC MURAL ART — उच्च पुरापाषाण भित्ति-कला

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

UPSIDE DOWN औंधा

UPWIND प्रतिवात

UR उर

इरान में वसरा शहर के पश्चिम में १०० मील दूर टेल मुकय्यर ही प्राचीन उर है। १८५४-५५ में टेलर ने इसकी खोज की। १६२२ से २६ के वीच यहाँ सर लिओनार्ड वूली ने खुदाई की थी।

यहाँ सबसे पहले ई० स० पूर्व ४३०० में उबेद संस्कृति बसी थी। ई० स० २८०० में यहाँ राजकुलीन व्यक्तियों की कब्रों का पता चला जिनमें राजा और रानियों के शव अनगिनत अलंकरणों से लदे थे, उन्हीं के साथ दास और दासियों को भी दफनाया गया था। यहाँ कब्रें भी इजिप्त के तूतनखामन की कब्रों जैसी समृद्ध थीं। ई० स० पूर्व २१०० के आसपास उर अपनी उन्नति के शिखर पर था। सम्भवतः इस वक्त अब्राहीम की वह राजधानी थी। किन्तु वाद में इसकी अवनति हुई।

URAEUS युरियस

सर्प की आकृति का एक मस्तक का आभूषण, जिसे प्राचीन मिस्र के राजा अपनी प्रभुता के प्रतीक के रूप में धारण किया करते थे।

URBAN नागरीय

URN मटका

URN-BURIALS मृतक भाण्ड, कुम्भ शवनिखात

URN-CINERARY भस्म कलश

USSHER, JAMES उस्सेर जेम्स (१५८१-१६५६)

आइरिश धर्मगुरु थे जिनका दावा था कि संसार की निर्मिति ई० स० पूर्व ४००४ में हुई, इसी विषय पर उन्होंने १०५० में 'ANNALS OF THE ANCIENT AND NEW TESTAMENT' लिखा, १०० वर्ष तक सर्व सामान्य जनता ने इस सिद्धान्त को मान्य भी किया किन्तु १८वीं शती में डार्विन एवं अन्य पुरातत्त्वज्ञों की खोज से इसे गहरी क्षति पहुँची।

URSUS ARCTOS भूरा भालू

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

URSUS ARVENE-
NSIS आदिम भालू

URSUS SPELAEUS गुफावासी भालू

URUK POTTERY उरक मृद्भाण्ड
सुमेरिया के उरक शहर में मिले मृद्भाण्ड जिनकी तिथि ई० पू० ३५०० से ३२०० ई० पू० निश्चित की गई है ।

USE प्रयोग

UTILISED FLAKE उपयोजित फलक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

V

VALLEY GLACIER — घाटी हिमनदी

VALLEY OF THE KINGS — व्हॅली आफ दी किंग्ज
नाईल नदी के किनारे बसा एक स्थान, जो कभी प्राचीन काल में इजिप्त की राजधानी थी। १९२२ में इसकी खोज की गई।

VALVE MOULD — वाल्व सांचा

VANE — पिच्छ फलक

VARIELY — प्रभेद

VARTEBRATES — कशेरुकी

VARVE — अनुवर्षस्तरी, हिमवाहित मृत्तिका

VARVE ANALYSIS — अनुवर्षस्तरी विश्लेपण या हिमवाहित मृत्तिका घर। कालमापन की एक विधि।

VARVED CLAY — पटलित मृत्तिका

VEGETATION — वनस्पति

VEGETATION SHADOW — वनस्पति-छाया

VEGETATION AND POLLEN ANALYSIS — पराग परीक्षण, द्रष्टव्य POLLENGRAIN ANALYSIS

VEHICLE — वाहन

VENTRAL SIDE — उदर-पक्षीय, बाह्य सतह

VENTRIS MICHAEL — व्हेन्ट्रिस, मायकेल (१९२२-५६)
पेशे से वास्तुशास्त्रज्ञ, लेकिन १९५२ में अथक परिश्रम से

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

उन्होंने मिनोग्रन ग्रौर मायसीनियन कालीन ग्रीस में प्रचलित 'लीनिग्रर बी' लिपि को पढ़ने में यशस्विता प्राप्त की ।

VERTEBRATE पृष्ठवंशी

VERTICAL ऊर्ध्वाधर, उदग्र, खड़ा, लम्बवत्

VERTICAL EXCAVATION किसी स्थान पर निवास के क्रम को जानने के लिए लम्बवत् उत्खनन किया जाता है । यद्यपि ली गई 'खन्ती' में क्षैतिज उत्खनन करते हुए क्रमशः प्राकृतिक भूमि तक चले जाते हैं । किन्तु 'उत्खाता' किसी विशेष युग की सभ्यता के प्रत्यक्षीकरण के लिए नहीं बल्कि तत्स्थानीय सभ्यताग्रों के क्रम को जानने के लिये इस प्रकार का उत्खनन करता है ।

VERTICAL INTERVAL लम्बान्तर

VERTICAL SEPTUM उदग्र शिलाफलक

VERY REGULAR क्रमबद्ध

VESSEL पात्र

VESUVIUS व्हेसुवियस

इटली के नेप्ल्स (NAPLES) के पास एक ज्वालामुखी का नाम जिससे ईसा के ७६ में पाम्पे तथा हरकूलेनियम का विनाश हुग्रा था ।

VIEW दृश्य

VIHAR विहार

स्तूप के समीप बौद्ध भिक्षुग्रों के निवास के लिए पर्वतों को काटकर बनायी गई ग्रावास-निवास की जगह । सर्व प्रथम लकड़ी के विहार बनाए गए । ग्रागे चलकर पहाड़ काटकर विहार बनाए जाने लगे । इनमें ग्रशोककालीन 'बाराबर' के विहार सबसे पुराने हैं ।

VINYL ACETATE बिनायल एसीटेट, सरेस

VIRGIN SOIL ग्रप्रयुक्त धरती, ग्रसंस्कृत

VISOR ग्रग्रभाग, उभार

VISUALISE मनसेक्षण

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

VITREOUS SLIP कांचलेप

VITRIFIED FORT कांचित दुर्ग
वह दुर्ग जिसके पत्थर आग की क्रिया के कारण शीशे जैसे हो गये हों।

VOLCANO ज्वालामुखी

VOLPES LAGOPUS (ध्रुवी) लोमड़ी

VOLUME आयतन

VOTIVE पूजनीय

VOTIVE INSCRIPTION दानलेख

VOTIVE STUPA मनौती का स्तूप

VOTIVE TANK अर्चना कुण्ड

VULGARISATION ग्रामीणता

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

W

WADJAK MAN — वादजक-मानव

WARE — मृत्पात्र
किसी विशेष प्रकार की मिट्टी के बने बर्तनों के लिये इस शब्द का प्रयोग किया जाता है ।

WASTE-LAND — बंजर जमीन

WATCHMAKER — प्रहरी

WATER FALL — जलप्रपात

WATER PROOF — जलसह

WATTLE AND DAUB — नरकूल और मट्टी

WATTLE HUT — नरकूल कुटी

WAVY EDGE — नागमोडी धारा

WAX — मोम

WEATHERING — अपक्षयरण

WEDGE — फन्नी

WEDGE BLADE — फन्याकार ब्लेड

WESSEX CULTURE — वेस्सेक्स संस्कृति
दक्षिण-पश्चिम ब्रिटेन की कांस्ययुगीन संस्कृति जिसका काल ई० पू० १६०० से १४०० तक है ।

WET-BLOTTING — गीले-सोखते

WHALE — तिमि मछली

WHEELER, SIR MARTIMER — व्हीलर, सर मार्टिमर
भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के १९४४ से ४८ तक महानिर्देशक थे । उन्होंने हडप्पा, ब्रह्मगिरि और अरिकमेड् जैसे प्रसिद्ध स्थानों में खुदाई की । विभागीय कामकाज में

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

उन्होंने कई सुधार किये। खुदाई में स्तरविज्ञान को उन्होंने प्राथमिकता दी। जल्द से जल्द संपूर्ण उत्खनन वृत्तान्त का प्रकाशन इनकी विशेषता थी। विद्यालयीन छात्रों को खुदाई का प्रशिक्षण, मृद्भाण्डों का तिथिज्ञापन के लिये उपयोग, आलोक चित्रण एवं आरेखन में अचूकता आदि इनकी विशेषतायें थीं। आज भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग में कार्यरत अनेक विद्वान् इन्हीं के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

WHEEL MADE VESSEL — चाक पर बने बर्तन

WICKER STOOL — तिपाइ

WIG LIKE HAIR — लम्बे केश

WINCKLER, HUGO — विंक्लर ह्यूगो (१८६३-१९१३) जर्मन पुरातत्त्वज्ञ जिसने १९०६ से १९१२ तक बोगाज-कोई (BOGHAZ-KOI) का उत्खनन किया जो कभी हिताइतों की राजधानी थी। उन्होंने १०,००० उत्कीर्ण मृद्घटिकाओं की खोज की, जो हिताईत राजा की लायब्रेरी का एक भाग थी।

WINCKELMANN, JOHANN JOACHIM — विन्केलमन, जोहान जोअचीम (१७१७-१७६८) जर्मन पुरातत्त्वज्ञ तथा कलासमीक्षक HISTORY OF THE ART OF ANTIQUITY ग्रन्थ के लेखक।

WINDMILL HILL CULTURE — विण्डमिल हिल संस्कृति। दक्षिण इंग्लैण्ड की नवाश्मयुगीन संस्कृति जिसके सर्वप्रथम अवशेष विण्डमिल के प्राचीन टीलों में मिले।

WINE CUP — मद्य चषक

WOODEN HAMMER TECHNIQUE — काष्ठ-हथौड़ा प्रविधि

WOOD TECHNIQUE — काष्ठ-प्रविधि

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

WOOL ऊन

WOOLEY, SIR LEONARD वुली, सर लिओनार्ड (१८८०-१९६०)
ब्रिटिश पुरातत्त्वज्ञ, जिसे 'उर' की खुदाई से अधिक ख्याति मिली। यहां मिली राजाओं की कब्रों ने सबका ध्यान आकर्षित किया। इसके सिवा उबेद, कार्केनिश, अमार्ना आदि जगहों पर भी उन्होंने उत्खनन किया। पुरातात्त्विक लेखन लोकप्रिय कराने में इनका महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

WOOLLY MAMMOTH ऊनावृत्त महाकुंजर

WOOLLY RHINOCEROS ऊनावृत्त गेंडा

WORKING EDGE कार्यांग

WRITTEN लिपिबद्ध

WROUGHT IRON पिटवां लोहा

WURM वुर्म

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Y

YAMS रतालू

YARD यालदड

YAZILIKAYA टर्की के उत्कीर्ण पहाड, वेगोजकोई से दो मील पूर्व में है।

YI-NAN चीन का एक गांव जो शान्तुंग प्रांत में है। जहाँ हान (HAN) काल के अन्तिम समय की कब्रें मिली हैं।

YOKE SHAPED SYMBOL युगाकार (जुए के ग्राकार का) प्रतीक

YORUBA योरबा नाईजेरिया की एक जाति जो दक्षिण पश्चिम भाग में निवास करती थी।

YOUNG AGE नवीन ग्रवस्था

YOUNG, THOMAS यंग थॉमस (१७७३-१८२९) पेशे से डॉक्टर किन्तु वे भाषाविद् थे। बीस वर्ष की ग्रायु में वे २० भाषाएँ जानते थे। इक्कीसवें वर्ष में उन्होंने 'रॉयल सोसायटी' की सदस्यता ग्रहण की तथा बाद में उसी के वे विदेश सचिव बने। रोजेट शिलालेख (ROSETTA STONE) को पढ़ने वालों में वे सर्वप्रथम व्यक्ति थे।

YUKON VALLEY यूकोन घाटी

YUN-KANG चीन के शेनाई प्रांत में है जहां ईसा पूर्व ५वीं शती में उत्कीर्ण ४० बौद्ध गुफायें हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Z

ZERO PEG	शून्य खूंटी
ZEUGLODON	ज्यूग्लोडोन तिमि (WHALE) जाति की एक मछली, जो ५० फुट लम्बी तथा जिसके दांत होते थे। पानी में रहने वाली यह पहली जलचर थी।
ZHOB VALLEY	जोब घाटी (उत्तरी बलुचिस्तान में)
ZIGGURAT	जिगुरात, जारुक बेबिलोनियन का सशिखर मंदिर
ZIMBABWE	झिम्बाब्वे —होडेशिया में १२०० वर्ष प्राचीन किले-जैसा एक स्थान।
ZINC	जस्ता, जस्त
ZINJANTHRO-PUS	जिंजान्थ्रोपस टांगान्यिका में ग्रोल्डुवाई कन्दरा से प्राप्त हुआ एक बड़ा आस्ट्रेलोजिथेसाइन
ZLOTA POTTERY	ज्लोटा (पोलंड में) भांड
ZOB	झोब उत्तर बलुचिस्तान में हडप्पा के किनारे बसा हडप्पा पूर्व संस्कृति का स्थान है। यहाँ मिले लाल मृद्भाण्डों का संबंध इरानी संस्कृति से है। झोब का संबंध राणा धुंडई से जोड़ा जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ZONAL PATTERN	ग्राड़ी बनत
ZONE	मंडल
ZONED AND PANELLED ORNAMENT	ग्राडे ग्रौर खडे ग्रलंकरण
ZOOLOGIST	प्राणिशास्त्रवेत्ता
ZOOLOGY	प्राणिशास्त्र, प्राणिकी

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TOOLS

पूर्वीय देशों में उत्खनन के लिये चुने हुये औजार

१.२.	LARGE AND SMALL PICKS	बड़ी और छोटी गैंती
३.	SMALL PICK WITH SHOVEL-END	छोटी गैंती, फावडे सरीखी अन्तवाली
४.	HAND-SHOVEL	हाथ फावड़ा
५.	SHOVEL	फावड़ा
६.	TURF-CUTTER OR TRIMMER	तृण-कर्तक या किनारा बन्दी करने का औजार
७.	BASKETS FOR REMOVING EARTH	मिट्टी दूर करने के लिये टोकनियां
८.	SUPERVISOR'S KNIFE	पर्यवेक्षक की छुरी
९.	२-FOOT SCALE	दो फुट का पैमाना
१०.	४-FOOT POLE	४ फुट लम्बा डंडा
	(६-FOOT AND ८-FOOT POLES SHOULD BE ADDED.)	(६ और ८ फुट के डंडों सहित)
११.	GRADUATED TRIANGLE WITH BUBBLE LEVELS AFFIXED	अंशांकित त्रिकोण बबल लेवेल से संयुक्त किया हुआ
१२.	२-FOOT RULE	२-फुट का रूल
१३.	१००-FOOT REINFORCED TAPE	१० फुट लम्बा प्रबलित फीता

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

१४. NOTE-BOOK WITH ALTERNATE PAGES SQUARED	विपन्नी-पुस्तिकायें जिनके एकान्तर पृष्ठों में वर्ग बने हैं।
१५. BUBBLE-LEVEL	बबल लेवेल
१६. PLUMB-BOB	साहुल
१७. BRUSHES OF VARIOUS SIZES AND SHAPES BROOMS, HARD AND SOFT SHOULD BE ADDED.	अनेक आकार और परिमाण के ब्रश, कड़े और नरम, सम्मिलित किये जायें।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

सहायक ग्रन्थ-सूची

१. AN ARCHAEOLOGICAL GUIDE AND GLOSSARY, JAMES STEWART, LONDON 1960

२. ANCIENT INDIA, NO 3, 1947, 'STONE AGE INDIA' V.D. KRISHNASWAMI, APPENDIX GLOSSARY

३. ARCHAEOLOGY A-Z, GEOFFERY PALMER AND NOEL LLOYD, LONDON 1968

४. STONE AGE TOOLS : THEIR TECHNIQUES, NAMES AND FUNCTIONS, H.D. SANKALIA, POONA 1964

५. TERMS USED IN ARCHAEOLOGY, A SHORT DICTIONARY, CHRISTOPHER TRENT, LONDON 1959

६. आदमी की कहानी, डोनाल्ड बार, दिल्ली, १९६०

७. जातिवर्गों का विकास, चार्ल्स डार्विन, लखनऊ १९६४

८. पुरातत्त्व शब्दावली, दीनबन्धु पाण्डेय, वाराणसी १९६९

९. पुरातत्त्व विज्ञान, राम प्रकाश ओझा, लखनऊ १९७१

१०. " " वैद्यनाथ पुरी, इलाहाबाद १९५२

११. पुरातत्त्व विद्या (मराठी), शा० भा० देव, पुणे १९७६

१२. प्रागैतिहासिक भारतीय चित्रकला, जगदीश गुप्त, दिल्ली १९६७

१३. प्रागैतिहासिक मानव और संस्कृतियां, श्रीराम गोयल, गोरखपुर १९६१

१४. पृथ्वी से पुरातत्त्व. मार्टिमर व्हिलर, दिल्ली १९६८

१५. भारतीय प्रागितिहास, राधाकान्त वर्मा, इलाहाबाद १९७०

१६. भौतिक भूगोल तथा भूगर्भशास्त्र के सिद्धान्त, बलवीरसिंह नेगी, इलाहाबाद १९६९

१७. मानव की कहानी, कार्लटन एस० कून, दिल्ली १९६४

१८. सांस्कृतिक मानवशास्त्र मैलविल जे० हर्सकोवित्स, दिल्ली, १९६०

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ADDENDA

A

ABORAL अपमुख
ABRUPT आकस्मिक
ACCRETION अभिवृद्धि, संचय
ACCUMULATION संचय
ACHIEVEMENT उपलब्धि
ACQUAINTANCE परिचय
ADAPTIVE RADIATION अनुकूली विकरण
ADDUCTOR अभिवर्तनी
ADMINISTRATIVE SYSTEM शासन प्रणाली
AFFINITY सामञ्जस्य
AGAMONT अयुग्मक
AGE युग
AIRDUCTS वायुनलिका
AISLE पार्श्व
ALABASTER सेलखड़ी, चूने का पत्थर
ALMOND SHAPED HANDAXE बादामाकार हस्त परशु
ये बादाम की तरह सुडौल एवं गठित होते हैं।
ALTAR वेदी
ALTERNATE FLAKING TECHNIQUE एकांतर फलकीकरण प्रविधि
इसका प्रयोग उपकरण के बाहरी किनारे को बनाने के लिये किया जाता था। इसमें पहले एक ओर से फिर पत्थर की दूसरी ओर से फलक निकालते हैं। फलक निकल जाने के बाद उपकरण का कार्यांग अंग्रेजी के अक्षर S के

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

समान टेढ़ा-मेढ़ा लगता है। यही कारण है कि इसे 'एस ट्विस्ट' भी कहते हैं।

ALTERNATING	प्रत्यावर्ती
AMETHYST	एमिथिस्ट, कहरुवा के मनके
ANCILLARY	संलग्न, सहायक, गौण
ANIMAL WORSHIP	पशुपूजा
ANTENNA	शृंगिका
ANTERIOR	अग्र
ANTICLOCK-WISE	अप्रदक्षिणी
APERTURE	छेद, छिद्र, द्वार
APPARATUS	उपकरण, यंत्र
APPLIQUE	चिपकवाँ
APPLIQUE FORM	ऊपर से चिपकाई
AQUATIC	जलचर
ARCHETYPE	आद्यस्वरूप
AREA	क्षेत्र
ARID	शुष्क
ARROW	शरचिन्ह, धनुष
ASSOCIATION	साहचर्य
AURICLE	कर्णिका
AUTOCRACY	एकतन्त्र
AWLS	आरा

B

BARBED	कंटिला, कांटेदार
BAR-CELT	लम्बी टांकी
BASIN	तसला, कुंडी, थाली
BASTION	बुर्ज
BEAKED RIM	चंचु कोर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BED तह; तल

BENTHOS तलीय समूह

BICHROME दुरंगा

BILL HOOK लग्गा

BLOCK निपिंड, खंड

BLOCK-ON-BLOCK TECHNIQUE स्थिर हथौड़ा पद्धति

इस पद्धति में जिस पत्थर को तोड़ना है उसे उठाकर किसी स्थिर हथौड़े या दूसरे विशाल पत्थर या अन्य चट्टान पर पटक देते हैं। निश्चय ही ऐसा करने से मनोवांछित फलक प्राप्त नहीं होंगे। इसीलिये इसका नाम स्थिर हथौड़ा पद्धति रखा गया है। इसमें फलक निर्बाध रूप में प्रकट होते हैं। इसका दूसरा नाम "पत्थर से पत्थर टकराना" भी है क्योंकि इसमें हाथ वाला पत्थर किसी स्थिर वस्तु से टकराया जाता है। यदि हाथ का पत्थर (अर्थात् कोर पत्थर) अधिक वजनी नहीं है तो उसे स्थिर पत्थर पर बार-बार मारकर काफी हद तक इच्छित रूप दिया जा सकता है। पर हर अवसर पर इच्छानुसार फलक प्राप्त करना कठिन है। इस प्रविधि की प्रमुख विशेषता यही है कि हथौड़ा या प्रहारक स्थिर रहता है। एवं कोर पत्थर चलायमान। चूंकि ऐसे पटकने से प्रहार तेज होता है इसलिये फलकों का अर्ध शंकु काफी विकसित होता है। इन फलकों में आघात की दरारें, अर्धशंकु का चिह्न और गहरे फलक चिह्न मिलते हैं। इस पद्धति का प्रयोग अक्सर पत्थर को गढने एवं सवारने के लिए किया जाता था। इससे अनियंत्रित फलक ही पैदा हो सकते हैं।

BLURRED धुंधला

BOULDER गोल पत्थर

BOUNDED बद्ध

BRAID जूड़ा, चोटी

BRANCHI कल्लापदर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

BUD कली
BUFF पांडु
BUILDING CONSTRUCTION भवन निर्माण
BUREAUCRATIC नौकरशाही, अधिकारी तंत्रीय
BURIAL CAVES शवधि गुफाएं
केरल के पहाड़ों की तलहटी में इस प्रकार की गुफाएँ लैटेरोईट जमीन में काटी गई हैं। गुफाओं की तलयोजना अधिकतर वृत्ताकार या आयताकार है। छत, गुंबदाकार है। पहले एक गड्ढा खोदकर उसमें सीढ़ियाँ बनायी जाती थीं। इसमें एक या कई दिशाओं में दरवाजे खोदे जाते थे, जो लगभग १.५ फुट ऊंचे होते थे, जिनमें कठिनाई से मनुष्य प्रवेश कर सकते थे। इन दरवाजों के पीछे गुफाएं खोदी जाती थीं, जिनका उपयोग शवाधान के लिये होता था।
BURIAL PRACTICE शवाधान परम्परा, शव दफनाने की प्रथा
BURIAL URN अस्थिपात्र
BURROW स्तूप, शव पर बना थूहा
BUTT कुंदा

C

CAIRN BURIAL संगोदर शवाधान
CALTROP गोखरु
CAPSULE कोप
DARDINAL मुख
CAVITY गड्ढा, कोटर
CEMETERY AREA श्मशान क्षेत्र
CENTAURS किन्नर
CEREBRAL मस्तिष्क
CHALCOLITHIC ताम्रपाषाणिक
CHAMELEON कृकलास

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CHANNEL	जलमार्ग, मार्ग
CHARACTERISTIC	विशेषता
CHARRED	झुलसाया हुआ
CHEVRONY	त्रि-अरीय
CHIPPED	तराशा हुआ
CHIVALRY	वीरता
CHOPPING-TOOL TRADITION	चॉपिंग उपकरण परंपरा
CHRONICLE	पुरावृत्त
CIRCLE	घेरा
CIRCUMFERENCE	परिधि
CIRCUMAMBULATION	प्रदक्षिणा
CLAMP	शिकंजा
CLOD	मिट्टी का ढेला
COARSE	अपरिष्कृत, स्थूल
COAT	तह
COEXISTENCE	सह अस्तित्व
COFFIN BURIAL	ताबूत शवधि
COINCIDE	संपात होना
COLLAPSE	गिरना
COLLAR	हंसली
COMMEMORATIVE BURIAL	स्मारक शवधि
COMMERCE AND INDUSTRY	उद्योग और व्यवस्था
COMMENT	समीक्षा करना
COMPRISED	समाविष्ट
CONCEPTION	अवधारणा
CONCLUSION	निष्कर्ष
CONJECTURE	अनुमान

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CONSOLIDATION पुनर्गठन
CONSTITUENT घटक, अंग
CONTEMPO-RARY समसामयिक, तत्कालीन
CONTINENTAL SHELF खंडमंच, महाद्वीपीय चट्टान
CONTINENTAL SLOPE महाद्वीपीय ढलान
CO-ORDINATION समन्वय
CORD डोरी
CORONA किरीट
CORROSIVE संक्षारक, जंग लगने वाला
CRANIAL शीर्ष
CRANIUM कपाल, कवटी
CREDULOUS विश्वासशील
CRENULATED दंतुर
CRISS-CROSS PATTERN आडा तिरछा नमूना
CUBE घनाकार
CURVILINEAR वक्ररेखीय
CYLINDRICAL BEEKER बेलनाकार या मृदंगाकार मर्तबान
CYCLONE चक्रवात
CYTOPLASM कोशिका द्रव्य

D

DAMPER नमी वाली
DECADENT सड़ने वाला
DECAY क्षय
DECIPHERMENT पढ़ा जाना
DECLINE ह्रास, अपकर्ष

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

DEDICATIVE	समर्पणीय
DEEP PIT BURIAL	गहन गर्त शवधि
DEFENCE	रक्षा प्रणाली, बचाव, प्रतिरक्षा
DEFILE	संकरा रास्ता
DELTOID	त्रिकोणाभ
DEMI	अर्ध
DENUDE	नंगा करना
DESCRIPTION	विवरण
DESTINY	नियति
DETERIORATE	खराब होना, अवस्था बिगड़ना
DEVASTATIONS	विध्वंस, सर्वनाश
DIAGONAL	विकर्ण, तिरछा
DIAMOND SHAPE	हीराकार
DIATOMS	करंडक वनस्पति
DICYCLIC	द्विआवर्तनी
DIRK	कटार
DISH BEADS	चकलीनुमां मनके
DISPOSAL OF THE DEAD	मृतक विसर्जन
DIVERGENT	अपसारी, अपसारक
DIVERSITY	विभिन्नता
DOCK YARD	गोदी, बन्दरगाह
DONATE	भेंट करना
DRAINAGE	नाली
DRIP	टपकना
DRY	शुष्क
DUMP	ढेर
DUN	टिब्बा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

E

EAR	कान, कर्ण
ECONOMIC LIFE	आर्थिक जीवन
EDICT	आज्ञा, आदेश, उपदेश
EDIFICE	मकान, भवन
ELABORATE	विस्तृत
ELLIPTICAL	दीर्घवृत्ताकार, अण्डाकार
ELONGATE	लम्बा
EMINENCE	उत्सेध
ENDOCYCLIC	अन्तआवर्तनी
ENSURE	सुनिश्चित करना
EPITHECA	अधिप्रावरक स्तर
EQUIVALENT	पर्याय
ETCHED	निक्षरित, खरोंची गई, रेखित
EULOGY	प्रशस्ति
FXTENT OF THE CULTURE	सभ्यता का विस्तार
EXTRACAPSULAR LAYER	वाह्यकोषीय स्तर

F

FACETE	पृष्ठक, फलक
FAIERCE	कांचली मिट्टी
FALSE	आभासी, अयथार्थ
FASCIOLE	अस्यपट्टा
FERRULE	जोड चूडी
FILLING	भरण
FIRST GROUP	प्रथम वर्ग
FLAGELLUM	कशाभिका
FLAKE	फ्लेक, फलक पत्थर के नियमित टुकड़ों को फ्लेक कहते हैं

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

FLANK पार्श्व, बाजू
FLEARING RIM फैला किनारा
FLORAL DESIGN फुलकारी
FOREIGN TRADE विदेशी व्यापार
FORKED कांटेदार
FORT AREA दुर्ग क्षेत्र
FOSSIL WOOD प्रस्तरित काष्ठ
FOSSILIZATION जीवाश्मीभवन
FRAGMENTARY खंड, अंश
FRAGMENTARY BURIAL आंशिक या अवशेष शवधि
FROND तालपत्र
FUNGUS कवक वनस्पति
FUNNEL कीप
FURROW खांच, लीक

G

GAMETES युग्मक
GAZED WARE कांचित मृद्भाण्ड
GLOBULAR गोलिकाकार
GLOSSY श्लक्ष्ण
GRID PATTERN जालक पद्धति
GRITTY कंकरीला, कंकरीवाले
GROVER छेनी
GUARD ROOM रक्षक कक्ष
GUIDE FLAKE नियामक शल्कल

H

HABITATS निवास क्षेत्र
HALLMARK प्रमाणचिह्न
HAULIERS ढोने वाले

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

HEAD SCRATCHER	सिर खुजलाने का यन्त्र अर्धचन्द्राकार एक ऐसा यन्त्र जो कि सिर को खुजलाने के काम में लाया जाता था।
HEAP	ढेर
HEARSAY	अनुश्रुति
HELMET	शिरस्त्राण
HEMI	अर्ध
HINGE AREA	बिजागरी क्षेत्र
HISTORIO-GRAPHY	पुरावृत्तरचना, इतिहास-लेख
HOOK	अंकुश
HORIZON	क्षितिज
HOURGLASS	रेतघड़ी
HUDDLE	भीड़
HUMPED BULL	कूबड वाला बैल
HUNTING	शिकार, आखेट
HUSK	भूसी, भूसा
HUT POT	कुटीराकार
HYDROTHECA	चषकप्रावर
HYPOSTOME	ओठ

I

IDENTICAL	समान
IMITATION	अनुकृति
IMMIGRANT	अप्रवासी
IMPERFORATE	अभेद्य
INCENSE	धूप
INCISED FORM	खींचन विधि
INCURRENT SIPHON	अन्तर्वाही नलिका
INDUS	सिंध
INDUS SCRIPT	सिंधु लिपि

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

INEQUILATERAL असमक्षेत्री
INFLECTED अंतर्वलित
INFRA अवतल
INORGANIC अजैविक
INTACT अविकल
IRREGULAR असम
ITHYPHALLIC महालिंगी
ITINERARY मार्गसूची

J

JAR मटका, गगरी, कूंडा
JOINT BURIAL युगल शवधि

L

LADDLE बड़ा चम्मच
LAMELLAR पर्णाकार
LAMINATED परतदार
LANCEOLATE PLATE भाला तकट
LAND MARK सीमा चिह्न
LAPPING प्रमार्जन
LATCH चिटकनी
LATER PERIOD बाद का काल
LEAD सीसा
LID ढक्कन
LIME चूना
LIVING TRADITION जीवान्त प्रथा
LOAM दुमट
LOCAL INHABITANTS स्थानीय निवासी
LOESSIC पवनोठक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

LOIN कमर
LOOP फंदा
LOPSIDED लूनपार्श्वता
LOZENGES बर्फी
LUMP ढेर, पिंड
LUSTROUS चमकदार

M

MAMMELON गोलाभ
MANDIBLE चिबुकास्थि
MARC मदिरा या तेल का कीट, तलछट
MARGINAL उपान्त
MANGOL मंगोल, किरात
MASSIVE स्थूल, भारी
MASTIC मस्तगी
MAT चटाई
MATURITY परिपक्वता
MEDUSOID FORM छात्रिक रूप
MEGALITHIC BURIAL महापाषाण या महाश्म शवधि
MEGALITHIC CULTURE बृहदश्मीय संस्कृति

ईसा पू० १५०० से ईसा पू० ३०० वर्ष के कालखण्ड में जो संस्कृति विद्यमान थी उसे बृहदश्मीय संस्कृति के नाम से अभिहित किया जाता है। यह अभिधान इन लोगों की अन्त्येष्टि क्रिया के कारण किया गया है। क्योंकि मृतकों की निखात भूमि के चारों ओर बड़े-बड़े पत्थर चुनकर एक वृत्त बनाना इसकी प्रमुख विशेषता है।

MICRO सूक्ष्म
MICOQUIAN HANDAXE मिकोकीयन हस्त परशु

यह नाम फ्रांस में स्थित ला मिकाक के आधार पर किया

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

	गया है। इसका निचला भाग लगभग गोल, पर ऊपरी क यांग बहुत लम्बा एवं नुकीला होता है।
MICROPALAEO-NTOLOGY	पुरासूक्ष्म जीवशास्त्र
MILLENNIA	सहस्राब्दी
MOAT	खाई
MOLAR	चर्वणदन्त
MONO	एक
MOTTLED	चित्तीदार
MULTIPLE HOOD STONE	बहुल हुड स्टोन
MULTISPIRAL	बहुवलयी

N

NECK	ग्रीवा, गर्दन
NEOLITHIC	नवपाषाणिक
NEOLITHIC BURIAL	नवपाषाणयुगीन शवधि
NIBBLED	तराशा गया
NICK	खांच
NOMADIC	खानाबदोश, यायावर
NUMISMATICS	मुद्रा विज्ञान

O

OBLITERATED	मिटा हुआ
OBSCURE	दुर्बोध
OBVERSE	दूसरे भाग पर
OCCURRENCE	घटना
OCHRE	गेरु
OFFICIAL	प्रशासनिक
OFFSHOOT	उपशाखा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ONYX सुलेमानी मनके
OSTEAL आस्थिक, अस्थि-संबंध
OVATE अंडाकार

P

PALAEOPATHOGICAL पुरारोग
PALLIAL LINE प्रावार रेखा
PALM करतल
PALM LEAF तालपत्र
PAN पपड़ी
PANEL दिलहा
PATINATED मोर्चा लगा हुआ
PAUCISPIRAL अल्पवलयी
PEARL मुक्ता, मोती
PEAR SHAPED HANDAXE नाशपाती आकार के हस्तपरशु
यह नीचे से नाशपाती की तरह एवं ऊपर कार्यांग की ओर हीरे की शक्ल का होता है ।

PEBBLE BUTTED HANDAXE पेबुल समन्तान्त हस्त परशु
फलक तथा कोर उपकरण उद्योग का एक उपकरण जिसका कार्यांग नुकीला होता है एवं निचला भाग गोल नाशपाती के आकार का होता है ।

PEBBLE INDUSTRY पेबुल उपकरण उद्योग
यदि किसी स्थान पर पेबुल उपकरण बहुत अधिक संख्या में प्राप्त होते हैं तो उसे पेबुल उद्योग नाम देते हैं । ये अधिकतर निम्नतर स्तरों में ही प्राप्त होते हैं । युगांडा के काफुअन, केनिया के ओल्डोवेन, चीन के चौकोतिया, बर्मा के एनियाथिया एवं पंजाब के सोहन उद्योग प्रसिद्ध हैं ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

PELLET गोली
PENTAGONAL पंचभुजाकार
PERFORATED HANDLED CUP छिद्रित सकर्ण चषक
PERSIAN इरानी
PESTLE मुसल
PETRIFACTION अश्मीभवन
PHRAGMOCONE आवृत्त शंकु
PHYLOGENY जातिवृत्त
PILE ढेर
PIN पिन, अल
PISCES OR FISHES मत्स्य
PLATEAUX पठार
PLATFORM मंच, चबूतरा
POINT OF PERCUSSION सम्पर्क बिन्दु
'आघात स्थल' के जिस केन्द्र पर सम्पर्क स्थापित होता है उसे सम्पर्क बिन्दु कहते हैं।
PORCUPINE सेह
POSTULATE अभिधारणा
POT BURIAL कलश-शवधि
POUNDING कूटना
PRECIPITATION अवक्षेपण
PREJUDICE विपरीत प्रभाव
PROFILE पार्श्व चित्र
PROLIFIC बहुजनक
PRO-OSTRACUM अग्रकवच
PROTO आद्य
PROTOTYPE आदिरूप
PSEUDOPODIA छद्मपाद
PUNNY दुर्बल
PYGMY बौना

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Q

QUADRANGULAR	चौकोन
QUADRATE	चौधारी, चार धारियों वाला
QUALITY	गुण, प्रकार, स्वरूप, विशेषता
QUARRY	खदान

R

RADIAL	आरीय
RAMPART	परकोटा, दुर्ग प्राचीर
RANG IN TIME	कालव्याप्ति
RAVINE	तंगघाटी
RAZOR	उस्तरा
RECIPROCAL	पारस्परिक
REGIONAL	क्षेत्रीय
RELIGIOUS LIFE	धार्मिक जीवन
RESERVOIR	तालाब
RETICULATE	जालीदार
RETURN WALL	समानान्तर दीवार
RHIZOIDES	मूलकल्प
RIBBON	पट्टी, फीता
RIGORUS	कठिन
RITUAL	कर्मकाण्ड
RIVETMENT	रक्षाभित्ति
ROSTROCARINATE	रोस्ट्रोकेरीनेट पेबुल उपकरण उद्योग से प्राप्त एक उपकरण, जिसका एक पक्ष सपाट एवं दूसरा थोड़ा गोलाकार होता है। ऊपर के भाग से फलक निकालने के कारण एक "कटक" सा बन जाता है जो किसी पक्षी की चोंच जैसा लगता है।

S

SALT GLAZED	क्षारश्लक्ष्ण
SCALLOPED	कंबुक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

SCANDENT आरोही
SCHEMATIC आयोजित
SCOPE अध्ययन क्षेत्र
SCUBBY निकम्मा
SEGMENTE खण्डात्मक
SEMBLANCE आभास
SEMI अर्ध
SEPTAL NECK पटग्रीवा
SERAP रद्दीमाल
SERIES श्रेणी, क्रम
SEXUAL PHASE लैंगिकी अवस्था
SHALLOW-PIT BURIAL उथली गर्त शवधि

इसमें प्रायः १२ फीट या उससे कम व्यास के प्रस्तर खण्ड के भीतर एक गड्ढा खोदा जाता था और उसमें कलश या मिट्टी की आधार स्तम्भ युक्त शवपेटिका में शवाधान क्रिया की जाती थी। कोचीन के पोरकलाम स्थान में ऐसे ही एक ४.५ फीट गहरे गर्त से एक विशाल तथा कई छोटे कलश, तीन लौह उपकरण तथा कुछ खण्डित अस्थियां प्राप्त हुई हैं।

SHOAL छिछला
SHREW नेवला
SILL देहली
SINISTRAL अपसत्य
SINUS कोटर
SITUATION स्थिति
SKIN RUBBER झांबा

आजकल की भांति प्राचीन काल में भी शरीर पर जमे हुए मैल को निकालने के लिये स्नानागार में झांबा का उपयोग हुआ करता था। इसके एक ओर कटीला या उभारदार हिस्सा होता था, तथा दूसरी ओर सादा। ये गोल, आयताकार अण्डाकार हुआ करते थे।

SLABBED CIST पटिया सिस्ट

इस संदूक नुमा रचना में अनगढ़ या कुछ गढ़े हुए ग्रेनाइट

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

या लैटराईट की आयताकार शिलापट्टिकायें होती हैं। जिनको आधा जमीन में गाड़कर आधे भाग को ऊपर की ओर उठाकर छोड़ देते हैं। इसकी पूर्वी दीवार में आवरण प्रस्तर के नीचे अर्ध वृत्ताकार या समलंबाकार मूका २ फीट के व्यास वाला बनाया जाता है। मूका को एक शिला पट्टिका से बन्द कर दिया जाता है। वहां तक पहुँचने के लिये रास्ते का भी प्रावधान था। सिस्ट के अन्दर अनेक मानवों की आंशिक अस्थियां, लोहे के उपकरण तथा मृद्भाण्ड मिलते हैं। इस तरह के महाश्म उत्तरी मैसूर के ब्रह्मगिरि स्थान पर खोदे गये हैं।

SLAG धातुमल

SLUGGISH सुस्त

SOCIAL LIFE सामाजिक जीवन

SPALLS कत्तर

SPAN विस्तार

SPIKE खूंटी

SPINE कंटक

SPIRE कलस

SPLAY-BLADED तिरछा फलक वाला

SPLIT कान में छेद करना

SPLITTING काटना

STAINED धब्बेदार

STALK वृन्त, धड़, जंघा

STEATITE छिया पत्थर

STEP FLAKING TECHNIQUE सोपानपाद फलकीकरण प्रविधि

यह प्रविधि बहुत विकसित उपकरणों के लिये प्रयुक्त की जाती थी। इसके द्वारा निकाले गये फलक बहुत निश्चित एवं नियमित होते थे। इस प्रविधि में छोटे-छोटे फलक इस प्रकार से निकाले जाते हैं कि एक के शंकु का गड्ढा दूसरे फलक के लिये आघात स्थल बन जाता है। इस प्रकार क्रमशः एक फलक चिन्ह दूसरे फलक का आघात स्थल बनता है। क्योंकि एक फलक चिन्ह दूसरे के लिये एक आधार (सोपान) और दूसरा तीसरे के लिए आधार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

	बन जाता है, इसलिये इस पद्धति को सोपान फलकीकरण प्रविधि कहा जाता है ।
STERILE	अनुर्वर
STIMULI	उद्दीपन
STONE AGE BURIAL	पाषाण युगीन शवधि
STRATIFIED	स्तरीकृत
STRATIGRAPH	स्तरक्रम
STUD	दुपेचा
STURDY	कंटीला, तगड़ा
STYLIZED	निरूढ
SUB PERIOD	उपकाल
SUBSIDIARY	सहायक
SUB-SOIL WATER	भूमिगत जल
SUBSTANTIAL	ठोस
SUMMER WOOD	ग्रीष्म काष्ठ
SUPERSTITION	अन्धविश्वास
SURFACE	सतह, धरातल
SWINGING TECHNIQUE	स्विंगिंग पद्धति फ्रांस के पुरातत्त्ववेत्ता ब्रायल के अनुसार आदि मानव कोर फलक को किसी लकड़ी की तिपाई आदि से धागे या स्नायु से बांधकर लटका देता था फिर उसे हिला-हिला कर पीछे किसी सख्त चीज से टकराता था और फलक निकालता था ।
SYMBOLIC OR COMMEMORA-TIVE BURIAL	प्रतीक या स्मारक शवधि

T

TAN	टैन
TAPERING	नुकीला, शंकु जैसा
TEGMEN	अंतश्चोल
TERON	चूल, दांत

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

TERMINAL	सिरा
TERRA	वेदी
TERRACOTTA SARCOPHAGI	मिट्टी की शवपेटिका
TESTIMONY	साक्ष
THALLOPHYTES	समुद्रीय वनस्पति
THIN	पतला
THIRD GROUP	तृतीय वर्ग
TILE	खपरा
TILT	झुकना
TIMBER	काष्ठ
TOPOGRAPHY	स्थलाकृतिविज्ञान
TOP SOIL	ऊपरी मिट्टी
TOWN PLANNING	नगर नियोजन
TRACKING	लीक पकड़ना
TRADE	व्यापार
TRANSITION	संक्रमण
TRANSLITERATION	लिप्यंतर
TREE WORSHIP	वृक्षपूजा
TRIANGULAR HANDAXE	त्रिभुजाकार हस्तपरशु इसकी दो भुजाएँ लगभग बराबर एवं एक भुजा छोटी होती है और यह त्रिकोण सा लगता है।
TRIDENT	त्रिशूल
TRIPOD	त्रिपाद
TRISECT	समत्रिभाजन
TURAQUISE	वैदुर्य, नीलमणि
TURTLE BACK	कच्छप पृष्ठ पेबुल उपकरण उद्योग में एक उपकरण ऐसा भी मिलता है जिसका स्वरूप कछुए की पीठ से मिलता जुलता है, उसे कच्छप पृष्ठ कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

U

UMBO चोंच

UMBRELLA STONE छत्र प्रस्तर
छाते से मिलती आकृति के कारण यह नामकरण किया गया है, ये छत्र प्रस्तर गर्त-शवधियों के ऊपर बनाये गये हैं, इसमें प्रायः ४ फीट ऊँचाई के ऊपर की ओर शुण्डाकार (पतले होते) लैटेराईट पट्टियों को भीतर की ओर झुकाकर इस प्रकार खड़ा करते थे कि आधार पर एक वर्ग बन जाता था और इसके शीर्ष पर एक गुंबदाकार आवरण प्रस्तर रख दिया जाता था । इस प्रकार के प्रस्तर केरल और विशेष कर कोचीन में अधिक मिले हैं ।

UNI एक

UNICORN एक श्रृंग

UNPLUMBED टेढा

V

VARIENT अलग-अलग

VASE कलश

VFNTRAL उदर, बाह्य, अधर

VIRGULO रज्जू

VITREOUS कांच जैसा, कांच सम

VOLUTE शंखावर्त

VOTIVE TANK पूजा की थाली
भारत में प्राचीनकाल से ही पूजा थालियों के विशेष महत्व की गौरवमय परम्परा रही है । ईसा की दूसरी सदी से मिट्टी की बनी गोल और चौकोर थालियों में दीप भी बने रहते हैं तथा नाग-नागिन और देवतागण । स्त्रियां इन्हें लेकर नदी के किनारे जाती थीं । उनमें दीप जलाती थीं. पूजा आदि करती थीं और अन्त में इन्हें जलमें प्रवाहित करती थीं ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

W

WEATHERED	छीजा हुआ
WEEP HOLE	जल छिद्र, रिसता छेद
WIDTH	चौड़ाई

Z

ZIGZAG	टेढ़ामेढ़ा

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

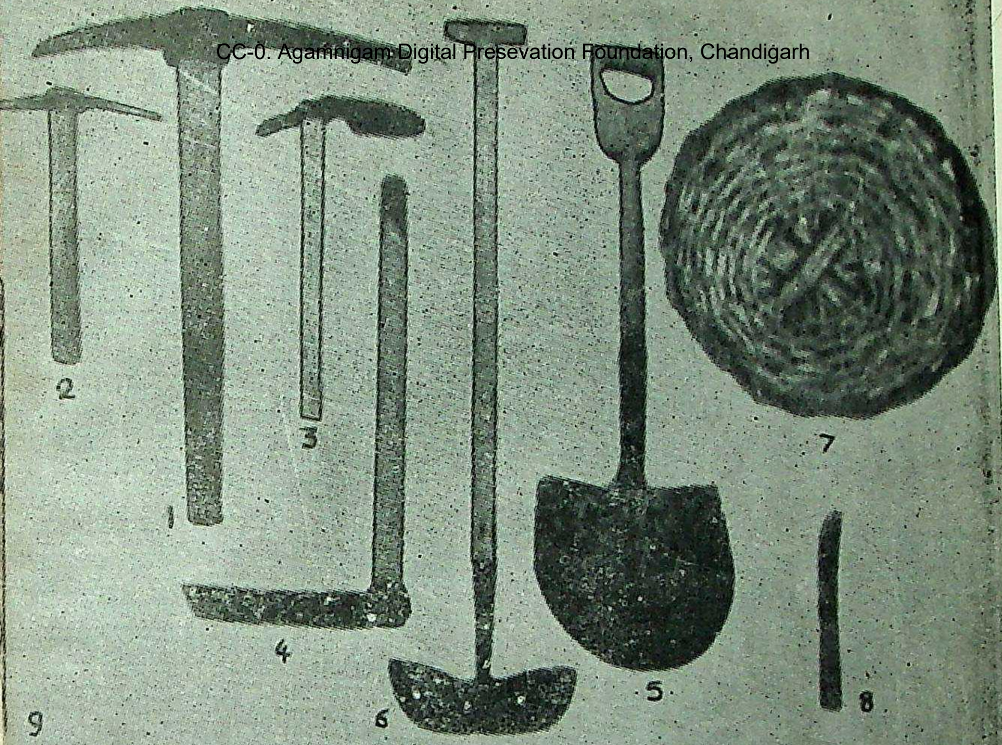

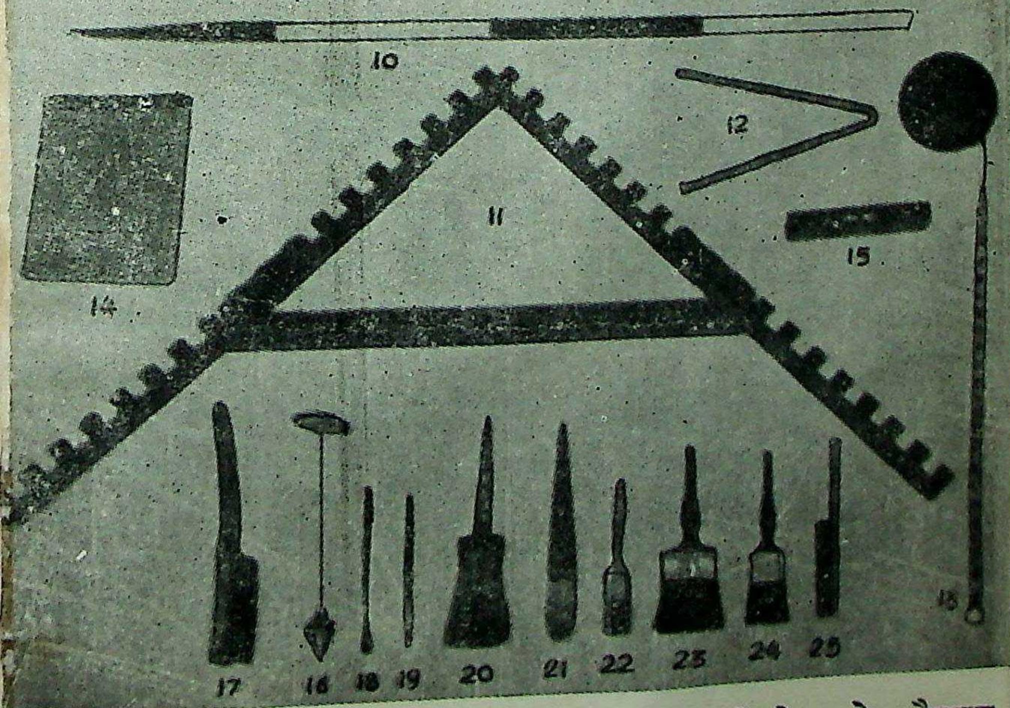

Tools for excavations उत्खनन के लिये चुने औजार

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Symbols for Sections

BURNT BRICKS
पक्की ईंटें

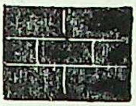

MUD BRICKS
मिट्टी की ईंटें

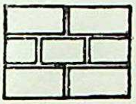

OOSE EARTH WITH GRAVEL ETC.
जरी ढीली मिट्टी आदि

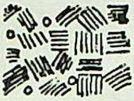

LOOSE EARTH
ढीली मिट्टी

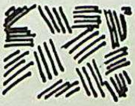

COMPACT EARTH
सेहत मिट्टी

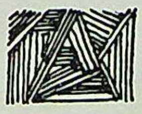

LOOSE CLAY
ढिली मृत्तिका

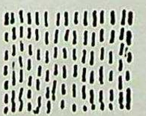

COMPACT CLAY
सहत मृत्तिका

ASH
राख

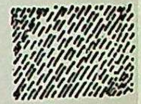

MUDDY BANDS
मिट्टी की राख

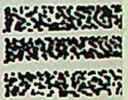

POTSH ERDS
बर्तनों की ठिकरिया

GRAVEL
बजरी

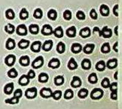

SAND
बालू

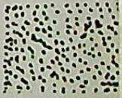

BRICKBATS ETC.
कंकड़ पत्थर

SURFACE HUMUS
सतही ह्यूमस

भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा सेक्शन के आरेखन में उपयोग में लाये हुए प्रतीक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

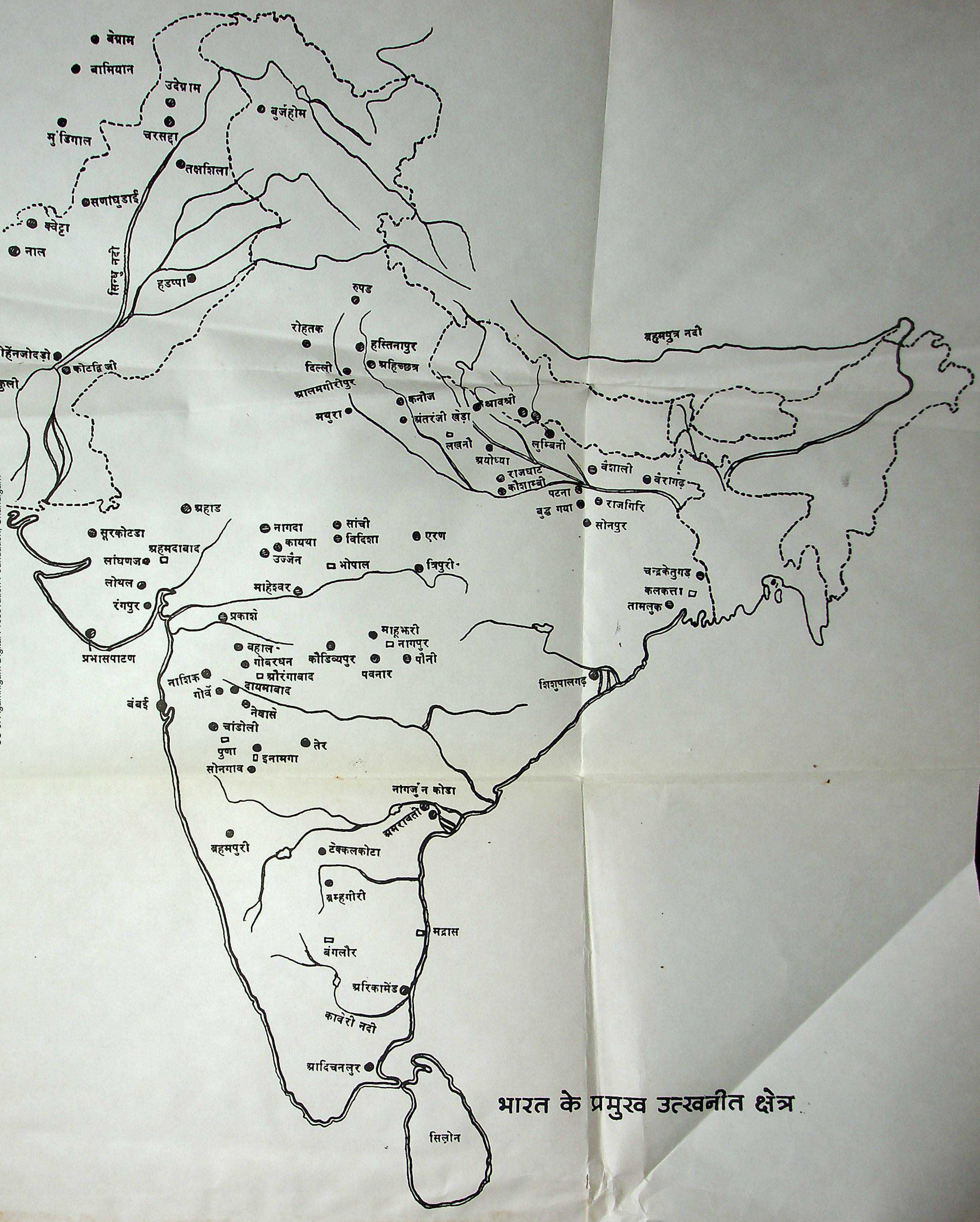

भारत के प्रमुख उत्खनीत क्षेत्र

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh